सुविचार

संसार भर के उपद्रवों का मूल व्यंग्य है। हृदय में जितना यह घुसता है, उतनी कटार नहीं।

–जयशंकर प्रसाद

Daily

सच के हक में...

THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Tapsee Pannu Stretches...

Ranchi ● Tuesday, 03 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 226 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	82,365.77
निफ्टी	:	25,278.70

SARAFA

सोना	:	6,840
चांदी	:	91.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आतंकियों ने की फायरिंग एक जवान शहीद

SRINAGAR : सोमवार की सुबह जम्मू-कश्मीर के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर आतंकियों ने सेना पर फायरिंग की है। इसमें एक जवान शहीद हो गया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों ने मिलिट्री स्टेशन के बाहर से छिपकर स्नाइपर गन से गोलियां चलाई थीं। जवान के घायल होने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

भाजपा विधायक राणे के बिगड़े बोल, दो एफआईआर

AHMADNAGAR : धर्म गुरु रामगिरी महाराज के समर्थन में 1 सितंबर को महाराष्ट्र के अहमदनगर में सकल हिंदी समाज आंदोलन हुआ। इसमें भाजपा विधायक नितेश राणे ने कहा– महंत रामगिरी महाराज के बारे में कोई कुछ बोलेगा तो मस्जिद में घुसकर चुन–चुन कर मारेंगे। राणे के भाषण का वीडियो सामने आने के बाद अहमदनगर पुलिस ने सोमवार को श्रीरामपुर और तोपखाना थाने में 2 एफआईआर दर्ज की है।

फिलीपीन में बाढ़-भूस्खलन ने ली नौ लोगों की जान

NEW DELHI : सोमवार को उत्तरी फिलीपीन में तूफान के कारण भूस्खलन और भारी बारिश हुई। कई इलाकों में बाढ़ आ गई और लैंडस्लाइड भी हुआ। इसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इसे देखते हुए अधिकारियों ने स्कूलों को बंद कर दिया तथा सरकारी कामकाज भी स्थगित करना पड़ा। मौसम ब्यूरो के अनुसार, तूफान मनीला के दक्षिण–पूर्व में क्यूजोन प्रांत के इनफांटा शहर से 115 किलोमीटर उत्तर–पूर्व में था।

मंदिर मार्ग पर भूस्खलन दो महिलाओं की मौत

JAMMU : सोमवार को जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के नए रास्ते पर भूस्खलन होने से दो महिला तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। एक लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि अपराह्न करीब दो बजकर 35 मिनट पर भवन से तीन किमी आगे पंछी के पास भूस्खलन हुआ, जिससे लोहे के ढांचे का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्री मंदिर की ओर जा रहे थे, तभी भूस्खलन के कारण वह लोहे के ढांचे के नीचे फंस गए।

होटल में मिली अमेरिकी नागरिक की डेड बॉडी

INDORE : सोमवार को मध्यप्रदेश के इंदौर में पांच सितारा श्रेणी के एक होटल के कमरे से अमेरिका के एक नागरिक की डेड बॉडी बरामद की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि शहर के विजय नगर क्षेत्र के एक होटल के कमरे में विलियम माइकल रेनॉल्ड्स (36) का शव मिला। उन्होंने बताया कि रेनॉल्ड्स अमेरिका के शिकागो शहर का रहने वाला था।

सिर्फ आरोपी होने पर घर नहीं गिरा सकते, दोषी हो, तब भी नहीं

AGENCY NEW DELHI : सोमवार सुप्रीम कोर्ट में देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है। जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा, अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इसमें आरोप लगाया गया है कि बीजेपी शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। अब इस केस की सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट जारी करेगा गाइडलाइन

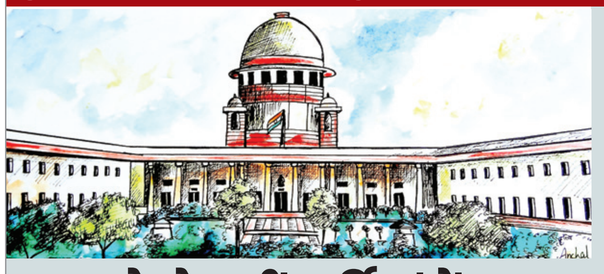

मामले से जुड़ीं पार्टियां दें सुझाव

कोर्ट ने कहा कि हम यहां अवैध अतिक्रमण के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। इस मामले से जुड़ीं पार्टियां सुझाव दें। हम पूरे देश के लिए गाइडलाइन जारी कर सकते हैं। किसी का बेटा आरोपी हो सकता है, लेकिन इस आधार पर पिता का घर गिरा देना! यह कार्रवाई का सही तरीका नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से कोर्ट में कहा गया कि किसी भी आरोपी की प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई, क्योंकि उसने अपराध किया। आरोपी के अवैध कब्जों पर म्युनिसिपल एक्ट के तहत एक्शन लिया है।

पीड़ितों को नहीं दिया गया बचाव का मौका

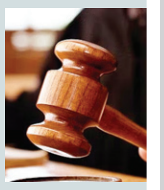

जमीयत के वकील फारूक रशीद का कहना है कि अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न करने और उन्हें डराने के लिए राज्य सरकारें घरों और संपत्तियों पर बुलडोजर एक्शन को बढ़ावा दे रही हैं। याचिका में यह भी आरोप है कि सरकारों ने पीड़ितों को अपना बचाव करने का मौका ही नहीं दिया, बल्कि कानूनी प्रक्रिया का इंतजार किए बिना पीड़ितों को तुरंत सजा के तौर पर घरों पर बुलडोजर चला दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई से कर दिया इनकार

NEW DELHI : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने पिछड़े और हाशिए पर पड़े अन्य वर्गों के कल्याण के लिए सामाजिक–आर्थिक जातिगत जनगणना कराने के वास्ते केंद्र को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि यह मुद्दा शासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने याचिकाकर्ता पी. प्रसाद नायडू को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी, जिसमें उन्होंने जनगणना के लिए आंकड़ों की गणना में तेजी लाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रविशंकर जंडियाला और अधिवक्ता श्रवण कुमार करणम से कहा,इस बारे में क्या किया जा सकता है। यह मुद्दा शासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह नीतिगत मामला है। जंडियाला ने कहा, 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में कहा गया है कि यह जनगणना समय–समय पर की जानी चाहिए।

अभी नहीं खुलेगा शंभू बॉर्डर

NEW DELHI : हरियाणा-पंजाब का शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा। सोमवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम हाईपावर कमेटी गठित कर रहे हैं, लेकिन कोई मुद्दे तय नहीं कर रहे हैं। यह अधिकार कमेटी को दे रहे हैं। इस कमेटी में पंजाब और हरियाणा के अधिकारी भी शामिल हैं। हाईपावर कमेटी को आंदोलनकारी किसानों के बीच पहुंचकर अपने ट्रैक्टर हटाने का अनुरोध करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी नसीहत दी कि इस मामले का राजनीतिकरण न किया जाए। मुद्दे बहुत संवेदनशील होते हैं, इसलिए संतुलित रुख अपनाना चाहिए। पिछली 2 सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर को आंशिक तौर पर यानी एक लेन खोलने को कहा था। इस मामले में किसानों की पंजाब और हरियाणा के अधिकारियों से मीटिंग्स भी हुई, जो बेनतीजा रहीं।

उत्पाद सिपाही बहाली में नहीं थम रहा मौत का सिलसिला

एक और युवक ने तोड़ा दम, अब तक 12 अभ्यर्थियों ने गंवाई जान

PHOTON NEWS RANCHI : उत्पाद सिपाही बहाली में मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अपडेट जानकारी के अनुसार, पलामू में एक और युवक की दौड़ लगाने के दौरान मौत हो गई। युवक की पहचान दीपक कुमार पासवान के रूप में हुई है। दीपक की उम्र 25 साल थी। 28 अगस्त को दीपक दौड़ लगाने के दौरान बेहोश हो गया था। दीपक ने नौ किलोमीटर की दौड़ पूरी कर ली थी। दसवें किलोमीटर पूरी करने के क्रम में वह बेहोश हो गया और गिर गया। पुलिस ने दीपक को उठाकर सदर अस्पताल डाल्टनगंज में भर्ती करा दिया। स्थिति गंभीर देखते हुए उसे रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसी दौरान सोमवार की सुबह उसकी मौत हो गई। दीपक पलामू जिला के पांडु थाना क्षेत्र के वृद्धखैरा गांव का रहने वाला था।

- 28 अगस्त को दौड़ लगाने के दौरान बेहोश हो गया था दीपक कुमार पासवान
- नौ किमी पूरी कर ली थी दौड़, दसवां किमी पूरा करने के दौरान आई बेहोशी
- रांची के मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान दीपक की सांसों की टूट गई डोर

इधर, लातेहार जिला बल में तैनात जवान की मौत

उत्पाद सिपाही बहाली के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक जवान की मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान अजीत कुजूर के रूप में हुई है। वह लातेहार जिला बल में तैनात थे। वर्ष 2006 में उनकी बहाली हुई थी और गुमला के रहने वाले थे। अजीत कुजूर की मेदिनीनगर के चियांकी हवाई अड्डा पर भर्ती केंद्र में तैनात थे। रविवार को दौड़ के दौरान उन्होंने ड्यूटी भी की थी। सोमवार को अजीत कुजूर ड्यूटी पर नहीं पहुंचे थे। वह सीआरपीएफ 112 बटालियन के कैंपस में रहा करते थे। ड्यूटी पर नहीं पहुंचने पर जांच की गई तो पता चला कि उनकी तबीयत खराब हो रही है और लूज मोशन हुआ है। बाद में पुलिस ने सीआरपीएफ के जवानों के माध्यम से वेरिफाई करवाया तो पता चला कि अजीत कुजूर की मौत हो गई है। जब अजीत कुजूर को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया, तो डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सीएम हेमंत ने दिया जांच का आदेश

उत्पाद सिपाही बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा में हो रही अभ्यर्थियों की मौत पर सीएम हेमंत सोरेन ने जांच का आदेश दिया है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इसकी पुष्टि की है। डीजीपी ने अभ्यर्थियों की दौड़ के दौरान मौत के मामलों को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें इस मामले की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने कहा कि हमने सभी मामलों में यूडी केस दर्ज किए हैं और पोस्टमार्टम करवाए जा रहे हैं। हम यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि अभ्यर्थियों की मौत किसी बीमारी के कारण हुई है या व्यवस्था में किसी कमी के कारण, या फिर किसी अभ्यर्थी ने कुछ ऐसा सेवन किया, जिससे उसके साथ यह घटना घटी। डीजीपी ने भर्ती केंद्रों पर व्यवस्था की तारीफ की। कहा कि सभी जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अमानतुल्लाह को ईडी ने किया अरेस्ट

छापेमारी के दौरान विधायक के घर के बाहर तैनात एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट के साथ पहुंची सुरक्षा टीम व इनसेट में अमानतुल्लाह खान।

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को अरेस्ट कर लिया। ईडी दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए सुबह अमानतुल्लाह के घर पहुंची थी। सुबह 8:15 बजे से उनसे घर में ही पूछताछ और जांच की जा रही थी। 4 घंटे पूछताछ के बाद दोपहर 12.15 बजे ईडी अफसर उन्हें अरेस्ट कर ऑफिस ले गए। ओखला सीट से विधायक अमानतुल्लाह पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए 32 लोगों की अवैध भर्ती कराई और फंड का गलत इस्तेमाल किया। वक्फ की संपत्तियों को किराए पर दिया।

- 4 घंटे पूछताछ के बाद जांच एजेंसी ने की कार्रवाई
- 32 लोगों की अवैध भर्ती कराने व फंड का गलत इस्तेमाल करने का आरोप
- आम आदमी पार्टी के विधायक हैं अमानतुल्लाह

ईडी पहले भी 2 बार अमानतुल्लाह से पूछताछ कर चुकी है। ईडी के एक्शन के बाद अमानतुल्लाह ने कहा था कि सर्च वारंट के नाम पर ईडी का मकसद सिर्फ मुझे गिरफ्तार करना है। मैंने हर नोटिस का जवाब दिया है। मुझे 2 साल ये लोग मुझे परेशान कर रहे हैं।

ईडी ने जब्त की धनबाद के कोयला कारोबारी की 1.63 करोड़ की संपत्ति

DHANBAD : सोमवार को धनबाद के कोयला कारोबारी प्रमोद कुमार सिंह की ईडी ने 1.63 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त किया है। ईडी ने बताया कि प्रमोद और उनके परिवार से संबंधित लगभग 1.63 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को जब्त किया गया है। एसीबी धनबाद द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर प्रमोद कुमार सिंह और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति व एनआरएचएम फंड के दुरुपयोग के लिए जांच शुरू की गई थी। प्रमोद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक अकाउंट मैनेजर के पद पर संविदा के आधार पर कार्यरत थे। ईडी की जांच में पता चला है कि प्रमोद कुमार सिंह और स्वर्गीय शशि भूषण प्रसाद, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, जिन्हें एनआरएचएम फंड निकालने और खर्च करने के लिए संयुक्त रूप से अधिकृत किया गया था। पद का दुरुपयोग करते हुए राशि का गबन किया गया था।

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के पांच जिलों के लाभुक कार्यक्रम में होंगे शामिल

मंईयां सम्मान योजना का स्वीकृति पत्र बांटेंगे हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को रांची के नामकुम खोजाटोली आर्मी कैंप स्थित कुटियातु चौक के पास आर्मी ट्रेनिंग ग्राउंड में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री लाभुकों में योजना के स्वीकृति पत्र का वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों के साथ दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के पांच जिलों रांची, सिमडेगा, गुमला, खूंटी एवं लोहरदगा से लाभुक शामिल होंगे। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर निर्धारित कार्य एवं दायित्वों के ससमय निर्वहन के लिए पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश दे दिया है। कार्यक्रम में रांची, सिमडेगा, गुमला, खूंटी एवं लोहरदगा जिले से तीन लाख से अधिक लाभुक शामिल होंगे। पहले यह कार्यक्रम 30 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाला था। लेकिन, किसी कारणवश कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया था।

आज ऑन द स्पॉट होगा परिसंपत्तियों का वितरण व शिकायतों का निवारण

मंगलवार को आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को रांची जिला की 28 पंचायतों में शिविर लगाया जाएगा। साथ ही रांची नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 13, 14, 15, 16 एवं 17 में भी कैंप लगेगा। जानकारी के मुताबिक, कैंप में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना जैसी लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए आवेदन लिए जाएंगे। ऑन द स्पॉट परिसंपत्तियों का वितरण एवं शिकायतों का निवारण भी कैंप में किया जा रहा है।

सेंट्रल कैबिनेट ने डिजिटल कृषि मिशन के लिए मंजूर किए 2817 करोड़ रुपये

NEW DELHI : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग हुई। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2817 करोड़ रुपये के डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी दी गई है। किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए 7 बड़े फैसले लिए गए हैं। पहला है डिजिटल कृषि मिशन। इसे कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की संरचना की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। कुछ अच्छे पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और हमें सफलता मिली है। उसी के आधार पर 2,817 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ डिजिटल कृषि मिशन की स्थापना की जाएगी। वैष्णव ने बताया, दूसरा फैसला खाद्य और पोषण सुरक्षा से जुड़ा है। 2047 के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा के लिए कैसे तैयार करें, इसे ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम के लिए 6 स्तंभ स्थापित किए गए हैं जिसमें 3,979 करोड़ रुपये की लागत की जाएगी। कृषि शिक्षा और प्रबंधन को सशक्त करने के लिए 2,292 करोड़ रुपये के प्रावधान वाले कार्यक्रम को स्वीकृति दी। सरकार ने टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी दी। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बागवानी के विकास के लिए 860 करोड़ रुपये और कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 1,202 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दी।

गाजा पट्टी में 6 बंधकों की डेड बॉडी मिलने के बाद भड़का आक्रोश

इजरायल में सड़कों पर उतर गए 5 लाख लोग

AGENCY NEW DELHI : गाजा पट्टी में छह बंधकों की डेड बॉडी बरामद होने के बाद इजरायल में लोगों का आक्रोश भड़क गया है। रविवार की रात से लेकर सोमवार तक अलग–अलग शहरों में करीब 5 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी तेल अवीव में 3 लाख से ज्यादा और दूसरे शहरों में 2 लाख से ज्यादा लोग जुटे। हॉस्टेज एंड मिसिंग फैमिली फोरम ने सीएनएन से 7 लाख से ज्यादा लोगों के जुटने का दावा किया। प्रदर्शनकारियों ने मारे गए छह बंधकों के शवों के प्रतीक के तौर पर 6 ताबूत रखे थे। इजरायल में 7 अक्टूबर के हमलों के बाद यह सबसे बड़ा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के घर के बाहर भी विरोध जताया गया।

पीएम नेतन्याहू के घर के बाहर भी बड़ी संख्या में लोगों ने जताया विरोध

बंधकों की रिहाई के लिए दबाव

प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सरकार पर बंधकों की रिहाई के लिए ठोस कदम नहीं उठाने का आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था नेतन्याहू अगर जंग रोकने का समझौता कर लेते तो बंधकों को छुड़ाया जा सकता था। नेतन्याहू राजनीतिक वजहों से समझौता करना नहीं चाहते। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारी रातभर और अगले दिन भी विरोध प्रदर्शन करते रहे।

मजदूर संघ ने किया हड़ताल का आह्वान रक्षा मंत्री गैलेंट ने भी जताई नाराजगी

इस बीच इजरारल के सबसे बड़े मजदूर संघ जनरल फेडरेशन ऑफ लेबर ने देशभर में हड़ताल का आह्वान किया है, जिसमें बड़ी संख्या में मजदूरों ने हिस्सा लिया। स्वास्थ्य, परिवहन और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों के 8 लाख कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यापार संघ ने कहा कि हड़ताल शुरू हो गई। इस हड़ताल का मकसद सरकार पर जंग रोकने के लिए दबाव बढ़ाना है, ताकि गाजा में हमास की कैद से लोगों को वापस लाया जा सके। संगठन दावा कर रहा है कि हड़ताल की वजह से सोमवार को इजराइल का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बेन–गुरियन भी बंद रहेगा। हालांकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इनकार किया है। 6 बंधकों के शव मिलने के बाद इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने अपने ही सरकार के खिलाफ हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार बंधकों को मुक्त कराने की बजाय सीमा इलाके पर कब्जा करने को प्राथमिकता दे रही है। गैलेंट का इशारा मिस्र और गाजा पट्टी से लगे बफर जोन फिलाडेल्फिया कॉरिडोर की तरफ था।

भारत की झोली में अब तक 9 मेडल

पेरिस पैरालिंपिक में नितेश ने बैडमिंटन में जीता गोल्ड

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को पेरिस पैरालिंपिक में भारत की झोली में दूसरा गोल्ड मेडल आ गया। बैडमिंटन मेंस सिंगल्स की एसएल3 कैटेगरी में नितेश कुमार ने फाइनल जीता। उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन के डैनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया। उनसे पहले डिस्कस थ्रो में योगेश कथुनिया ने सोमवार को सिल्वर मेडल जीता था। पैरालिंपिक में भारत अब तक 2 गोल्ड, 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज जीत चुका है। नितेश से पहले अवनी लेखरा ने शूटिंग में गोल्ड जीता था। नितेश एसएल3 कैटेगरी में खेलते हैं। इस कैटेगरी में वे एथलीट्स आते हैं, जिन्हें चलने में दिक्कत होती है। यानी जिनके एक या दोनों पैर सामान्य नहीं होते। पैरा बैडमिंटन मिक्स्ड एसएल-6 इवेंट में भारत की नित्या श्री सिवान और शिवराजन सोलाईमलाई ब्रॉन्ज मेडल मैच हार गए।

नितेश कुमार

- योगेश कथुनिया ने डिस्कस थ्रो में हासिल किया सिल्वर मेडल

फर्जी अंगूठा लगा सरकार को लगाया जा रहा था चूना, एसडीओ ने पकड़ा गोलमाल

कुजू में वीर सुभाष चंद्र बोस सेवा संस्थान के कार्यालय से बरामद हुए सैकड़ों अंगूठे के निशान

RAMGARH : सरकारी तंत्र को चूना लगाने के लिए विभिन्न कंपनियों के लोग तरह-तरह के हथकंडे अपनाते हैं। कोई फर्जी दस्तावेज तैयार करता है, तो कोई फर्जी अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर देता है। लेकिन इस बार मामला आइडेंटी हैक का है। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण दे रही वीर सुभाष चंद्र बोस सेवा संस्थान ने महिलाओं की आइडेंटिटी हैक कर ली। फर्जी अंगूठे के निशान लगाकर झारखंड सरकार को चूना लगाया जा रहा था। इस पूरे गोरख धंधे का खुलासा रामगढ़ एसडीओ आशीष गंगवार ने किया है।

उन्होंने रामगढ़ जिले के कुजू श्री राम चौक के पास वीर सुभाष चंद्र बोस सेवा संस्थान के कार्यालय में छापेमारी की, जहां भारी मात्रा में अंगूठे के निशान पाए गए हैं। प्रथम दृष्टया उन्होंने इसे आइडेंटिटी हैक का मामला बताया है। उन्होंने बताया कि बायोमेट्रिक सिस्टम पर थंब लगाने के लिए रबड़ के अंगूठे बनाकर कंपनी के दफ्तर में रखे गए थे। यह कंपनी लोगों को रोजगारपरक तकनीक का प्रशिक्षण देती थी। यहां कई महिलाएं मौजूद थी, लेकिन अधिकारियों का जवाब संतोषजनक वह नहीं दे पाए।

घटना की जानकारी देते कर्मचारी • फोटोन न्यूज

कंपनी के मालिक गोविंद सिंह और मैनेजर दिव्या जायसवाल की भूमिका संदिग्ध

एसडीओ आशीष गंगवार ने बताया कि कंपनी के मालिक गोविंद सिंह बिहार राज्य के औरंगाबाद जिले के रहने वाले हैं। मैनेजर दिव्या जायसवाल जमशेदपुर की रहने वाली है। उन दोनों की भूमिका काफी संदिग्ध है। कार्यालय में मिले सारे संदिग्ध वस्तुओं को जप्त कर लिया गया है और जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूरी जांच के बाद ही कानूनी प्रक्रिया की जाएगी।

नर्सिंग, सिलाई, कंप्यूटर, पार्लर जैसी कई स्किल की मिलती थी ट्रेनिंग : मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत बिरसा योजना के तहत वीर सुभाष चंद्र बोस सेवा संस्थान के द्वारा महिलाओं का स्किल डेवलपमेंट किया जा रहा था। उनके प्रशिक्षण केंद्र में नर्सिंग, सिलाई, कंप्यूटर, पार्लर सहित अन्य कई तरह के प्रशिक्षण महिलाओं को मिलते थे। जांच के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने एसडीओ को यह बताया कि कंपनी के द्वारा उनके अंगूठे के निशान जैसे ही रबड़ के अंगूठे बनवाए जाते थे। साथ ही उन्हें यह झांसा दिया जाता था कि जिस दिन वह लोग अनुपस्थित रहेंगी, उनके अटेंडेंस बायोमेट्रिक सिस्टम में उन्हें अंगुठे के आधार पर लगाया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में नामांकन जारी, एंटी रैगिंग फॉर्म भरना अनिवार्य

DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एमबीबीएस प्रथम वर्ष का नामांकन जारी है। सोमवार को स्टेट कोटा के तहत नामांकन का तीसरा दिन रहा। कॉलेज प्रबंधन की ओर से नामांकन करने आए स्टूडेंट और उनके अभिभावकों के लिए अलग से सेल बनाया गया है। यहां पर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद नामांकन की प्रक्रिया हो रही है। 100 एमबीबीएस सीटों वाले मेडिकल कॉलेज में सेंट्रल कोटा के तहत अभी 5 नामांकन हुए हैं, जबकि स्टेट कोटा के तहत 17 नामांकन हुए हैं। स्टेट कोटा के नामांकन की अंतिम तारीख 5 सितंबर तय की गई है। इसके बाद दूसरे राउंड की काउंसलिंग के तहत नामांकन किया जाएगा। एमबीबीएस की 100 सीटों में 15 प्रतिशत सीट सेंट्रल कोटा के लिए आरक्षित है। नामांकन के समय स्टूडेंट से एंटी रैगिंग के लिए फॉर्म भराया जा रहा है। यह घोषणा की जा रही है कि किसी भी प्रकार से एंटी रैगिंग जैसे कार्यों में सम्मिलित नहीं होना है।

बोकारो में डोजर और रोलर में उग्रवादियों ने लगाई आग

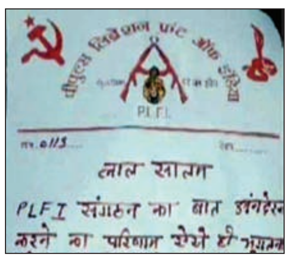

घटनास्थल पर लगाया गया पोस्टर

BOKARO: सड़क निर्माण कार्य में लगे एक डोजर और रोलर में उग्रवादियों ने रविवार की देर रात आग लगा दिया।

बताया जा रहा है कि पीएलएफआई उग्रवादी संगठन ने लेवी के लिए जैनामोड़ से गोला तक सड़क निर्माण करा रही एनजी प्रोजेक्ट कंपनी के डोजर और रोलर को आग के हवाले कर दिया। घटना बोकारो जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत कोचागोड़ा के पास घटी है। आगजनी के बाद पीएलएफआई के केंद्रीय संगठन ने यादवजी के नाम से मौके पर कई पोस्टर भी छोड़े हैं।

- घटना के बाद पूरे क्षेत्र में डर का माहौल

पोस्टर में पांच करोड़ की लेवी मांगी

पोस्टर में पीएलएफआई ने पांच करोड़ रुपये नहीं देने पर काम करने पर रोक लगाने की बात कही है। रकम दिए बिना काम करने पर जान-माल समेत अन्य सामानों की क्षति की बात कही गयी है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टर जब्त कर लिया, वहीं देर रात फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग बुझाई। जानकारी के मुताबिक, 24 अगस्त को भी पीएलएफआई ने पोस्टर लगाकर पांच करोड़ रुपये की मांग की थी, जिसके बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। इस घटना के बाद कंपनी के मजदूरों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। जरीडीह थाने से महज डेढ़ किलोमीटर दूर इस घटना को अंजाम दिया गया है।

बीएसएफ के हेड कांस्टेबल से 95 हजार की ऑनलाइन ठगी

HAZARIBAG : बीएसएफ मेरु कैंप के हेड कांस्टेबल से 95 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। थाना को दिये आवेदन के अनुसार, बीएसएफ कैंप के हेड कांस्टेबल कावेडकर सुरेश कुमार पापू का एटीएम कार्ड एक्टिवेट करने के नाम पर ठगी गयी है। बताया है कि गत 18 अगस्त को साइबर ठगों ने हेड कांस्टेबल के मोबाइल फोन पर कॉल किया। फोन करने वाले ने उनसे कहा कि आपका एटीएम कार्ड बंद कर दिया गया है। एटीएम कार्ड को एक्टिवेट करने के लिए एटीएम कार्ड नंबर और पासवर्ड बतायें। हेड कांस्टेबल उसके झांसे में आ गया और साइबर ठग को पूरी जानकारी दी। इसके बाद कई किस्त में हेड कांस्टेबल के बैंक खाते से 95 हजार रुपये की निकासी कर ली।

डायरिया से दादी-पोती की मौत, घर में मचा कोहराम

गांव में घटना के बाद जुटे लोग • फोटोन न्यूज

GIRIDIH : धनवार प्रखंड के नायकडीह में डायरिया से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। इनमें दादी व पोती शामिल हैं। एक अन्य का सदर हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि नायकडीह ग्राम निवासी द्वारिका यादव की पुत्री 12 कृतिका कुमारी को बीती रात अचानक कै-दस्त होने लगा। स्वजन सुबह चार बजे रेफरल हॉस्पिटल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, उसकी दादी 75 वर्षीय डीलिया देवी की भी सोमवार को दोपहर लगभग एक बजे मौत हो गई। वह भी डायरिया से पीड़ित थी। 85 वर्षीय दादा भी बीमार हैं। उनका इलाज गिरिडीह सदर अस्पताल में चल रहा है। इसके अलावा भी गांव के कई लोग डायरिया से पीड़ित हैं। इस बाबत रेफरल होस्पिटल राजधनवार के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरपी दास ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य लाभ दिलाने के लिए एक टीम को गांव भेज दिया है, ताकि अन्य लोग इसकी चपेट में आने से बच सकें।

समर्पण के साथ छोटे छोटे कार्य कर लें, तो जीत निश्चित : त्रिपाठी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला भाजपा कमेटी द्वारा भाजपा की जिला कार्यसमिति की बैठक सोमवार को जिला अध्यक्ष संजय पांडे की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्रनाथ त्रिपाठी, पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, अर्जुन मुंडा व मधु कोड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, सांसद बिद्युत बरण महतो, प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व सांसद गीता कोड़ा, प्रदेश प्रवक्ता अजय शाह, पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, शशि भूषण सामद, जवाहरलाल बानरा आदि उपस्थित थे। अपने संबोधन में नागेंद्रनाथ त्रिपाठी ने संगठन को चुनावी गतिविधियों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन की संरचना को सुदृढ़ करने पर जोर दिया और आगामी बैठकों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

राजपत्रित और अराजपत्रित कर्मचारियों की विभागीय परीक्षा शुरू, 6 सितंबर तक चलेगी

प्रमंडलीय आयुक्त ने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में किया औचक निरीक्षण

PHOTON NEWS HAZARIBAG: केंद्रीय परीक्षा समिति, राजस्व पर्षद झारखंड, रांची के तत्वावधान में राजपत्रित व अराजपत्रित कर्मचारियों की विभागीय परीक्षा सोमवार से शुरू हो गई। यह परीक्षा 6 सितंबर तक चलेगी।

राजपत्रित पदाधिकारियों की द्वितीय अर्धवार्षिक विभागीय परीक्षा-2023, राजपत्रित व अराजपत्रित कर्मचारियों की द्वितीय अर्धवार्षिक जनजातीय भाषा की परीक्षा 2023 एवं राजपत्रित पदाधिकारी की प्रथम अर्धवार्षिक परीक्षा 2024 तथा राजपत्रित और अराजपत्रित कर्मचारियों के प्रथम अर्धवार्षिक जनजातीय भाषा परीक्षा 2024 के कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों की आयोजित विभागीय परीक्षा का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त सुमन कैथरिन किस्पोट्टा ने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। आयुक्त ने सभी कमरों का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने केंद्रीय परीक्षा समिति, राजस्व पर्षद झारखंड, रांची द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करने का निर्देश दिया। किस्पोट्टा ने निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर तुरंत अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इन परीक्षाओं का आयोजन जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, हजारीबाग (प्लस टू जिला स्कूल, हजारीबाग) में किया जा रहा है। प्रथम पाली में लिखित परीक्षा एवं द्वितीय पाली में राजपत्रित कर्मचारियों की मौखिक परीक्षा हो रही है।

परीक्षा केंद्र में सहायक केंद्राधीक्षक-सह-आयुक्त के सचिव बासुदेव प्रसाद, आयुक्त कार्यालय के अवर सचिव राकेश कुमार चौधरी, रास बिहारी प्रसाद भी उपस्थित थे।

परीक्षा देते कर्मचारी • फोटोन न्यूज

झामुमो कांग्रेस की ठग सरकार के मायाजाल से सतर्क रहे जनता : मनीष

समाज के हर वर्ग के सुझाव के आधार पर होगा भाजपा का घोषणापत्र

RAMGARH : झारखंड के चुनावी समर में भाजपा ने जेएमएम और कांग्रेस की सरकार को महाठग करार दिया है। सोमवार को रामगढ़ में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और कहा कि झारखंड की जनता को ऐसी ठग सरकार के मायाजाल से सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस सरकार ने पहले भी लोगों को ठगा है। आगे भी ठगने के लिए जाल बिछा दिया है। उन्होंने कहा कि अभी विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए मंईयां सम्मान योजना लाया गया है। सारी योजनाओं के फंड को रोक कर महिलाओं को अभी एक महीने का 1000 भेजा जा रहा है। हो सकता है अगले महीने भी यह 1000 महिलाओं को मिले। लेकिन यह योजना सिर्फ चुनावी है, क्योंकि झारखंड सरकार के पास इस योजना को चलाने के लिए कोई फंड नहीं है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इस सरकार ने पहले भी जनता को रोजगार देने के नाम पर बेवकूफ बनाया था। लेकिन ना तो 5 वर्षों में 25 लाख लोगों को रोजगार मिला और ना ही बेरोजगारी भत्ता युवाओं को मिला। यहां तक की घर चलाने के लिए महिलाओं को 2000 प्रति माह देने, एक परिवार को हर वर्ष 72000 देने की घोषणा भी रसातल में चली गई। बेरोजगारी भत्ता 5000 प्रति माह देने का प्रावधान बजट में तो किया गया, लेकिन उसे बाद में वापस कर लिया गया।

पत्रकारों को संबोधित करते भाजपा नेता • फोटोन न्यूज

बड़कागांव को चारागाह मत समझें कंपनियां : भुवनेश्वर

HAZARIBAG : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी झारखंड राज्य परिषद के आह्वान पर सोमवार को हजारीबाग की जन समस्याओं के निवारण के लिए धरना-प्रदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम से उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। हजारीबाग मंजूर भवन पार्टी कार्यालय से सैकड़ों किसानों महिलाओं पुरुषों ने जुलूस निकालकर उपायुक्त हजारीबाग की कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि बड़कागांव में दर्जनों कॉल कंपनियां आकर लूटने की प्रयास कर रही हैं। अदानी कोल ब्लॉक रद्द करने को लेकर 501 दिनों से गोंदल पुरा में आंदोलन चलाया जा रहा है। वहां के किसान धरना पर बैठे हुए हैं। सरकार को इसी से स्पष्ट होता है कि किसानों के साथ खड़ी है कि कारपोरेट घराने के साथ। भुवनेश्वर मेहता ने कॉल ब्लॉक को रद्द करने की मांग की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी किसी भी परिस्थिति में बड़कागांव को कारपोरेट घराने का चारागाह नहीं बनने देंगे। अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलन में सैकड़ो लोग शहीद हुए, हजारों लोग जेल गए, हजारों लोग लाठी खाए लेकिन सरकार आंदोलनकारियों की सम्मान नहीं दे रही है।

उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते नेता

गांव-गांव घूमेगा पोषण रथ आमजनों को करेगा जागरूक

लोग साफ-सुथरा रहें एवं पोषण युक्त भोजन ग्रहण करें : उपायुक्त

HAZARIBAG: राष्ट्रीय पोषण माह को लेकर उपायुक्त नैन्सी सहाय ने सोमवार को समाहरणालय परिसर से दो पोषण रथ रवाना किया। यह पोषण रथ जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों, प्रखंडों का परिभ्रमण कर लोगों को पोषण के प्रति जागरूक करेगा। पोषण अभियान के तहत 1 से 30 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष पोषण माह का थीम एनीमिया नियंत्रण, वृद्धि निगरानी, ऊपरी आहार, पोषण भी-पढ़ाई भी एवं बेहतर शासन के लिए तकनीक का वृहद उपयोग करना है। विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए कैलेंडर के अनुसार पूरे माह आंगनबाड़ी केंद्र, परियोजना स्तर एवं जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि लोग साफ-सुथरा रहें एवं पोषण युक्त भोजन ग्रहण करें। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा ने बताया कि 1 से 4 सितंबर एवं 25 से 28 सितंबर तक समग्र पोषण और पोषण भी पढ़ाई भी, 5 से 7 सितंबर एवं 16 से 20 सितंबर तक एनीमिया से मुक्ति, 9 से 10 एवं 21 से 23 सितंबर तक बेहतर शासन के लिए तकनीक का वृहद उपयोग, 11 से 14 सितंबर एवं 21 से 23 सितंबर तक ऊपरी आहार, 15 से 21 सितंबर तक वृद्धि निगरानी सप्ताह, 18 सितंबर को पोषण भी पढ़ाई भी, 16 से 20 सितंबर तक एनीमिया, 23 से 24 सितंबर तक पर्यावरण संरक्षण, 29-30 सितंबर को समापन होगा।

समाहरणालय परिसर से रथ रवाना करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय • फोटोन न्यूज

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम को लेकर जिले में चलेगा जागरूकता अभियान

नागरिकों की शिकायतों का पुलिस तत्काल करेगी निवारण : एसपी

PHOTON NEWS RAMGARH: अब आम नागरिकों की शिकायत तत्काल दूर हो जाएगी पुलिस न सिर्फ शिकायतों पर पहल करेगी बल्कि समय पर उसका निवारण भी होगा राज्य के डीजीपी के निर्देश पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन 10 सितंबर को होना है लेकिन इससे पहले रामगढ़ जिले में इस कार्यक्रम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा सोमवार को एसपी अजय कुमार ने इस मामले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और उन्होंने बताया कि हर नागरिक को पुलिस की भूमिका और उससे मिलने वाले सुविधाओं को लेकर जागरूक किया जाएगा। एसपी ने बताया कि 3 और 6 सितंबर को रामगढ़ जिले के अलग-अलग स्थानों पर जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें सर्किल इंस्पेक्टर लोगों को कानून के बारे में बताएंगे। इसके अलावा ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में अपराध पर कैसे नियंत्रण करना है और उसकी सूचना पुलिस को कैसे देनी है इस पर भी ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में नशीले कारोबार पर लगेगा अंकुश : एसपी ने बताया कि ग्रामीण और सुदूरवर्ती इलाकों में अफीम की खेती अपराधियों के द्वारा की जाती है। इसके अलावा शहर से लेकर गांव तक जुआ, नशीले पदार्थ की तस्करी, नशे की हालत में स्कूलों के आसपास छेड़छाड़ जैसी घटनाएं होती हैं। कम्युनिटी पुलिसिंग के द्वारा इन सारे अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है।

इन स्थानों पर लगेंगे जागरूकता शिविर : जिले के रजरप्पा और रामगढ़ थाना अंतर्गत हाई स्कूल, दुलमी ब्लॉक के सामने, गोला अंचल क्षेत्र में बरलंगा और राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय गोला, पतरातू अंचल में बासल थाना अंतर्गत हनुमानगढ़ी पंचायत भवन, मांडू अंचल में वेस्ट बोकारो ओपी अंतर्गत पंचायत सचिवालय केदला में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। यह कार्यक्रम तीन सितंबर को आयोजित होगा। इसके बाद छह सितंबर को पतरातू सीडीपीओ द्वारा बासल थाना अंतर्गत मां पंचबहिनी उच्च विद्यालय लबगा और सात सितंबर को रामगढ़ सीडीपीओ द्वारा तहसील कचहरी झंडा चौक में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों का एसपी अजय कुमार मॉनिटरिंग करेंगे।

पत्रकारों को संबोधित करते एसपी अजय कुमार • फोटोन न्यूज

नए अपराध कानून और साइबर क्राइम के मुद्दे भी रहेंगे शामिल

एसपी अजय कुमार ने बताया कि जागरूकता अभियान में मुख्य रूप से गुमशुदगी के मामले, महिला सुरक्षा, पुलिस से मिलने वाले मुआवजे, जीरो एफआईआर, ई-एफआईआर के अलावा नया अपराध कानून और साइबर क्राइम के मुद्दे शामिल रहेंगे। साथ ही डायल 112, डायल 1930 के बारे में भी आम नागरिकों को बताया जाएगा। ऐसे बहुत सारे नियम हैं जिस पर आम नागरिक अभी भी जागरूक नहीं है। जिसकी वजह से उन्हें पुलिस का पूरा सहयोग नहीं मिल पाता है।

इंस्पायर 'मानक' अवार्ड के लिए चयनित हुआ रामगढ़ का तेजस

RAMGARH : भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत इंस्पायर 'मानक' अवार्ड के लिए रामगढ़ श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के छात्र कुमार तेजस का चयन हुआ है। तेजस की इस उपलब्धि से न सिर्फ विद्यालय का, बल्कि पूरे रामगढ़ जिले का नाम रोशन हुआ है। तेजस के द्वारा किए गए इन्वेंशन से हमारे पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। कुमार तेजस कक्षा 11वीं के विज्ञान के छात्र हैं। तेजस के द्वारा बनाया गया रीसाइकलिंग ऑफ सीएफसी मॉडल है जिसका उपयोग रेफ्रिजरेटर और एडवांस कलर में कोडिंग की मदद करता है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि क्लोरोफॉर्म कार्बन हमारे पर्यावरण के लिए काफी नुकसानदायक होता है। इसकी वजह से ओजोन लेयर में रिक्ति करण हो रहा है। इसकी वजह से स्किन कैंसर जैसे ना जाने कितनी बीमारियां हो रही है।

पारसनाथ में वंदे भारत ट्रेन का ठहराव हुआ शुरू

ट्रेन को हरी झंडी दिखाते मंत्री व सांसद • फोटोन न्यूज

GIRIDIH : रांची से वाराणसी चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव सोमवार से पारसनाथ रेलवे स्टेशन पर प्रारंभ हुआ। इस दौरान झारखंड सरकार की मंत्री बेबी देवी और सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर से ट्रेन को वाराणसी के लिए रवाना किया। मंत्री बेबी देवी ने कहा कि इस ट्रेन के ठहराव से लोगों को काफी सुविधा होगी। सांसद ने कहा कि यहां के लोगों की मांग थी कि बाबा भोले की नगरी वाराणसी जाने के लिए यह ट्रेन उत्तम है। ऐसे में इस ट्रेन के ठहराव से शिखर जी आने वाले जैन तीर्थयात्रियों और काशी विश्वनाय जाने वाले लोगों को सुविधा होगी। साथ ही कहा कि लोगों की इस मांग को उचित पटल पर रखा गया और आज यह मांग पूरी हुईं। धनबाद के सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार ने बताया कि इस ट्रेन के ठहराव से जैन तीर्थस्थल आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा होगी।

BRIEF NEWS

अल्पसंख्यकों के मुद्दे को लेकर गंभीर नहीं झारखंड सरकार : आबिद अली

RANCHI : सोमवारको झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली अंसारी ने आगामी विधानसभा चुनाव में अल्पसंख्यकों को आबादी के अनुपात में भागीदारी देने की मांग कांग्रेस, झामुमो, राजद और अन्य दलों से की है। कहा कि गत विधानसभा चुनाव में मोमिन कॉन्फ्रेंस ने महागठबंधन को समर्थन किया था, लेकिन महागठबंधन सरकार की उपेक्षा एवं अधिकारियों की अनदेखी के कारण राजनीतिक रूप से अल्पसंख्यक बहुत पिछड़ गए। इस मामले में राज्य सरकार गंभीर नहीं है। मोमिन कॉन्फ्रेंस ने राज्य के 15 विधानसभा सीटों को चिन्हित किया है, जहां हम चुनाव जीतने की स्थिति में हैं या हमारी मजबूत स्थिति है। इस पर राजनीतिक दलों को ध्यान देना होगा।

सात को होगी संजीव लाल की जमानत पर सुनवाई

RANCHI : पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की जमानत पर सुनवाई अब सात सितंबर को होगी। संजीव लाल को ईडी ने छह मई को टेंडर कमीशन घोटाले में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद इडी ने संजीव लाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दिया है। इसी मामले में ईडी ने बीते 15 मई को पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को भी गिरफ्तार किया था। संजीव लाल के करीबी के घर से समेत छह ठिकानों से 35 I23 करोड़ रुपया जब्त किया था। संजीव लाल ने पहले भी जमानत याचिका दाखिल की थी, लेकिन बाद में वापस ले लिया था।

खलारी से बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

RANCHI : खलारी से बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार हुआ है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम शाबीर अली है ।उसके पास भारत में प्रवेश से जुड़ा कोई भी वैध कागजात नहीं है। पुलिस को सूचना मिली थी कि 31 अगस्त को सुबह एक व्यक्ति खलारी स्टेशन के बाहर संदिग्ध हालत में घूम रहा है। पुलिस स्टेशन पहुंचकर संदिग्ध युवक के बारे में स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। तब उसे किसी ने नहीं पहचाना। इसके बाद युवक से पूछताछ की गई तो उसने खुद को बांग्लादेश का निवासी बताया ।अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने पर उसके खिलाफ फॉरेनर्स एक्ट, 1946, पासपोर्ट एक्ट, 1967 की अलग-अलग धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति ने बताया कि तोकेपाड़ा में मजदूरी करता है। करीब 20 दिन पहले गांव के नजदीक पाबना रेलवे स्टेशन से ट्रेन में बैठकर ढाका गया था। फिर ढाका से ट्रेन बदल बदलकर घूमते हुए यहां चला आया। शख्स के पास एक भी वैध कागजात नहीं है। उसने अपनी मां का नाम शबया, छोटे भाई का नाम ओबीद अली बताया। एक बहन का नाम हुसैना है। जिसकी शादी गांव में ही मोयेदुल के साथ हुई है। भारत में उसका कोई रिश्तेदार भी नहीं है।

एसएसपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण, सिरम का रहने वाला है राहुल गंझू

टीएसपीसी के एरिया कमांडर ने पुलिस के सामने किया सरेंडर

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के एरिया कमांडर राहुल गंझू ने रांची पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। एसएसपी कार्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में राहुल ने रांची एसएसपी चंदन सिन्हा के समक्ष सरेंडर किया।

राहुल गंझू उर्फ खलील रांची जिला के बुढ़मू थाना क्षेत्र के सिरम का रहने वाला है। राहुल ने कहा कि टीएसपीसी संगठन लेवी वसूली की पार्टी हो गई है। संगठन के शीर्ष उग्रवादी नीचे के कमांडर का शोषण और सिद्धांत के विपरीत कार्य करने और ग्रामीणों को प्रताड़ित के लिए दबाव बनाते हैं। राहुल के खिलाफ रांची और चतरा जिले के अलग-अलग थाना में कुल 21 मामले दर्ज हैं।

एसएसपी चंदन कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण करता राहुल गंझू। ● फोटोन न्यूज

वर्ष 2019 में जोनल कमांडर जगु उर्फ जागेश्वर गंझू पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। उसके बाद सबजोनल कमांडर रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी को टीम का कमांडर बनाया गया। उस समय टीम में कियावादी के अलावा रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी, दिनेशजी, मनोज मुण्डा, अर्जुन मुण्डा, अशोक गंझू, संतोष गंझू, विकम गंझू एवं जितेन्द्र गंझू थे। रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी के कहने पर कियावादी को 01 वर्ष संगठन में रहने के बाद वर्ष 2017 में 315 बोर राईफल दिया गया। वर्ष 2020 में उसे एरिया कमांडर बना दिया गया। साथ ही एके 47 राईफल दिया गया। राहुल को उमेडण्डा, बुढ़मू, खलारी, चान्हों, माण्डर, रातु इलाके की जिम्मेदारी सौपी गई। इन्हें इलाके में चल रहे सरकारी कार्य में ठेकेदारों से लेवी लेने का मुख्य कार्य सौंपा गया। राहुल को पुलिस ने 20 दिसम्बर, 2021 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वर्ष 2023 में होटवार जेल रांची से बाहर निकलने के बाद सबजोनल कमांडर रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी से मिला एवं पार्टी में पुनः शामिल हो गया तथा पार्टी का काम करने लगा। इस वर्ष फरवरी में दस्ते के साथ एचपी पेट्रोल पम्प चकमे थाना बुड़मू के मालिक को धमकी दिया एवं फायरिंग भी किया। इससे पहले जनवरी में फ्लाई ओवर निर्माण रातु के ठेकेदार को लेवी के लिए धमकी दिया। फरवरी में जनप्रतिनिधि मोहन जयसवाल को लेवी के लिए धमकी दिया।

2016 में संगठन में हुआ था शामिल

राहुल गंझू ने बताया कि उसका प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही राजीव गांधी हाई स्कूल से नौवी कक्षा तक हुआ। गांव के आसपास जंगली क्षेत्र होने के कारण टीएसपीसी संगठन के नक्सलियों का आना-जाना लगा रहता था। उसी समय इनकी जान पहचान नक्सली सागर गंझू तथा जगु उर्फ जागेश्वर गंझू एवं उनके दस्ता सदस्यों से हुई। किशुन गंझू के कहने पर वर्ष 2016 में टीएसपीसी संगठन में शामिल हुआ।

नहीं हुआ घरों से कचरे का उठाव

सफाई कर्मियों की हड़ताल से शहर की स्थिति हुई नारकीय

एकजुटता दिखाते निगम के सफाईकर्मी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम के सफाईकर्मी और सुपरवाइजर सहित अन्य सोमवार से हड़ताल पर चले गए हैं। इस वजह से राजधानी रांची में लोगों के घरों से कचरे का उठाव नहीं हुआ। साथ ही शहर के अलग-अलग जगहों पर कचरा जमा है। इससे शहर की स्थिति नारकीय और बदतर हो गई है। नगर निगम सफाई मजदूर संघ के अध्यक्ष दयानंद यादव की अध्यक्षता में नागबाबा खटाल में आम सभा हुई। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए दयानंद यादव ने कहा कि ने 10 साल या उससे अधिक समय से काम कर रहे कर्मियों को नियमित करने, सुपरवाइजर के वेतन में 30 प्रतिशत की वृद्धि करने और परिवहन भत्ते को 1000 से 3000 रुपये करने की मांग शामिल है। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं की जाती तब तक निगम के सफाई कर्मी सहिता अन्य अनिश्चित कालीन हड़ताल पर रहेंगे। वे सोमवार को नारेबाजी, मंगलवार को काला बिल्ला, बुधवार को सामूहिक अवकाश, गुरुवार को मौन व्रत, और शुक्रवार को धरना देंगे।

जैक ने 22 टॉपर्स को किया सम्मानित, स्कूल भी पुरस्कृत

टॉपर्स को पुरस्कार देते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड अधिविध परिषद (जैक) में सोमवार को स्थापना सह सम्मान समारोह का आयोजन किया। नामकुम स्थित जैक परिसर में आयोजित समारोह में माध्यमिक, इंटरमीडिएट, इंटर व्यावसायिक, मध्यमा एवं मदरसा परीक्षाओं के टॉपर्स को सम्मानित किया गया। फर्स्ट टॉपर को गोल्ड मेडल के साथ 21 हजार का नगद पुरस्कार, सेकंड टॉपर को सिल्वर मेडल के साथ 15 हजार और थर्ड टॉपर को ब्रॉन्ज मेडल के साथ 10 हजार का नगद पुरस्कार दिया गया। साथ ही बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यालय को भी पहली बार पुरस्कृत किया गया। जिसमें माध्यमिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए इंदिरा गांधी बालिका हाईस्कूल हजारीबाग को सम्मानित किया गया। इंटर में बेहतर प्रदर्शन के लिए उर्सलाइन इंटर कॉलेज रांची को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम, शिक्षा सचिव उमा शंकर सिंह, अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। वहीं जेईपीसी के निदेशक आदित्य रंजन, माध्यमिक शिक्षा के निदेशक उत्कर्ष गुप्ता, प्राथमिक शिक्षा के निदेशक शशि प्रकाश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

रांची में 80 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, तमिलनाडु से आरोपी अरेस्ट

● मूल राशि को दसगुना करने का दिया था झांसा

PHOTON NEWS RANCHI : अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने तमिलनाडु से एक साइबर अपराधी को सोमवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार साइबर अपराधी का नाम अशोक कुमार रवि है। इसके पास से एक मोबाईल, दो सिम कार्ड, पीओएस मशीन, डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, व्हाट्सएप चैट और पैन कार्ड बरामद किया है।

सीआईडी मुख्यालय डीएसपी एमपी गुप्ता ने बताया कि रांची के साईबर क्राईम थाना में 16 अप्रैल को आईटी एक्ट में पीड़ित ने मामला दर्ज कराया था। दर्ज कराये मामले में बताया गया था कि फेसबुक के माध्यम से संपर्क किया गया और राशि निवेश करने का प्रलोभन दिया गया। इसके पश्चात उन्हें विकिंग ट्रेडिंग ऐप मोबाईल में इंस्टॉल करवाया गया। ऐप के नाम से बने फेक इन्वेस्टमेंट एप्लीकेशन के जरीय निवेश करते हुए

साइबर अपराधी अशोक कुमार रवि।

मूल राशि का 10 गुणा करने का प्रलोभन देते हुए कुल 80,00,000 लाख का साईबर अपराधियों के जरिये अवैध हस्तानांतरण कराते हुए ठगी कर लिया गया। पीड़ित को ऐप के नाम से बने फेक इन्वेस्टमेंट एप्लीकेशन के माध्यम से निवेश करवाने के लिए उन्हें विभिन्न बैंक खाताओं में पैसे डालने को बोला गया। आरोपित ने लेन-देन के लिए बैक से प्राप्त ओटीपी को स्वचालित रूप से प्रसारित करने के लिए अपने सहयोगियों से विभिन्न ऐप प्राप्त किये। मामले में अनुसंधान के क्रम में अनुसंधानकर्ता के जरिये मामले में शामिल एक साईबर अपराधकर्मी को तमिलनाडू पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है। मामले में आरोपित के नाम पर बने एशिया मार्केटिंग के नाम पर बने साउथ इंडियन बैंक एकाउंट (0253073000011840) में 16 दिनों में दो करोड़ 74 लाख 73 हजार 252 रुपये क्रेडिट हुआ है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के जरिये संचालित नेशनल साइबर क्राईम रिर्पोटिंग पोर्टल के माध्यम से प्राप्त विवरणी के अनुसार खाता के विरूद्ध तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश सहित अन्य जगहों में कुल 28 शिकायते दर्ज है।

सरकार के वादों का हिसाब मांग रही जनता : आजसू

पदयात्रा करते आजसू के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी ने सोमवार को भी प्रदेश के अलग-अलग पंचायतों में जन जागरण पदयात्रा का आयोजन किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले चुनाव में सरकार ने जनता से कई वादे किए थे लेकिन उनमें से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। जन जागरण पदयात्रा के माध्यम से आजसू पार्टी पूरे नहीं हुए उन वादों से जनता को अवगत कराने का काम कर रही है। पार्टी पदाधिकारी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य राज्य और राज्यवासियों का विकास होता है लेकिन वर्तमान सरकार ने अपने ही लोगों को ठगा है। सरकार को अपने दायित्व का ही बोध नहीं है। झूठे वादों के सहारे सरकार सत्ता तक तो पहुंच गई लेकिन इन पांच सालों में जनता के बीच अपने होने का एहसास भी नहीं करा पाई है ।पंचायत से लेकर सचिवालय तक हर सरकारी कार्यालय भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है। भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है। मुख्यमंत्री के पांच साल पहले किए गए वादों को हम वीडियो के जरिए जनता के सामने रख रहे हैं।

रांची जिला के स्थानांतरित शिक्षकों का 50 दिन बाद भी नहीं हो सका पदस्थापन

RANCHI : अंतर जिला स्थानांतरण के माध्यम से रांची जिला के शिक्षकों का प्रतिस्थापन विलंब होने पर आज शिक्षकों ने तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा से मिलने पहुंचे। स्थानीय विधायक विकास कुमार मुण्डा से मिलकर उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया । शिक्षकों ने बताया कि विभिन्न जिलों से स्थानांतरित होकर रांची जिला पहुंचे शिक्षको ने शीध्र विधालय पदास्थापन की गुहार लगाई कई जगह लगाई लेकिन इस पर कारवाई नहीं हो सकी है। शिक्षकों ने बताया कि बीते 50 दिनों से रांची जिला में स्थानातरण होने के बावजूद हमें विद्यालयों पदस्थापन नहीं किया जा रहा है। विद्यालय आवंटन नहीं किए जाने से विद्यालयों में पठन पाठन कार्य बाधित हो रहा है।

इस साल अरगोड़ा में बनेगा तिरुपति मंदिर का प्रारूप

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में एक से बढ़कर एक दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण हो रहा है। इसी क्रम में रांची श्री दुर्गा पूजा और रावण दहन समिति, अरगोड़ा इस वर्ष तिरुपति मंदिर के प्रारूप का निर्माण कर रही है। समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार साहू ने सोमवार को बताया कि पंडाल को हूबहू तिरूपति मंदिर के जैसा बनाया जा रहा है। हुगली कोलकाता के प्रदीप सरकार के नेतृत्व में 20 कारीगर पंडाल का निर्माण दिन-रात कर रहे हैं। माता रानी के साथ कार्तिक, गणेश , लक्ष्मी मां और सरस्वती मां की प्रतिमाएं भी स्थापित रहेंगी। उन्होंने बताया कि निर्माण लागत करीब 20 लाख रुपए आएगी। भक्त

तिरुपति मंदिर में मां दुर्गा का दर्शन कर सकेंगे। यह पूजन पंडाल सुनहरे रंग का होगा। इसकी ऊंचाई 65 फीट और चौड़ाई 40 एवं लंबाई 30 फीट होगी। मुख्य आकर्षण का केंद्र 65 फीट पर गरुड़ जी होंगे, जो पंडाल के ऊपर दिखाई देंगे। 16 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी मूर्ति पंडाल में स्थापित होगी।

सांसद अरुण होंगे लोजपा (आर) के झारखंड प्रभारी

RANCHI : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर लोजपा-आर (लोक जनशक्ति पार्टी-आर) ने झारखंड में अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की है। जमुई के सांसद अरुण भारती झारखंड में लोजपा-आर के प्रभारी होंगे। इसके साथ ही खगड़िया के सांसद राजेश वर्मा और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह लोजपा के झारखंड सह प्रभारी होंगे। लोजपा-आर के अध्यक्ष चिराग पासवान ने इसकी घोषणा की है। जारी बयान के मुताबिक, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार सिन्हा उर्फ मुन्ना झारखंड के मीडिया प्रभारी होंगे और बिहार प्रदेश प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह झारखंड मीडिया सह प्रभारी होंगे।

मनरेगा कर्मियों ने ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी के आवास का किया घेराव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ अपनी मांगों को लेकर पिछले 42 दिनों से हड़ताल कर रहा है। सोमवार को सैकड़ों मनरेगा कर्मियों ने ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के आवास का घेराव किया। मंत्री के आवास के बाहर ही कर्मी अपनी मांगों को लेकर धरना पर बैठ गए। मनरेगा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जॉन पीटर बगेन ने कहा कि मंत्री मनरेगा कर्मियों को ठगने का प्रयास न करें, मानदेय बढ़ोतरी हमारी मांग नहीं है। मनरेगा कर्मी इस बार सेवा सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और वेतनमान के लिए आंदोलन कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के बहकावे में आकर मंत्री मनरेगा कर्मियों की मानदेय बढ़ोतरी की

मंत्री के आवास का घेराव करते मनरेगाकर्मी। ● फोटोन न्यूज

घोषणा समाचार के विभिन्न माध्यमों से कर रहे हैं। मंत्री ने कहा है कि 3 वर्ष से पहले मानदेय बढ़ोतरी का नियम नहीं है, जबकि कई राज्यों में मनरेगाकर्मियों का प्रतिवर्ष 10% मानदेय बढ़ोतरी का नियम है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा में मनरेगाकर्मियों की सेवा स्थायी कर दी गई है। पूर्वोत्तर राज्यों में ग्रेड पे का लाभ दिया जा रहा है। स्वयं झारखंड राज्य में राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत मनरेगाकर्मियों को मंत्री ग्रेड पे का लाभ दे रहे हैं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी जिनके मजबूत कंधे पर है, उन्हें अति अल्प मानदेय देकर आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

जिला शिक्षा अधीक्षक ने किया बुनियादी मध्य विद्यालय नामकुम का औचक निरीक्षण

विद्यालय परिसर के बाहर कूड़े का मिला अंबार

● प्राचार्य को स्कूल का माहौल ठीक करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने बुनियादी मध्य विद्यालय नामकुम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में उन्होंने विद्यालय परिसर के बाहर नगर निगम रांची द्वारा स्थापित कूड़ेदान के बाहर सड़क पर कूड़े का ढेर पाया गया, जिसका उठाव कई दिनों से नहीं हुआ है। इसपर उन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य से कहा इसके लिए रांची नगर निगम को सूचना देकर कूड़ा का उठाव कराएं ताकि, छात्रों को एक स्वच्छ माहौल देखने को मिले।

मिड-डे मील की लो क्वालिटी : बादल राज द्वारा निरीक्षण क्रम में विद्यालय में बन रहें मध्यान भोजन का मुआयना किया जिस पर उन्होंने पाया कि विद्यालय में मध्यान भोजन का संचालन आज के मेन्यू के अनुसार हो रहा है। इसमें चावल और अंडा करी छात्रों को दिया गया। अंडा करी की गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई एवं छात्र पूरे परिसर में जहां- तहां जमीन पर बैठकर खाते हुए पाए गए। इसे देख कर जिला शिक्षा अधीक्षक ने गहरी नाराजगी जताते हुए अगले आदेश तक मध्यान भोजन प्रभारी का वेतन रोक दिया गया। पूरे विद्यालय परिसर में गंदगी पाई गई। जिसपर विद्यालय के प्रधानाचार्य से एक सप्ताह का समय देते हुए विद्यालय की पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने का निर्देश देते हुए कहा की मैं दुबारा विद्यालय का औचक निरीक्षण करूंगा और दोबारा ये सभी खामी पाने पर कड़ी कार्रवाई करूंगा।

मिड-डे मील की जांच करते जिला शिक्षा अधीक्षक। ● फोटोन न्यूज

विस चुनाव को लेकर संतोष कोलकुंडा कांग्रेस वार रूम के बने चेयरमैन

RANCHI : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर संतोष कोलकुंडा को वार रूम का चेयरमैन मनोनीत किया है। इस संबंध में सोमवार को जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पौल मुजनी ने बताया कि संतोष कोलकुंडा मूल रूप से तेलंगाना राज्य के हैं और वर्तमान में अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के महासचिव पद पर हैं। कोलकुंडा भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव, कार्यालय प्रभारी अमूल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी ने संतोष कुमार कोलकुडा को बधाई दी है।

डीजीपी हर जिले का करेंगे दौरा आम जनता की जानेंगे समस्या

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश में कानून व्यवस्था की समीक्षा और आम जनता की समस्या को जानने के लिए डीजीपी अलग-अलग जिलों में दौरा करेंगे। सोमवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान वो पुलिस थाना भी जायेंगे। जिलों की विजिट के दौरान वहां के कमजोर वर्गों, महिला व बच्चों के विरुद्ध अपराध एवं साइबर सुरक्षा से मामलों पर नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों के साथ ही इनके लंबित मामले की जानकारी लेंगे। मादक पदार्थो से संबंधित मामलों की स्थिति और अन्य गंभीर अपराधों पर नियंत्रण की भी समीक्षा करेंगे। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि दस सितंबर को हर जिले में जनता दरबार लगेगा। इसे लेकर रोडमैप तैयार कर लिया गया है। आम जनता और पुलिस

के बीच के गैप को खत्म करने के लिए जनता दरबार का आयोजन किया जायेगा। इससे जनता में जागरूकता और बिना किसी डर भय के आम नागरिक पुलिस के साथ एक सुगम संबंध बनेगा। डीजीपी ने कहा कि जनता दरबार में छोटे-बड़े सभी प्रकार की शिकायतें सुनी जाएगी। जिनमें गुमशुदा बच्चे, महिला के साथ गलत कार्य, अपराध, अवैध वसूली, पुलिस पदाधिकारी के द्वारा दुर्व्यवहार जैसे मामले को लेकर शिकायत सुनी जाएगी।

अवैध संबंध का विरोध करने पर कर दी पत्नी की हत्या, खुद लगा ली फांसी

छह दिन पूर्व ही मायके से ससुराल आई थी मृतक, फरवरी में हुई थी शादी

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर से सटे सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली में सोमवार तड़के युवक ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। इसके बाद खुद सुसाइड कर लिया। परिजनों को जानकारी मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। घटना कपाली थाना क्षेत्र के मिल्लत नगर की है। इस घटना के बाद क्षेत्र में मातम पसर गया है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मिल्लत नगर निवासी मोहम्मद हुसैन मोमिन की शादी फरवरी में बस्ती की ही दिलकश से हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। मायके पक्ष के अनुसार, हुसैन का पड़ोस की

मृत दंपती की फाइल फोटो

लड़की से अवैध संबंध था। शादी के एक माह बाद ही दिलकश को इसकी भनक लग गई थी। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। विवाद बढ़ने पर कपाली थाना में शिकायत भी की थी, जहां समझौता हो गया। इसके बाद मायके पक्ष के लोग दिलकश को घर ले आए। छह दिनों पूर्व ही हुसैन और उसके परिजन माफी मांगने घर पहुंचे और आगे से मारपीट नहीं करने की बात कही, जिसके बाद दिलकश को फिर से ससुराल भेज दिया। आज सुबह फोन पर जानकारी मिली कि हुसैन ने दिलकश की हत्या कर दी और खुद भी फांसी लगा ली।

5 माह की गर्भवती थी दिलकश

मायके पक्ष ने बताया कि दिलकश की फरवरी में शादी हुई थी। दिलकश पांच माह की गर्भवती भी थी। पति द्वारा शारीरिक रूप से प्रताड़ित होने पर उसे घर ले आए थे। यह सोचकर उसे ससुराल जाने दिया कि वह ससुराल में प्रताड़ित न हो, पर हुसैन ने उसकी हत्या कर दी।

दो प्राथमिकी होगी दर्ज

इधर, मामले को लेकर थाना प्रभारी सोनू ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। इस संबंध में थाने में दो प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी चल रही है। मायके पक्ष के बयान पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज की जाएगी, वहीं एक प्राथमिकी अस्वाभाविक मौत की दर्ज की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार को जब्त कर लिया है।

अपराधी अमरनाथ के भाई की हत्या

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के कुख्यात अपराधी अमरनाथ की देवघर में गत वर्ष हत्या के बाद अब मानगो में उसके भाई शक्तिनाथ सिंह उर्फ डब्लू सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार शक्तिनाथ सिंह अपने घर के बाहर टहल रहा था, तभी बाइक से आए कुछ लोगों ने शक्तिनाथ पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। शक्तिनाथ को तीन गोलियां लगीं, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से खोखा भी बरामद किया है। सूत्रों के अनुसार पीड़ित परिवार की ओर से गोली मारने का आरोप मंटू सिंह समेत अन्य पर लगाया गया है। बताया जा रहा है कि मंटू सिंह की मां सुचिता देवी ने बीते दिनों ही शक्तिनाथ के खिलाफ एसएसपी से रंगदारी मांगने और मारपीट की लिखित शिकायत की थी। मंटू सिंह रविवार को हो जेल से छूटकर बाहर आया था। दावा यह भी किया जा रहा है कि जेल में बंद नंदन पंडित के कहने पर शक्तिनाथ की हत्या की गई है। शक्तिनाथ की हत्या से शहर में एक बार फिर गैंगवार की सुगबुगाहट तेज हो गई है।

मानगो में अधेड़ की संदिग्ध स्थिति में मौत

JAMSHEDPUR : आजादनगर थाना अंतर्गत पारडीह निवासी 57 वर्षीय कौशल किशोर सिंह की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। घटना रविवार देर रात की है। घटना के बाद मृतक के बेटे ने अपनी पत्नी जूही पर पिता को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। बेटे ने बताया कि छह साल पहले जूही से उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद से ही पत्नी ने कलह शुरू कर दिया। पत्नी ने पिता पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। जूही ने दहेज प्रताड़ना की भी प्राथमिकी दर्ज कराई। 23 अगस्त को ही जूही को कोर्ट के आदेश के बाद घर लाया था। घर में वह मारपीट करने लगी। रविवार रात को पिता ने काफी शराब पी ली थी। रात को पिता को घर लाया, जिसके बाद वह सो गए।

मानगो फ्लाईओवर का निर्माण छह से होगा शुरू : बन्ना गुप्ता

मंत्री ने की मानगो की जनता से अपील, इस शुभ कार्यक्रम में हों शामिल

JAMSHEDPUR : स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि मानगो फ्लाईओवर का निर्माण 6 सितंबर से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि तकनीकी रूप से फ्लाई ओवर निर्माण के लिए किया जा रहा पाईल टेस्ट सफल रहा है। मानगो की जनता से किया वादा अब पूरा होगा। पाईल टेस्ट में 1875 टन का लोड दिया गया था, जो पूरी तरह सफल रहा, यानी अब पिलर निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। दुर्गा पूजा तक डिमना रोड स्थित ब्लूबेल्स स्कूल से शुरू होने वाला पाइल नंबर 30 से कार्य शुरू होगा और 29, 28 नंबर के बाद 13 नंबर वाला पाइल जो स्वर्णरेखा नदी के किनारे है, उसे पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने मानगो की जनता से अपील की है कि 6 सितंबर के कार्यक्रम में शामिल हों। उन्होंने आगे बताया कि बहुत सारे बाधा आई, लेकिन मानगो की जनता से किया गया वादा पूरा करने के लिए मैंने हरसंभव प्रयास किया। इसी का नतीजा है कि सब जांच-निरीक्षण सफल हुआ है। 18 माह बाद मानगो और जमशेदपुर की जनता को पहले फ्लाईओवर की सौगात मिलेगी। इसके बनने के बाद जाम से मुक्ति मिलेगी और सड़क दुर्घटना में भी रोक लगेगी।

समाचार सार

मृतकों के आश्रितों को मिला एक-एक करोड़ मुआवजा

CHAIBASA : आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ले में एक केमिकल फैक्ट्री में मजदूरी करने गए गोइलकेरा के दो युवकों की 23 अगस्त को विस्फोट व आग लगने से मौत हो गई थी। सोमवार को सांसद जोबा मांझी ने दोनों मृतक मजदूर के आश्रितों को मुआवजा का एक-एक करोड़ रुपये का चेक सौंपा। मृतकों में गोइलकेरा के खजुरिया के रहने वाले लाल सिंह पुरती और कुमारतोडांग के रोया अंगरिया शामिल थे।

अभाविप के महानगर अध्यक्ष बने डॉ. विनय सिंह

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जमशेदपुर महानगर इकाई का सोमवार को पुनर्गठन किया गया। बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में चुनाव अधिकारी डॉ. विनोद कुमार ने पुरानी इकाई भंग करते हुए नई इकाई की घोषणा की, जिसमें महानगर अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार सिंह एवं महानगर मंत्री अभिषेक कुमार को मनोनीत किया गया। इनके अलावा उपाध्यक्ष डॉ. भूषण सिंह, डॉ. आलोक कुमार, रानी कुमारी, डॉ. दीपांजय श्रीवास्तव, सह मंत्री शुभम राज, नेहा झा, अभिजीत ठाकुर को मनोनीत किया गया।

शहर से पांच बुजुर्ग सिख पटना रवाना

JAMSHEDPUR : शिरोमणि शहीद बाबा जीवन सिंह की जयंती पर 4 सितंबर को पटना साहिब में नगर कीर्तन निकलेगा। इसमें शामिल होने के लिए शहर से पांच बुजुर्ग सोमवार को रवाना हुए। इनमें संतोष सिंह, शीतल सिंह, करनैल सिंह, रतन सिंह व गुरचरण सिंह शामिल हैं। रंगरेटा महासभा के सौजन्य से इन्हें हवाई जहाज से पटना रवाना किया गया। रंगरेटा महासभा के प्रधान मनजीत सिंह गिल ने बताया कि 3 सितंबर को सुबह 8 बजे एग्रिको मैदान से 400 श्रद्धालुओं का जत्था पटना साहिब के लिए रवाना होगा। इस जत्थे के साथ सेंट्रल कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह सहित कई गुरुद्वारों के प्रधान एवं अन्य प्रतिनिधि भी जाएंगे।

टाटानगर-रांची होकर चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे त्योहारी मौसम में पूजा स्पेशल ट्रेन चला रही है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर 08611/08612 संतरागाछी-अजमेर-संतरागाछी साप्ताहिक पूजा स्पेशल टाटानगर से होकर चलेगी। ट्रेन नंबर- 08611 संतरागाछी-अजमेर स्पेशल ट्रेन 30 सितंबर से 18 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को रात 10.40 बजे खुलेगी, जो अजमेर तीसरे दिन दोपहर 3 बजे पहुंचेगी। वहीं दूसरी ओर ट्रेन नंबर -08612 अजमेर-संतरागाछी पूजा स्पेशल 3 अक्टूबर से 21 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को रात 11.40 बजे अजमेर से खुलेगी, जो तीसरे दिन दोपहर 2.40 बजे संतरागाछी में पहुंचेगी।

इंडस्ट्री के एचआर सिस्टम में एआई का बढ़ जाएगा दखल

एक्सएलआरआई के सीएचआरओ कॉन्क्लेव में बोले वक्ता

PHOTON NEWS JSR: एक्सएलआरआई में सीएचआरओ कॉन्क्लेव क्रोनोस का समापन हो गया। इस एचआर कॉन्क्लेव में दुनिया भर की कंपनियों में एचआर के क्षेत्र में होने वाली बेस्ट प्रैक्टिस पर सभी वक्ताओं ने चर्चा की। इस बार क्रोनोस का थीम था एचआर फॉर द मॉर्डन लीडर : ब्रिजिंग द गैप बिटविन एचआर एंड नॉन एचआर फंक्शंस। इस थीम पर करीब दर्जन भर दिग्गजों ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान मुख्य रूप से यह बात उभर कर सामने आयी कि आने वाले दिनों में किसी भी इंडस्ट्री में एचआर की भूमिका काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है। एचआर में एआई की दखल बढ़ रही है। डेटा की मदद भी लेनी पड़ रही है। कॉन्क्लेव के दौरान एक्सएलआरआई के डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर डॉ. संजय पात्रो ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने मौजूदा दौर में एचआर सेक्टर में होने वाले महत्वपूर्ण व सकारात्मक बदलावों में एक्सएलआरआई की ओर से की जाने वाली पहल की जानकारी दी। इससे पूर्व उन्होंने एसोसिएट डीन डॉ. पीसी प्रधान के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान प्रो. संजय पात्रो ने क्रोनोस कॉन्क्लेव के आयोजन में उनके प्रयासों के लिए समिति के सदस्यों की भी सराहना की।

एक्सएलआरआई में मंच पर उपस्थित अतिथि व शिक्षक • फोटोन न्यूज

धालभूमगढ़ में वज्रपात से महिला की मौत

GHATSILA : धालभूमगढ़ प्रखंड के कनाश पंचायत निवासी 27 वर्षीय महिला चांदमनी सोरेन की सोमवार को दोपहर वज्रपात से मौत हो गई। चांदमनी एवं लोहा टुडू दो महिला जंगल से लकड़ी लाने के लिए गई थीं। जंगल से लौटने के क्रम में चांदमनी वज्रपात की चपेट में आ गई। घटना की सूचना लोहा टूडू ने परिवार वालों को दी। जानकारी के अनुसार, कनाश गांव निवासी नरेंद्रनाथ सोरेन की पुत्री चांदमनी सोरेन का विवाह डुमरिया प्रखंड के खरीदा गांव में चार पांच बर्ष पूर्व हुआ था। पति काम पर बाहर जाने के कारण घर पर अकेले रहना पड़ता था। इसलिए अपने माता-पिता के साथ लगभग 3 वर्षों से कनाश गांव में रह कर जीवन यापन कर रही थी। घटना के बाद परिजनों ने आपातकालीन सेवा 108 पर दो बार फोन किया, लेकिन एंबुलेंस समय पर उपलब्ध नहीं होने बाद परिजन गंभीर स्थिति में चांदमनी को ऑटो रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धालभूमगढ़ ले गए। डॉ. प्रशांत ने जांच के बाद चांदमनी सोरेन को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने पोस्टमार्टम कराने की सलाह दी, लेकिन परिजन उसके लिए तैयार नहीं हो रहे थे।

कुख्यात गुड्डू पांडेय हथियार के साथ किया गया गिरफ्तार

पत्रकारों को जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : कुख्यात अपराधी उमेश पांडेय उर्फ गुड्डू पांडेय को सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना की पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उमेश के साथी राकेश सिंह को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक देसी पिस्टल, छह गोली और एक कार बरामद की है। गुड्डू पांडेय के खिलाफ जमशेदपुर के कई थानों में हत्या और आर्म्स एक्ट जैसे कुल 17 मामले दर्ज हैं। बीते 4 अप्रैल को उलीडीह में ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी, जिसमें पुलिस ने उमेश को जेल भेजा था। इस दौरान उसे हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी, जिसके बाद वह हाल ही में जेल से बाहर आया था और आदित्यपुर के जयप्रकाश उद्यान के पास एक फ्लैट में रह रहा था।

बस के धक्के से एक व्यक्ति की मौत, दो लोग हुए घायल

CHAIBASA : रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग (एनएच-75ई) मुफस्सिल थाना अंतर्गत शारदा गांव के समीप बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतक संजय बानरा मुफस्सिल थाना अंतर्गत शारदा के अमराई गांव का रहने वाला था।

जानकारी के अनुसार, रविवार रात मुफस्सिल थाना अंतर्गत अमराई गांव निवासी संजय बानरा, रेंशो बानरा और सानगी बानरा रविवार रात एक बाइक पर सवार होकर चाईबासा चिरुगांव से फुटबॉल मैच देखकर गांव लौट रहे थे। इसी दौरान शारदा गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रही बस ने धक्का मार दिया। इससे संजय बानरा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि रेंशो बानरा और सानगी बानरा गंभीर रूप से घायल हो गए।

- फुटबॉल मैच देखकर एक बाइक पर तीन लोग लौट रहे थे गांव

घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस घटनास्थल से घायल और मृतक का शव उठाकर रात के लगभग 12 बजे सदर अस्पताल लायी। जहां घायल रेंशो बानरा और सानगी बानरा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। सोमवार को संजय बानरा का शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए पुलिस पोस्टमार्टम परिजनों को सौंप दिया। बाद में मृतक का शव रखकर गांव वालों ने सड़क जाम कर दिया। पुलिस के समझाने पर सड़क जाम हटा।

झारखंड आंदोलनकारी फाउंडेशन का गठन

JAMSHEDPUR : न्यू सीतारामडेरा स्थित आदिवासी एसोसिएशन में सोमवार को बुधराम सोय की अध्यक्षता में आंदोलनकारियों की बैठक हुई, जिसमें झारखंड आंदोलनकारी फाउंडेशन का गठन किया गया। इसमें एकीकृत सिंहभूम के विभिन्न प्रखंड के आंदोलनकारी शामिल हुए। इस बैठक में सर्वसम्मति से गैरराजनीतिक संगठन बनाने का निर्णय लिया गया, जिसका नाम झारखंड आंदोलनकारी फाउंडेशन रखा गया। इसके बैनर तले झारखंड आंदोलनकारियों की बैठक 15 सितंबर को दिशोम जाहेर, करनडीह में होगी। जमशेदपुर में एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन करने का निर्णय लिया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री दीपक बिरुवा भी रहेंगे। इस गोष्ठी में सभी आंदोलनकारियों को आमंत्रित किया जाएगा।

सिपाही बहाली में मौत पर भाजयुमो का मशाल जुलूस

साकची में नारेबाजी करते भाजपा कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : राज्य के विभिन्न जिलों में चल रही उत्पाद सिपाही की दौड़ के दौरान अब तक 12 युवा अभ्यर्थियों की असमय मौत ने पूरे राज्य में गहरे शोक और आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। इसके खिलाफ भाजयुमो जमशेदपुर महानगर ने बुधवार को मशाल जुलूस निकाला। भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय से साकची बड़ा गोलचक्कर तक मशाल लेकर हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा के कार्यकर्ता और युवाओं की भारी भीड़ मशाल थामे सड़क पर उतरी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिना सोचे-समझे और राजनीति को ध्यान में रखकर सबसे पहले दौड़ का आयोजन कर दिया गया।

चम्पाई का चाईबासा में गर्मजोशी से स्वागत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष संजय पांडे के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री कोल्हान टाइगर चम्पाई सोरेन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुख्य द्वार से स्वागत करते हुए भाजपा कार्यकर्ता भाजपा जिंदाबाद... भारत माता की जय... जय श्री राम.. चम्पाई सोरेन जिंदाबाद.. का नारे लगाते हुए सभा स्थल तक लाए। चम्पाई सोरेन ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं स्वतंत्र महसूस कर रहा हूं और आप सभी का स्नेह पाकर काफी गदगद हूं। निश्चित रूप से आप लोगों के स्नेह और हम सभी लोगों के सामूहिक प्रयास से कोल्हान में कमल खिलेगा।

योजनाओं का क्रियान्वयन सही हो, आपकी भी जिम्मेदारी : राज्यपाल

राज्यपाल ने पूर्वी सिंहभूम जिला के हुरलुंग पंचायत भवन में ग्रामीणों से किया संवाद

PHOTON NEWS JSR: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को पूर्वी सिंहभूम जिला के हुरलुंग पंचायत भवन में ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि मैं आप सभी से यह जानने आया हूं कि आपको विभिन्न योजनाओं का लाभ सही से मिल रहा है अथवा नहीं। राज्यपाल ने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन सही से एवं गुणात्मक हो, ये जिम्मेदारी आप सबकी भी है। किसी भी योजना का लाभ प्राप्त करने में आ रही समस्याओं से अवगत कराना चाहिए, ताकि आपकी समस्याओं का निराकरण किया जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि वे चाहते हैं कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का आप सबको पूर्णतः

हुरलुंग में बच्चे का अन्नप्राशन कराते राज्यपाल संतोष गंगवार • फोटोन न्यूज

लाभ मिले। सभी पात्र लोगों को आवास योजना का लाभ मिले, सबके घर में शौचालय सुविधा हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा जनमानस के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं, योजना के लाभ की राशि सीधे लाभुकों के खाते में जाती है। उन्होंने कहा कि सबको स्वच्छ पेयजल मिले, सभी के घर में नल से जल की आपूर्ति हो, इसके लिए सक्रियता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि राज्य की महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ रही हैं और स्वावलंबन का जरिया बना रही हैं तथा उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

बुनकर समूह ने कहा-उचित बाजार की कमी : संवाद के क्रम में राज्यपाल के समक्ष एक ग्रामीण महिला ने आवास समस्या संबंधी समस्या से अवगत कराया। राज्यपाल ने उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम से उक्त महिला को शीघ्र आवास योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। इसी दौरान बुनकर समूह के सदस्यों ने संवाद के क्रम में कहा कि अभी इससे जुड़कर 4000-4500 से आय प्राप्त होती है, लेकिन उत्पाद की बिक्री के लिए उचित बाजार की आवश्यकता है, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। पंचायत की मुखिया लीला मुंडा ने पंचायत में विभिन्न योजनाओं की स्थिति के संदर्भ में अवगत कराया।

परिसंपत्ति का किया वितरण : राज्यपाल द्वारा उक्त अवसर एक नवजात शिशु का अन्नप्राशन किया गया। इसके अतिरिक्त राज्यपाल ने सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, पेस्टिसाइड स्प्रे योजना, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, पीएम जनमन योजना के लाभुकों को लाभ प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त सखी मंडल के सदस्यों के समूह के मध्य चेक का वितरण किया गया। उनके द्वारा छात्र-छात्राओं के मध्य साइकिल का वितरण किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देकर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने वहां ग्रामीणों द्वारा निर्मित उत्पादों को भी देखा तथा प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता वाहन को रवाना किया।

सरायकेला में राज्यपाल ने पूछा- आपको योजनाओं का लाभ मिल रहा कि नहीं

SARAIKELA : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड स्थित रुगड़ी पंचायत में लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत परिसंपत्ति का वितरण किया। इससे पूर्व ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनमानस के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। आप सभी के बीच इस आशय के साथ पहुंचा हूं कि यह जान सकूं कि आपको इन सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है अथवा नहीं। इन योजनाओं के प्रति आपकी राय एवं सुझाव जानने आया हूं। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि आप सभी को योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ मिले, विभिन्न योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में कोई समस्या हो तो उसे बताएं, ताकि सरकार व प्रशासन को इससे अवगत कराया जा सके और आपकी समस्याओं का निदान हो सके। राज्यपाल ने कहा कि किसानों के लिए वर्तमान में 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना', माताओं-बहनों के लिए 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' जैसी कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। सबका अपना घर हो, इसके लिए आवास योजना भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विभिन्न वैज्ञानिक शोधों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार का मानना है कि आधी से अधिक बीमारी का कारण दूषित पेयजल है। इस परिप्रेक्ष्य में, केंद्र सरकार द्वारा सभी को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करने पर सक्रियता से कार्य किया जा रहा है।

राज्यपाल को स्मृति चिह्न भेंट करते उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला

पूर्वी चंपारण में सीएसपी से ढाई लाख की लूट

CHAMPARAN : जिले के केसरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहम्मदपुर चौक के समीप संचालित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा केसरिया के सीएसपी से लाखों की लूट का मामला सामने आया है। बताया गया कि सीएसपी संचालक मंजीत कुमार रोज की तरह सीएसपी का संचालन कर रहा था। इसी दौरान सोमवार करीब 11 बजे ब्लू कलर की बिना नंबर वाली अपाची गाड़ी पर सवार केसरिया की ओर से दो नकाबपोश हथियारबंद आये और सीएसपी में लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने मामले की छानबीन शुरू की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को चेक किया। इस मामले में सीएसपी संचालक मंजीत कुमार ने लिखित आवेदन देकर बताया कि ढाई लाख रुपये की लूट हुई है। घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि मामले की प्राथमिकी दर्ज अनुसंधान शुरू कर दी गई है।

दो बाल-बाल बचे, चार लापता, युवकों की खोज जारी

बख्तियारपुर में नहाने के दौरान 6 युवक नदी में डूबे

AGENCY PATNA : पटना से सटे बख्तियारपुर में नदी में नहाने के दौरान 6 युवक गहरे पानी में डूब गए। इनमें दो युवकों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया जबकि 4 युवक पानी में लापता हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। पानी में डूबकर लापता हुए युवकों की खोज जारी है। बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के टीका बीघा की ये घटना है। सोमवार को नहाने के दौरान सभी युवक इस हादसे का शिकार बन गए। बताया जा रहा है कि धोबा नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। नदी का पानी बढ़कर आगे आ गया है। सभी युवक यहां नहाने पहुंचे थे। अचानक गहरे पानी में

जाकर डूबने लगे। किसी तरह स्थानीय लोगों ने दो युवकों को बचा लिया लेकिन बाकि चार युवक लापता बताए जा रहे हैं। चर्चा है कि अवैध तरीके से मिट्टी व बालू काटे जाने से नदी के किनारे काफी गहरे गड्ढे बन गए हैं। जिसमें पानी लबालब भरा रहता है। युवकों को इसका अंदाजा नहीं था और वो गहरे पानी में डूबने लगे। इधर, चारो लापता की खोज लगातार जारी रही। बता दें कि सूबे में डूबने की घटनाएं इन दिनों बढ़ी हैं। नदी-तालाब व अन्य जलाशय लबालब भरे हुए हैं। जिससे हादसों में भी बढ़ोतरी हो गयी है।एक दिन पहले रविवार को सूबे में डूबने से 17 लोगों की मौत अलग-अलग हादसों में हो गयी। नालंदा में मां और बेटा समेत आधा दर्जन लोग डूब गए और मौत हो गयी। सारण, आरा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद में भी रविवार को दो-दो लोगों की मौत डूबने से हो गयी। रविवार को सारण के मांझी में सरयू नदी के छाड़न में नहाने के ही क्रम में चार लड़के डूब गए जिनमें दो की मौत हो गयी। वहीं भोजपुर में दो चचेरे भाइयों की मौत डूबने से हो गयी थी। जहानाबाद में दो मृतकों में एक किशोरी शामिल है। जबकि लखीसराय में तालाब में नहाने गए दो बच्चों की मौत डूबने से हो गयी। इधर मुजफ्फरपुर में जन्माष्टमी प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो युवक डूब गए। दोनों के शव लापता हो गए।

चाकू दिखा अपराधियों ने बैंक में लूट का किया प्रयास

PURNIYA : सोमवार को सुबह करीब 9 बजे पूर्णिया शहर में एक बार फिर बैंक लूट की वारदात का प्रयास किया गया। ईएसएएफ माइक्रो फाइनेंस बैंक में एक बदमाश घुस आया और चाकू दिखाकर कैशियर से पैसे मांगने लगा। घटना के अनुसार बैंक के प्रभारी मैनेजर अजय कुमार के अनुसार बदमाश एक बैग लेकर आया था और कैशियर से पैसे मांगने लगा। हालांकि, कैशियर ने तत्काल ही बैंक के सायरन का बटन दबा दिया और सायरन बजने लगा। सायरन की आवाज सुनकर बदमाश घबरा गया और जो बैग उसने कैशियर को दिया था, वह वापस ले लिया। बदमाश तुरंत बैंक से बाहर निकला और थोड़ी दूर जहां उसकी फर्जी नंबर प्लेट वाली बाइक खड़ी थी, उस पर सवार होकर फरार हो गया। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की है और शहर की नाकेबंदी कर दी है। बैंक प्रशासन के मुताबिक, उस समय करीब 20 लाख रुपये बैंक में मौजूद थे।

UTTARPRADESH NEWS

शो स्टॉपर में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, खुशी रहीं अव्वल

GORAKHPUR : यायावरी वाया भोजपुरी की ओर से गंगोत्री देवी महिला पीजी कॉलेज, गोरखपुर में नारी सशक्तीकरण को समर्पित शो स्टॉपर का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सफल महिलाओं के वेश में उनकी सफलता को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में खुशी को पहला, प्रकृति को दूसरा, रुचिता को तीसरा एवं मुस्कान को सांत्वना पुरस्कार मिला। इसके पूर्व यायावारी क्लब के अंतर्गत हुए इस आयोजन में मुख्य अतिथि स्वर की संस्थापक अर्पिता उपाध्याय, कॉलेज के प्रबंधक आशुतोष मिश्र, प्राचार्य पूनम शुक्ला, उप प्राचार्य प्रियंका त्रिपाठी, सीमा श्रीवास्तव व गौरव मणि त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशुतोष मिश्र ने कहा कि भोजपुरी अपनी माटी की भाषा है। नारी सशक्तीकरण में अपना क्षेत्र भी किसी से पीछे नहीं है। इस प्रकार के आयोजन से छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। छात्राओं ने सुष्मिता सेन, मां दुर्गा, पत्रकार, शिक्षक, सावित्री बाई फुले, झांसी की रानी, पीवी सिंधु, मिताली राज, किरण बेदी, फातिमा बीबी आदि का रोल निभाया। संचालन सीमा श्रीवास्तव ने किया, जबकि इस दौरान सुधीर कुमार मिश्र, सोनू किशोर, मिनी उपाध्याय सहित कई लोग मौजूद रहे।

37 करोड़ बकाया पर ढाई करोड़ के भुगतान को मंजूरी

MERATH : शहर की स्ट्रीट लाइट लगाने वाली कंपनी के 37 करोड़ रुपए बकाया के बदले सोमवार को महापौर की अध्यक्षता नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में ढाई करोड़ के भुगतान को मंजूरी दी गई। इस दौरान महापौर और पार्षदों ने इस कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए, लेकिन नगर निगम अधिकारियों ने शासन के आदेश का हवाला देकर कुछ भुगतान कराने के लिए कार्यकारिणी को मनाया। सूरजकुंड रोड स्थित महापौर कैंप कार्यालय में सोमवार को महापौर हरिकांत अहलूवालिया की अध्यक्षता में नगर निगम की कार्यकारिणी की विशेष बैठक हुई। बैठक में शहर में स्ट्रीट लाइट लगाने वाली कुपनी ईईएसएल के काम को लेकर महापौर और पार्षदों ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस समय शहर अंधेरे में है और लोग परेशान हैं।

कुशीनगर में कर्जग्रस्त किसान ने की आत्महत्या

KUSHINAGAR : कुशीनगर जिले कसया के चकदेंइया गांव में समूह के कर्ज से डूबे अवसादग्रस्त एक किसान ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ बीते तीन माह से किसी अज्ञात स्थान पर रह कर गुजर-बसर कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि समूह वालों का कर्ज नहीं दे पाने के कारण वह बच्चों के साथ यहां से चली गई। किसान भी मकान के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर अपने ही घर में छिपकर रहते थे। शव को कब्जे में लेकर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। 45 वर्षीय हरिशंकर वर्मा की जीविका खेती-किसानी और मजदूरी पर टिकी थी। वह वाहन चालक भी थे।

50 लाख की स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

LAKHIMPUR KHIRI : निघासन थाना पुलिस व एएनटीएफ यूनिट लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा 50 लाख रुपए की स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से दो महंगे मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। एसपी खीरी गणेश प्रसाद साहा ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को निघासन थाना पुलिस और एएनटीएफ यूनिट लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कस्बा तिकुनिया सुठाना बरसोला से नेशनल ढाबा के पास नागेंद्र कुमार निवासी सोठाना बरसोला थाना तिकुनिया व निर्मल सिंह निवासी रन नगर पोस्ट बनबीरपुर थाना तिकुनिया को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से जामा तलाशी 510 ग्राम स्मैक व दो मोबाइल बराबर हुए हैं। पकड़ी गई स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में 50 लाख रुपए से ज्यादा की बताई जा रही है। पकड़े गए दोनों आरोपियों को सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

राज्यपाल ने पैरालिंपिक पदक विजेताओं को दी बधाई

LAKHNAW : उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को पेरिस पैरालिंपिक में भारत के योगेश कथुनिया को चक्का फेक स्पर्धा एवं निषाद कुमार को ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने एवं महिला स्प्रिंटर प्रीति पाल को महिलाओं के 200 मीटर टी 35 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि इन युवाओं की इस उपलब्धि ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पदक विजेता युवाओं ने यह साबित किया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से किसी भी मुकाम पर पहुंचना संभव है। इनकी जीत ने दिखाया है कि कठिनाइयों का सामना करने के बाद भी हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस जीत को सभी भारतवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

भ्रमण पर निकलेंगे तेजस्वी कार्यकर्ताओं में भरेंगे ऊर्जा

AGENCY PATNA : बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव फिर एकबार बिहार भ्रमण पर निकलने वाले हैं। 10 सितंबर से कार्यकर्ता आभार यात्रा पर तेजस्वी निकलने वाले हैं। बिहार राजद के अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने इस यात्रा के बारे में जानकारी दी है। पहले चरण के विभिन्न जिलों में आयोजित की जाने वाली कार्यकर्ता आभार यात्रा का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। पहले चरण का आभार कार्यक्रम 10 से 17 सितंबर तक चलेगा। आभार यात्रा के लिए क्षेत्रवार कार्यकताओं के संवाद कार्यक्रम तय किए गए हैं।राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रखंड स्तर के कार्यकताओं से संगठन की मजबूती पर सुझाव लिए जाएंगे। कार्यकर्ता संवाद में बाहर के जिलों के कोई भी नेता और कार्यकर्ता शामिल नहीं होंगे। राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष

तेजस्वी यादव के कार्यक्रम की सूचना सभी जिलों में भेज दी गयी है। कार्यक्रम के अनुसार, 10 सितंबर को समस्तीपुर का कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम टाउन हॉल में मोरवा, सराय रंजन, मोहिद्दीन नगर, उजियारपुर व विभूतिपुर विधानसभा के नेता और कार्यकर्ता और 11 सितंबर को वहीं पर समस्तीपुर, रोसड़ा, कल्याधपुर, वारिसनगर और हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य जगहों पर भी कार्यक्रम होंगे।

अररिया में बदमाशों ने युवक को मारी गोली

ARARIYA : अररिया आरएस थाना क्षेत्र के गिदरिया रेलवे गुमटी के पास ओवरब्रिज के नीचे एक सुनसान खंडहर भवन में सोमवार दोपहर ढाई बजे के करीब अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को होली मारकर घायल कर दिया। घायल अवस्था में युवक के पड़े होने की किसी ने गुप्त सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर तुरंत आरएस थाना पुलिस पहुंची और घायल अवस्था में पड़े युवक को सदर अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस मृत युवक का शिनाख्त करने में जुटी है। वारदात की तकनीकी और वैज्ञानिक जांच के लिए घटनास्थल को संरक्षित कर फोरेंसिक जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। इसकी पुष्टि करते हुए सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह ने आरएस थाना में कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने घटना में शामिल अपराधकर्मी की जल्द ही पता लगाकर गिरफ्तारी कर लेने की बात कही।

सांसद पप्पू यादव बैग में 2 लाख रुपये लाए, बाढ़ पीड़ितों में किया वितरित

AGENCY PURNIYA : बिहार के पूर्णिया में रुपौली विधानसभा के इलाकों में बाढ़ का पानी घुस जाने से लोग ऊंचे स्थान एवं सड़क किनारे शरण लिए हुए हैं। इस बात की जानकारी मिलते ही पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव बाढ़ पीड़ित इलाके में मदद के लिए पहुंच गए। पीड़ित परिवार के बीच बैग में भरकर 2 लाख रुपए कैश पहुंचे थे। पप्पू यादव ने कैश बांटकर सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए और कहा कि बाढ़ पीड़ितों को सरकार ने उनके हाल पर छोड़ दिया है। लेकिन पूर्णिया का बेटा अपना फर्ज निभाएगा। पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद पप्पू यादव ने अपने समाजसेवा के संकल्प को एक बार फिर साबित करते हुए रुपौली प्रखंड के भौआ प्रवल पंचायत के बाढ़ पीड़ितों के बीच 2 लाख रुपए की नकद राशि का वितरण किया। सांसद ने बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित

बाढ़ पीड़ितों में रुपये बांटते सांसद पप्पू यादव।

जंगलटोला, टोपरा, बिन्द टोली, बलिया, और सधोपुर गांव का दौरा कर वहां के बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनके बीच नकद राशि का वितरण किया, ताकि उन्हें इस मुश्किल वक्त में राहत मिल सके। सांसद पप्पू यादव ने लोगों को आश्वासन दिया कि इस विपदा की घड़ी में वे उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि फिर से 500 से अधिक घरों में राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की जाएंगी। ताकि बाढ़ पीड़ितों को कुछ राहत मिल सके। पप्पू का ये वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी तेजी से ट्रेंड कर रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि गाड़ी का रूफ विंडो ओपन करके बैग निकालते हैं और फिर उसमें से कैश निकालकर तकिया लगाकर लेट जाते हैं फिर कार के ऊपर से ही सभी जरूरतमंदों को फौरन ही कैश बांटने लगते हैं। पप्पू यादव के इस वीडियो पर लोग कमेंट भी कर रहे हैं।

सीएम नीतीश ने डीजीपी को कानून व्यवस्था को लेकर दिए दिशा-निर्देश

AGENCY PATNA : बिहार के नए डीजीपी आलोक राज पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार आज (सोमवार को) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की है। आलोक राज और मुख्यमंत्री के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत भी हुई है। कहा जा रहा है कि कानून व्यवस्था को लेकर सीएम ने दिशा-निर्देश भी दिए हैं। दरअसल, कानून व्यवस्था मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यूएसपी रहा है। 2005 में जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी थी तो बिहार की कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। उसके बाद कानून व्यवस्था को बेहतर करने के लिए मुख्यमंत्री ने चुनौती के रूप में काम किया था। आज एक

सीएम से मिलते डीजीपी आलोक राज।

बार फिर से कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष की तरफ से लगातार निशान साधा जा रहा है। ऐसी स्थिति में है मुख्यमंत्री ने आलोक राज को बिहार के डीजीपी की जिम्मेदारी दी है। बिहार की कानून व्यवस्था कैसे बेहतर हो मुख्यमंत्री ने इसपर काम करने का निर्देश भी दिया है। बता दें कि 30 अगस्त को डीजीपी का पदभार ग्रहण करने के बाद से आलोक राज अपने अधिकारियों को कानून व्यवस्था को लेकर टिप्स भी दे रहे हैं। पद संभालने के बाद आलोक राज अपने पैतृक गांव भी गए और उसके बाद मुजफ्फरपुर आकर उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक भी की है। वैसे तो मुख्यमंत्री सचिवालय की तरफ से डीजीपी आलोक राज और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है। मालूम हो कि, आलोक राज 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। पूर्व डीजीपी आरएस भट्टी के सीआईएसएफ के महानिदेशक बनने के बाद बिहार का डीजीपी बनने का मौका मिला है।

टैंकर से तेल चुराने वाले गिरोह ने लाइन होटल के स्टाफ को मारी गोली

CHAMPARAN : सड़क किनारे खड़े टैंकर व ट्रक से डीजल-पेट्रोल की चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों ने एक लाइन होटल के स्टॉफ को गोली मार दी। बदमाशों की गोली से घायल युवक को मुजफ्फरपुर भेजा गया है। इसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना सोमवार तड़के सुबह मेहसी थाना क्षेत्र के एनएच-28 के बाबा लाइन होटल के पास की है। घायल युवक की पहचान मेहसी थाना क्षेत्र के बखरी नाजिर गांव के दीपक साह के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि एक कार पर सवार होकर चार बदमाश लाइन होटल पर खड़ी ट्रैंकर के पास पहुंचे, जिसे देख दीपक ने चिल्लाना शुरू कर किया। इसके बाद बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। गोली दीपक के सिर में लगी।

मुंगेर में डायरिया से दो सगी बहनों की गई जान

AGENCY MUNGER : मुंगेर जिला के असरगंज प्रखंड मुख्यालय के समीप सती स्थान गांव में दो सगी बहनों की मौत डायरिया से हो गई है। तीन बच्चों की हालत गंभीर है, अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृत बच्चियों के पिता राजकुमार यादव ने बताया कि दोनों बच्चियों को उल्टी दस्त का शिकायत हुआ। जिसके बाद हमलोगों ने प्राइवेट क्लीनिक में दिखाएं। उसके बाद घर लेकर आ गए, फिर रात में करीब 2 बजे तबियत बिगड़ गई। एकाएक तबियत बिगड़ने के बाद दोनों एक-एक कर दम तोड़ दी। दोनों बच्ची सती स्थान गांव निवासी राजकुमार यादव की पुत्री है। मृतक की पहचान 5 वर्षीय प्राची एवं 11 वर्षीय काजल कुमारी के रूप में की गई है। जानकारी के

मुताबिक राजकुमार यादव के पुत्र रुस्तम कुमार और एक पुत्री की भी डायरिया से स्थिति गंभीर बताई जा रही है। उसके अलावा एक और बच्चे की हालत गंभीर है। जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असरगंज में भर्ती कराया गया है। दो बच्चियों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग पर उंगली उठने लगी है। ग्रामीणों ने बताया कि एक भी बार सती स्थान गांव में ब्लीचिंग का छिड़काव नहीं किया गया है। वहीं 6 महीने से नलजल खराब रहने के कारण लोग ऊपरी लेयर 15 फीट का दूषित पानी पीने को विवश हैं।

केवाला, मालगुजारी रसीद, आधार कार्ड, वंशावली और मोबाइल नंबर कराना होगा उपलब्ध

भूमि सर्वे के लिए आपको दिखाने होंगे जरूरी कागजात

AGENCY PATNA : बिहार सरकार द्वारा बढ़ते जमीन विवाद और अपराधों को देखते हुए भूमि सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया है, जिससे लोगों को अपनी जमीन का मालिकाना हक मिल पायेगा।

सरकार इस सर्वे के जरिये जमीन से जुड़े सभी रिकॉर्ड अप टू डेट करेगी। इसी संदर्भ में नगर निकाय को छोड़ कर भभुआ प्रखंड में 286 राजस्व ग्राम का सर्वे का काम शुरू हो गया है। साथ ही गांव-गांव जाकर चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जानकारी दी जा रही है व संबंधित सभी कागजातों को राजस्व कर्मचारी द्वारा दुरुस्त किया जा रहा है। भूमि सर्वे करवाने के लिए आपको कुछ जरूरी कागजात देने होंगे, यह कागजात इस बात पर निर्भर करती है की जमीन आपके नाम

पर है या फिर आपके परिवार के किसी और सदस्य के नाम पर। इसके लिए प्रपत्र (2) और प्रपत्र (3)1 भरकर उसके साथ खतियान या केवाला, मालगुजारी रसीद, आधार कार्ड, वंशावली सहित मोबाइल नंबर भी देना होगा। अगर जमीन आपके पूर्वजों के नाम पर थी और अब वह नहीं है तो उनके करने का सबूत देना होगा, यह सबूत उनकी मृत्यु प्रमाण पत्र होगा। इसके अलावा आपको उनकी जमीन के पुराने रिकॉर्ड भी देने होंगे, जैसे की जमाबंदी मालगुजरी रसीद इन रिकॉर्ड में जमीन का विवरण होना चाहिए साथ ही वंशावली भी देना जरूरी होगा। अगर आपने जमीन खरीदी है तो आपको जमीन खरीदने के कागजात भी देने होंगे। वहीं अगर जमीन को लेकर कभी कोई विवाद हुआ है तो और कोर्ट में कोई आदेश दिया गया हो तो आदेश से संबंधित सभी कागजात की कॉपी देनी होगी। भूमि सर्वेक्षण करने के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरीकों से भूमि सर्वे के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सबसे पहले आपको बिहार सरकार के राजस्व व भूमि सुधार विभाग की वेबसाइट पर जाकर सारा डॉक्युमेंट्स अपलोड करना होगा। ऑफलाइन आवेदन के लिए प्रपत्र (2) व प्रपत्र (3)1 भरकर उसके साथ भूमि से जुड़ी सारी कागजात को लगाकर जमा करना होगा।

क्या कहते हैं अधिकारी

सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि भूमि सर्वेक्षण के लिए नगर निकाय को छोड़कर भभुआ प्रखंड में 286 राजस्व ग्राम का सर्वे किया जाना है, जिसके लिए कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे खतियान, केवाला, मालगुजारी रसीद, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर के साथ प्रपत्र (2) और प्रपत्र (3)1 भरकर भभुआ आंचल अभिलेखागार में जमा करना होगा, जहां कार्यालय में क्लर्क आशुतोष कुमार व नेहा कुमारी से विशेष जानकारी भी ली जा सकती है। बिहार सरकार के राजस्व व भूमि सुधार विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है।

कैमूर के सिकेंद्र को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, राष्ट्रपति करेंगी पुरस्कृत

AGENCY KAIMUR : कैमूर सरकारी विद्यालय के प्रभारी हेडमास्टर सिकेंद्र कुमार सुमन को उनके स्कूल में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 5 सितंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाले समारोह में उन्हें यह पुरस्कार दिया जाएगा।

सिकेंद्र कुमार सुमन, कुदरा प्रखंड के न्यू प्राथमिक विद्यालय, तरहनी में कई वर्षों से प्रभारी हेडमास्टर के पद पर कार्यरत हैं। बता दें कि सिकेन्द्र कुमार सुमन तरहनी विद्यालय में कई वर्ष से प्रभारी हेडमास्टर के पद पर कार्यरत है। ऐसे में विद्यालय में ऑन लाइन परीक्षा के साथ-साथ निजी विद्यालय के तौर पर कई तरह का व्यवस्था किये हैं। आमतौर पर प्राइवेट स्कूलों में ही देखने को मिलती हैं। उन्होंने 5वीं कक्षा के सभी बच्चों के लिए ईमेल आईडी भी बनवाई है, जिससे बच्चे ईमेल भेज सकते हैं। इन सब उपलब्धियों के लिए सिकेंद्र कुमार सुमन ने पहली बार राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए आवेदन किया था और उन्हें यह पुरस्कार मिलेगा। राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान पुरष्कार पाने वाले कुदरा के तरहनी विद्यालय के प्रभारी हेडमास्टर सिकेंद्र कुमार सुमन कैमूर जिले के तीसरे शिक्षक होंगे जिन्हें सम्मानित किया जाएगा। इससे पहले 2021 में रामगढ़ प्रखंड से मीडिल स्कूल डहरक के हेडमास्टर हरदास शर्मा और 2023 में रामगढ़ प्रखंड के ही आदर्श बालिका इंटर स्तरीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह को ये पुरस्कार मिल चुका है। कुदरा प्रखंड के न्यू प्राथमिक विद्यालय, तरहनी में कुल 52 छात्र पढ़ते हैं और यहां तीन शिक्षक कार्यरत हैं। सिकेंद्र कुमार सुमन और उनके साथी शिक्षकों ने मिलकर इस स्कूल को एक मिसाल बना दिया है।

बच्चों के बीच शिक्षक सिकेंद्र कुमार सुमन।

अब असंगठित क्षेत्र के मुलाजिमों को भी मिले पेंशन व सामाजिक सुरक्षा

सरकार ने हाल ही में एकीकृत पेंशन योजना यानी यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को लागू करने की अंततः घोषणा कर दी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो देशभर में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों के हितों की रक्षा करती है। नई पेंशन योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद निश्चित पेंशन मिलेगी। इसकी रकम सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीने के औसत मूल वेतन का 50 फीसदी होगी। 25 वर्ष तक की सेवा पर ही यह रकम मिल सकेगी। 25 वर्ष से कम और 10 साल से ज्यादा की सेवा पर उसके अनुपात में भी पेंशन मिलेगी। किसी भी कर्मचारी के निधन से पहले पेंशन की कुल रकम का 60 फीसदी हिस्सा परिवार को मिलेगा। दरअसल नई पेंशन योजना लागू होने से सरकारी बाबुओं को बहुत बड़ी दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता मिलेगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की नई पेंशन योजना (एनपीएस) में सुधार की लंबे समय से मांग की जा रही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अप्रैल 2023 में टीवी सोमनाथन के नेतृत्व में इस पर एक समिति का गठन भी किया था। जेसीएम (संयुक्त सलाहकार तंत्र) सहित व्यापक परामर्श और चर्चा के बाद समिति ने एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश की थी। भारत में वृद्धावस्था में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह न केवल कर्मचारियों को काम करने के बाद जीवन स्तर बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बाकी जीवन परिवार और समाज, यहां तक कि अपने बच्चों की नजरों में सम्मानपूर्वक बिताने का जरिया देता है। जब कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं तो उनकी आमदनी का स्रोत अचानक खत्म हो जाता है। पेंशन भले ही सेवा के दौरान प्राप्त होने वाली आय से आधी हो, एक नियमित आय तो प्रदान करती ही है, जो उन्हें आवश्यक खर्च जैसे भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आवास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराती है। इससे वित्तीय अनिश्चितता के खतरे को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 2004 में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) शुरू की थी। उसमें कर्मचारियों और सरकार दोनों ने कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) का 10% योगदान सेवानिवृत्ति निधि में दान किया। इस फंड को बाजार से जुड़े साधनों के मिश्रण में निवेश किया गया था और रिटर्न में प्राप्त आय से पेंशन राशि का निर्धारण किया। हालांकि, इस प्रणाली ने बहुत आवश्यक वित्तीय अनुशासन भी लाया और सरकार की बिना फंड वाली पेंशन देनदारियों को कम किया। लेकिन, उसने सेवानिवृत्त लोगों के लिए अनिश्चितता भी पैदा की, क्योंकि पेंशन बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर थी। उदाहरण के लिए बाजार में गिरावट के दौरान सेवानिवृत्त लोगों ने कम रिटर्न देखा, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा के बारे में चिंताएं बढ़ीं। एक बात जान लें कि नई पेंशन का राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा यदि कोई राज्य सरकार इसे लागू करना चाहती हैं तो। कांग्रेस का एनपीएस पर रुख सदैव अस्पष्ट रहा और लगातार बदलता भी रहा। शुरू में कांग्रेस ने एनपीएस की सराहना की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे एक बेहतर पेंशन मॉडल बताया। हालांकि, बाद में कांग्रेस ने इसकी कमियां निकालनी शुरू कर दी, मात्र अपने सियासी स्वार्थों के कारण। पुरानी पेंशन योजना को खत्म करने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा था। केंद्र से लेकर राज्यों के भी सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम को वापस लाने की मांग करते ही रहे थे। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उन्होंने पुरानी पेंशन को लागू किया, जो आज तक लागू है। हिमाचल प्रदेश में भी पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जा चुका है। अब एकीकृत पेंशन योजना पर मुहर लग गई है। एकीकृत पेंशन योजना की सबसे बड़ी खूबी यही है कि इसमें पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) की खासियतों को शामिल किया गया है। ओपीएस की तरह यूपीएस में भी निश्चित पेंशन सुनिश्चित की जा रही है और यही मांग कर्मचारियों की लगातार रही है। यूपीएस प्रतिमाह 10 हजार रुपये की न्यूनतम पेंशन गारंटी देती है। यूपीएस से लाखों सरकारी कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद आर्थिक सुरक्षा मिलेगी वर्ना जिन लोगों को किसी तरह की पेंशन रिटायरमेंट के बाद नहीं मिलती है, उन्हें बहुत कष्ट और जलालत की जिंदगी झेलनी पड़ती है। देश के निजी क्षेत्र से जुड़े लाखों-करोड़ों लोगों को हर माह बड़ी मुश्किल से दो-ढाई हजार रुपये ही पेंशन मिलती है। अब आप सोच सकते हैं कि इतनी कम राशि से तो कोई इंसान अपने महीने का चाय-पानी का खर्च भी नहीं निकाल सकता है। मेरे बहुत सारे पत्रकार मित्रों को रिटायर होने के बाद मात्र दो-तीन हजार रुपये पेंशन के रूप में मिलते हैं। यही हाल अन्य विभागों से जुड़े सेवानिवृत्त कर्मियों का भी है। नई पेंशन योजना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का अहम फैसला मानी जाएगी। इसका लक्ष्य सरकारी कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा देना है। इस तरह की नीति कोई दूरदर्शी नेतृत्व ही ला सकता है। यह एक ऐसी योजना है, जो पिछली पेंशन योजनाओं की सारी अच्छी बातों का निचोड़ है। सवाल पूछा जा रहा है कि क्या सरकरी कर्मियों को रिटायर होने पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान का भी लाभ मिलेगा। इस सवाल का जवाब यह है कि कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान का लाभ भी मिलेगा। सेवानिवृत्त कर्मियों के पास वित्तीय सुरक्षा का अर्थ है कि वे अपने परिवारों की देखभाल करने, बच्चों की शिक्षा में योगदान देने और अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए अधिक संसाधन रख सकते हैं।

वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन होना जरूरी

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

क्या किसी भी संपत्ति को बिना जांच के वक्फ की घोषित कर देनी चाहिए। कम से कम संविधान तो यह अनुमति नहीं देता, किंतु वक्फ के अपने नियम हैं, जो संविधान से भी ऊपर दिखाई देते हैं। तभी तो वह अनेक संपत्तियों को हड़पता जा रहा है और अनेक पर दावा ठोक रहा है। हालांकि कई बार वक्फ बोर्ड को कोर्ट से फटकार भी लगी है, उसके दावों को खारिज भी किया गया। जैसा कि अभी हाल ही में मध्य प्रदेश में हमने बुरहानपुर और भोपाल मामलों में देखा, फिर भी ये वक्फ बोर्ड है कि जमीनों पर कब्जा करने का कोई मौका छोड़ता नहीं दिखता। अब बिहार की राजधानी पटना के पास स्थित गोविंदपुर गांव में सुन्नी वक्फ बोर्ड के एक फरमान ने फिर से वक्फ की कार्रवाई पर प्रश्न खड़े किए हैं। इस गांव में 90 प्रतिशत से अधिक हिंदू निवास करते हैं, जो कई दशकों से यहां रहते आ रहे हैं। लेकिन, वक्फ बोर्ड का दावा है कि गांव की जमीन उसकी है। गांव वालों को 30 दिनों के भीतर जमीन खाली करने का नोटिस दिया गया है। इस प्रकरण में झूठ और मक्कारी की हद यह है कि उच्च न्यायालय द्वारा पहले ही गांव वालों के पक्ष में फैसला सुनाया जा चुका है, लेकिन वक्फ बोर्ड ने यहां लगा अपना बोर्ड न हटाते हुए फिर से नोटिस जारी कर दिया।

वक्फ बोर्ड बार-बार बेनकाब हो रहा है और इसकी असली मंशा खुलकर सामने आ रही है। फिर भी बेशर्मी इतनी अधिक है कि केंद्र की सरकार इसमें कुछ आमूलचूल परिवर्तन करना चाहती है तो इसका कांग्रेस-इंडी गठबंधन समेत कई विपक्षी दल तुष्टीकरण के लिए सकारात्मक सुधारों का विरोध कर रहे हैं। क्या किसी भी संपत्ति को बिना जांच के वक्फ की घोषित कर देनी चाहिए। कम से कम संविधान तो यह अनुमति नहीं देता, किंतु वक्फ के अपने नियम हैं, जो संविधान से भी ऊपर दिखाई देते हैं। तभी तो वह अनेक संपत्तियों को हड़पता जा रहा है और अनेक पर दावा ठोक रहा है। हालांकि कई बार वक्फ बोर्ड को कोर्ट से फटकार भी लगी है, उसके दावों को खारिज भी किया गया। जैसा कि अभी हाल ही में मध्य प्रदेश में हमने बुरहानपुर और भोपाल मामलों में देखा, फिर भी ये वक्फ बोर्ड है कि जमीनों पर कब्जा करने का कोई मौका छोड़ता नहीं दिखता। अब बिहार की राजधानी पटना के पास स्थित गोविंदपुर गांव में सुन्नी वक्फ बोर्ड के एक फरमान ने फिर से वक्फ की कार्रवाई पर प्रश्न खड़े किए हैं। इस गांव में 90 प्रतिशत से अधिक हिंदू निवास करते हैं, जो कई दशकों से यहां रहते आ रहे हैं। लेकिन, वक्फ बोर्ड का दावा है कि गांव की जमीन उसकी है। गांव वालों को 30 दिनों के भीतर जमीन खाली करने का नोटिस दिया गया है। इस प्रकरण में झूठ और मक्कारी की हद यह है कि उच्च न्यायालय द्वारा पहले ही गांव वालों के पक्ष में फैसला सुनाया जा चुका है, लेकिन वक्फ बोर्ड ने यहां लगा अपना बोर्ड न हटाते हुए फिर से नोटिस जारी कर दिया। ग्रामवासियों का कहना है कि गांव के पिछले हिस्से में बनी एक ईदगाह को लेकर विवाद है, पर वक्फ बोर्ड कुछ सुनने को तैयार नहीं। स्थानीय पार्षद जीतेंद्र कुमार बताते हैं कि गांव के पूर्व पार्षद जो कि वक्फ बोर्ड के सचिव हैं, गांव की आधी बस्ती को वक्फ बोर्ड में डाल दिया है। डीएम जांच कर चुके हैं और उन्होंने भी वक्फ के दावों को निराधार पाया है, फिर यह बोर्ड अपने दावे पर कायम है। बिहार के इस गांव की तरह ही एक मामला तमिलनाडु से भी इसी प्रकार से सामने आ चुका है। एक पूरा हिंदू गांव थिरुचेंथुरई, जो तिरुचि जिले में आता है, में 1500 साल पुराने मणेंडियावल्ली चंद्रशेखर स्वामी मंदिर की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने मालिकाना हक का दावा ठोका हुआ है। मंदिर के पास गांव और उसके आसपास 369 एकड़ जमीन है। यहां रहने वाले किसान राजगोपाल जब अपनी जमीन के कुछ भाग को दूसरे को बेचने के लिए विक्रय संबंधी औपचारिकताएं पूरा करने रजिस्ट्रार के दफ्तर पहुंचे तो उन्हें रजिस्ट्रार ने बताया कि तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने डीड्स विभाग को 250 पन्नों का एक पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि तिरुचेंदुरई गांव में कोई भी भूमि लेनदेन केवल उसके अनापत्ति प्रमाण-पत्र के बाद ही किया जा सकता है। वर्ष 2022 में सामने आए इस मामले का निराकरण वर्तमान 2024 के अगस्त माह तक भी नहीं किया गया है। भूमि पर वक्फ बोर्ड अपना अधिकार जता रहा है। अब राजगोपाल ही नहीं पूरे ग्रामवासी सकते में हैं, क्योंकि गांव में 1600 साल पुराना हिंदू मंदिर भी वक्फ बोर्ड ने अपना बताया है, जबकि इस्लाम की उत्पत्ति ही सातवीं शताब्दी में हुई। एतिहासिक तथ्य यह है कि 622 ईस्वी में पैगंबर मुहम्मद यतुरिब शहर (मदीना) पहुंचे। फिर सन 630 में मक्का आए, इसके बाद मुस्लिम कबीले इस्लाम को लेकर दूसरे देशों में निकले। 8वीं शताब्दी ईस्वी तक यह सिंधु नदी तक ही आ सका था। उसके बाद वह भारत के अंदर के भाग में आते हुए 1100 एवं 1200 ईसवी में वह हिंदू राजाओं के साथ युद्धरत रहता है। सोचिए, जो इस्लाम पैदा ही 1400 साल पहले हुआ, वह 1600 साल पूर्व भारत के किसी मंदिर पर अपना दावा ठोक रहा है। तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड इतने पर भी नहीं रुका। इस गांव के आसपास उसने अन्य 18 गांवों की जमीन पर भी अपना दावा किया है। क्या तमिलनाडु, बिहार ही वक्फ बोर्ड के निशाने पर है, इसकी तह में जाएं तो दिखाई देता है, देश के प्रत्येक राज्य में वक्फ के भूमि भवन से जुड़े विवाद चल रहे हैं। हम सभी ने हाल ही में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बहुत ही श्रद्धा के साथ मनाया है, लेकिन इन इस्लामवादी वक्फ बोर्ड के लोगों की बेशर्मी देखो। इन्होंने भगवान के धाम तक को नहीं छोड़ा। गुजरात के जिस क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण के साक्षात पदचिह्न जहां जीवंत हैं, उस द्वारिका में एक नहीं अनेक वक्फ संपत्ति घोषित कर दी गई हैं। यहां मुसलमानों का एक इस्लामिक गिरोह जमीन पर अवैध कब्जे को कानूनी जामा पहनाने के लिए उसे वक्फ बोर्ड से नोटिफाई करवा रहा है। इस संदर्भ में देवभूमि द्वारका जिले के नवादरा गांव में स्थित हाजी मस्तान दरगाह मामले को देखें, रेवेन्यू रेकॉर्ड्स पर रामी बेन भीमा और रामसी भाई भीमा के नाम पर दर्ज खेती की जमीन के एक भाग पर 40-50 साल पहले एक छोटी मजार बना दी गई थी, जिसका तत्कालीन समय में विरोध हुआ था, फिर कहा गया कि यह स्थानीय मुसलमानों की भावना का प्रश्न है, जिसे देखते हुए हिंदुओं ने मुसलमानों की भावनाओं का सम्मान रखा और उन्हें छोटी सी मजार बनाने के लिए जगह दे दी। लेकिन, मजार का काम पूरा होते ही जो मुसलमान हाथ जोड़ रहे थे, वे आंखे दिखाने लगे। फिर समय बीतने के बाद अब यहां एक ट्रस्ट खड़ा करके उसे दरगाह में बदलकर वक्फ बोर्ड से नोटिफाई करवा दिया गया। सबसे बड़ी बात जितनी भूमि कभी दरगाह के लिए हिंदू किसान से ली गई थी, उससे कहीं अधिक वर्तमान में घेर ली गई है। रेवेन्यू रेकॉर्ड्स में जहां दरगाह बनी है, वह कृषि भूमि के रूप में ही दर्ज है। किंतु, अब विषय यह है कि आखिर वक्फ बोर्ड से सीधे टक्कर कौन सी सरकारी संस्था ले। ऐसे में जमीन के मालिक अपना पक्ष लेकर दर-दर भटक रहे हैं और अपना कीमती समय, रुपया सभी कुछ बर्बाद कर रहे हैं। यदि वे भविष्य में जीत भी जाते हैं, तब भी उन्हें कहीं से कभी उनका यह रुपया वापिस नहीं मिलना है। भगवान कृष्ण के इस प्राचीनतम स्थल द्वारिका समेत जामनगर जिलों में वक्फ बोर्ड पिछले दो सालों में 345 प्रॉपर्टी अपने नाम रजिस्टर्ड कर चुका है। यहां उसकी ये कार्रवाइयां इतनी तेज रहीं कि लोग कुछ समझ पाते, उसके पहले ही इन कोस्टल इलाकों में वक्फ बोर्ड प्रॉपर्टीज अपने खाते में चढ़ा चुका था। ऐसे में कहना होगा, यदि आगे कुछ वक्त और यही आलम रहा तो हिंदुओं की भूमि यहां ढूंढे से भी नहीं मिलेगी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में मशहूर मीरा बाबा मठ पर अवैध कब्जे का मामला हाल ही में सामने आया। आरोप है कि वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए इस मठ पर कब्जा करने की कोशिश की है। इसकी जानकारी होने पर अखंड हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा ने इस संबंध में सूचना के अधिकार के तहत तहसील से मिली रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप कर न्याय दिलवाने का आग्रह किया है। ये रिपोर्ट बताती है कि अलीगढ़ के खेड़ा गांव में वक्फ बोर्ड की कोई जमीन नहीं है, जबकि वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी होने का दावा करने वाले यूनुस अली एवं अन्य मुसलमानों ने इस मठ को वक्फ की जमीन बताते हुए कब्जा करने की कोशिश की। यहां पिछले 150 साल से भी अधिक समय से हिंदू परिवार पूजा पाठ करते आ रहे हैं। हर वर्ष आषाढ़ माह में विशाल मेला लगता है, जिसमें विशेष तौर पर बच्चों का मुंडन संस्कार कराने कई स्थानों से हिंदू श्रद्धालू आते हैं। शादीशुदा जोड़े बाबा के दरबार में आकर सुखद दांपत्य जीवन की कामना करते हैं। गांव खेड़ा के प्रधान अमित कुमार का कहना है कि मीरा बाबा मठ की जमीन ग्रामसभा की है और उस पर वक्फ बोर्ड द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। आज ऐसा भी नहीं है कि वक्फ बोर्ड की मनमानी से अकेले हिंदू या अन्य गैर मुस्लिम ही परेशान हैं। अनेक स्थानों पर समय-समय पर सामने आया है कि मुसलमान लोग भी कई जगह वक्फ की कार्रवाई से दुखी एवं परेशान हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में निपानिया की खसरा नंबर 170 की विवादित वक्फ जमीन को लेकर शाह परिवार ने अपने मालिकाना हक की बात कही।

वेदपाठियों का भी सम्मान जरूरी

देशभर में वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के समय से पक्ष और विपक्ष सर्वत्र संविधान की रक्षा की बात बहुत हो रही है। सबसे ज्यादा जोर धर्मनिरपेक्षता या पंथनिरपेक्षता पर है। लेकिन, क्या सभी सरकारें संविधान में इस महत्वपूर्ण शब्द पंथनिरपेक्षता का वास्तव में आदर करती हैं या उनके लिए वोटबैंक की राजनीति में तुष्टीकरण ही महत्वपूर्ण है। वास्तव में यह सभी सरकारों के लिए सोचनीय विषय हो सकता है। किंतु, हाल ही में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया निर्णय राजनीति में कार्य करने वाले सत्तासीन सभी लोगों को यह सोचने पर जरूर विवश कर रहा है कि क्या वे भारत के बहुसंख्यक हिंदू समाज की भावनाओं का हृदय से सम्मान करते हैं, जिनके वोट बैंक के आधार पर ही वे सत्ता का सुख भोगते हैं। निश्चय ही इस संदर्भ में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का यह निर्णय आज सर्वत्र चर्चा का विषय बन गया है, जिसमें कि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि बहुसंख्यक हिंदू समाज का सम्मान आवश्यक है। इसलिए राज्य के मंदिरों में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाएगा, क्योंकि यह देवता के प्रति भक्त के समर्पण का विषय है। हृदय की गहराइयों में समाहित उस श्रद्धा एवं पवित्रता से जुड़ा विषय है, जिसमें कि एक भक्त अपने भगवान को अपना सर्वस्व यथायोग्य स्थिति में समर्पण करने के लिए तैयार है। निश्चित रूप से इस पूरी प्रक्रिया में पवित्रता का महत्व है और उस पवित्रता को प्रायः वही पहले अनुभव करेगा, जो बचपन से ही उसमें रसा-बसा होगा। इसलिए उनका ये लिया गया निर्णय आज सर्वत्र सराहा जा रहा है। इसके साथ ही नई नीति के अंतर्गत मंदिर के पुजारियों, जिन्हें अर्चक के नाम से भी जाना जाता है, का मासिक वेतन 15000 रुपये किया गया है। मंदिरों में नाई कर्म करने वालों का भी न्यूनतम वेतन 25000 रुपये मासिक हो गया है। वस्तुतः जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भारत के मंदिरों में मुंडन करवाने का विशेष महत्व है। ये महत्व इस भावना पर आधारित है कि सिर के बाल यानी जो प्रत्येक मनुष्य के शरीर के लिए सबसे अधिक सौंदर्य के प्रतीकों में से एक हैं, उसका अपने देवता के सामने पूर्णतः समर्पण कर देना चाहिए, क्योंकि बाल जन्म से शरीर के साथ ही आते हैं, जबकि अन्य पदार्थ प्रकृति से बाद में प्राप्त होते हैं। ऐसे में यदि अपने देवता (ईश्वर) के सामने कुछ समर्पित करना ही है तो वह देह का ही भाग हो सकता है, क्योंकि मनुष्य अपनी देह से ही सबसे अधिक प्रेम करता है, इसलिए इस मान्यता के आधार पर समर्पण कर देने का प्रण भारत के मंदिरों में प्रायः मुंडन संस्कार के प्रचलन के रूप में देखने को मिलता है। यहां मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के इस निर्णय से मंदिरों में नाई कर्म में लगे हुए तमाम लोगों के परिवारों को यह आश्वासन मिल है कि अब कम से कम आर्थिक तंगी का सामना उन्हें नहीं करना होगा। उनका यह निर्णय भी हृदय को छू गया, जब तय किया गया कि विश्व की सबसे प्राचीनतम वेद विद्या की पढ़ाई करने वाले बेरोजगार युवाओं को 3000 रुपये मासिक भत्ता दिया जाएगा। कहना होगा कि वेद की विद्या दुनिया भर के लिए भारत की धरोहर है। वेद के जितने मंत्र हैं और जितनी उसकी शाखाएं हैं, उन सभी को इस निर्णय से बल मिलेगा। पतंजलि ने ऋग्वेद की 21, यजुर्वेद की 100, सामवेद की 1000 तथा अथर्ववेद की 9 शाखाएं बताई हैं, किंतु वर्तमान में अधिकतर अप्राप्य है। इस संदर्भ में प्राप्त सभी शोध निष्कर्षों से सामने आया है कि प्राचीन समय में वेदों की 1131 शाखाएं थीं, किंतु विधर्मियों के हुए लगातार आक्रमण के फलस्वरूप अपने अस्तित्व को बचाए रखने की हिंदू सनातन चुनौती के बीच अब वेदों की केवल 12 शाखाएं ही शेष हैं, जिसमें ऋग्वेद की 2, यजुर्वेद की 6, सामवेद की 2 और अथर्ववेद की 2 शाखाएं हैं। राज्य सरकार ने 'धूप दीप नैवेद्यम योजना' के माध्यम से छोटे मंदिरों के लिए वित्तीय सहायता भी बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह सहायता राशि 5000 रुपये से बढ़ाकर 10000 रुपये प्रति माह कर दी गई है। इसके अलावा 20 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व वाले मंदिरों के लिए मंदिर ट्रस्ट बोर्ड में दो अतिरिक्त बोर्ड सदस्य जोड़े जा रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इन नए पदों में एक ब्राह्मण और एक नाई को शामिल किया गया है। इतना ही नहीं नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू मंदिरों में गैर-हिंदुओं को कोई रोजगार नहीं दिया जाना चाहिए। इसके भी मायने को हमें समझना होगा। जो लोग थूक लगा कर दूसरों को चीजें परोसते हैं या अपनी मान्यता के अनुसार ईश्वर को वाइन का जो लोग भोग लगाते हैं, उन पर मंदिर के संदर्भ में विश्वास करना नहीं चाहिए। इसकी कोई गारंटी नहीं कि जिसका भाव ही देवता के प्रति समर्पण का नहीं है,वह पूरी पवित्रता का ध्यान रखेगा। अतः हिंदुओं के मंदिर में सामान बेचने वाले भी हिंदू ही होना चाहिए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री का कहना है कि आंध्र प्रदेश के हर मंदिर में आध्यात्मिकता प्रस्फुटित होनी चाहिए। आध्यात्मिक कार्यक्रम इस तरह से आयोजित किए जाने चाहिए कि श्रद्धालु मंदिर में वापस आएं और उन्हें ये न लगे कि उनसे पैसे ऐंठे जा रहे हैं। यह भी जरूरी है कि मंदिर और उनके आसपास के इलाकों को बेहद साफ-सुथरा रखा जाए। उन्होंने पर्यटन विभाग, हिंदू धर्मार्थ विभाग और वन विभाग के अधिकारियों की एक समिति के गठन की भी घोषणा की है। यह समिति मंदिरों, विशेष रूप से वन क्षेत्रों में स्थित मंदिरों के विकास की देखरेख करेगी। समिति इन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित रखते हुए इसे अधिक से अधिक पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए सुलभ बनाएगी। इसके अतिरिक्त नायडू ने श्रीवाणी ट्रस्ट के अंतर्गत प्रत्येक मंदिर को 10 लाख रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें आवश्यकताओं की समीक्षा के बाद यदि आवश्यक हुई तो अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान भी किया गया है। अधिकारियों से उन मंदिरों के लिए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा गया है, जहां 10 लाख रुपये से अधिक की आवश्यकता है। सरकार इस बात पर भी यहां जोर देती दिख रही है कि वह अपने राज्य में पवित्र नदियों- कृष्णा और गोदावरी को पुनर्जीवित करने में सफल हो जाए, इसके लिए प्रभावी योजना बनाई गई है। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में जबरन धर्मांतरण (मतांतरण) करने का भी खुलकर विरोध किया है।

Social Media Corner
सच के हक में...

मेरी संवेदनाएं तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों के साथ हैं क्योंकि वे लगातार बारिश और विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे हैं। मैं उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि वे चल रहे राहत और बचाव प्रयासों का समर्थन करने के लिए सभी उपलब्ध संसाधन जुटाएं।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा के 500 सीटों की बहाली में 11 होनहार युवा अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं, यानी 2 प्रतिशत से भी ज्यादा... ये मरने वाले सभी युवा अपने गरीब परिवार का सहारा थे, अपने मां-बाप की आंखों का तारा थे। सामान्यत: भर्ती प्रक्रिया में पहले लिखित परीक्षा होती है, उसके पश्चात सफल अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए दौड़ का आयोजन किया जाता है। लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने माहौल बनाने के लिए जल्दीबाजी में बिना किसी तैयारी के, बेरोजगारों को तैयारी के लिये मात्र पन्द्रह दिनों का मौका देकर दौड़ का आयोजन कर 11 होनहार युवाओं की बलि ले ली। अपनी हवाबाजी दिखाने के लिए हेमंत सोरेन ने एक गैर न्यायिक अमानवीय काम किया है। 11 युवाओं के मौत के लिये ज़िम्मेवार लोगों को चिन्हित करने के लिये न्यायिक आयोग बनाकर जॉंच करायी जानी चाहिए।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

दो अरब लोगों को पौष्टिक आहार की दरकार

अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट इस मायने में और गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की 2.2 अरब आबादी आज भी पौष्टिक आहार से वंचित है। इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसानी से शिकार बन रहे हैं। मजे की बात यह है कि हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में एक ओर भोजन की बबार्दी हो रही है तो हमारी व्यवस्थाओं के चलते बड़ी मात्रा में या तो खाद्यान्न बेहतर रख-रखाव के अभाव में खराब हो जाता है या फिर पोस्ट हार्वेस्टिंग गतिविधियों को विस्तारित व काश्तकारों तक तकनीक की पहुंच नहीं होने के कारण खराब हो जाता है। यानी एक ओर हमारी आदतों के कारण तो दूसरी ओर सहेज कर रखने की सही व्यवस्था के अभाव में खाद्यान्न बेकार हो जाता है। इसका सीधे-सीधे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यह पहला अवसर नहीं है, जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्रम है और प्रतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है, पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था, वह नहीं हो रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं है। कमोवेश यह हालात दुनिया के अधिकतर देशों में है। अंतर इतना भर है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। यह तो साफ हो गया है कि कुपोषण के कारण या यों कहें कि पौष्टिक आहार की सहज उपलब्धता नहीं होने के कारण सीधे-सीधे स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार, यदि लोगों को पौष्टिक आहार मिलने लगे तो पांच में से एक जान तो आसानी से बचाई जा सकती है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 14.8 करोड़ बच्चे अविकसित हो रहे हैं, तो 4.8 करोड़ बच्चे कम वजनी हो रहे हैं। केवल पौष्टिक आहार नहीं मिलने के कारण ही 50 लाख लोग डायबिटिज के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन और मोटापा आम होता जा रहा है। कुपोषण के कारण गैर संचारी बीमारियों की गिरफ्त आते जा रहे हैं। हालांकि दुनिया के देशों की सरकारें लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए गंभीर हैं, पर इसके प्रमुख कारणों में से सहज उपलब्धता व पहुंच का अभाव, सामर्थ्य यानी कि गरीबी या पर्याप्त आय नहीं होना है। सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालात से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। दुनिया के देशों को मांग और आपूर्ति की व्यवस्था को भी देखना होगा। इसके साथ हमारी बदलती जीवन शैली जिसमें अपौष्टिक खाद्य व पेय पदार्थों का सेवन आम होता जा रहा है, उस पर भी रोक लगानी चाहिए और जब तक सरकारों के प्रयास सफल नहीं होते, तब तक हमें भी हमारी आदतों को सुधारने की पहल करनी ही होगी। इन सबके साथ दुनिया के देशों के सिविक सेंस को भी सकारात्मक बनाना होगा। कई देशों में होटलों, सामूहिक आयोजनों सहित विभिन्न आयोजनों में भोजन की बबार्दी रोकने के लिए सक्रियता दिखाई गई है, लेकिन यह ऊंट के मुंह में जीरा से अधिक नहीं है। ऐसे में हमें अन्न के एक-एक दाने को बचाने के बारे में सोचना होगा। जिस तरह पार्टियों में खाने की बबार्दी होने लगी है, यह अपने आपमें गंभीर है। बुफे के खाने में इसको आसानी से देखा जा सकता है। भले ही यह हालात हमारे देश में हो कि आयोजनों में किस तरह लोग बुफे स्टॉल पर टूट पड़ते हैं, खाने की प्लेट को एक ही बार में भर लेते हैं और फिर जूठन के रूप में डस्टबिन को समर्पित कर देते हैं। यह तस्वीर खाने की बबार्दी को दशार्ती है। कमोवेश यह हालात दुनिया के अधिकतर देशों में देखी जा सकती है। अब सोचिए, इस तरह बर्बाद गया खाना कितने लोगों के पेट भर सकता है।

दूसरे नाम से

सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामले को लेकर एक बार फिर मुहावरों का सहारा लिया। इसी साल एक अन्य पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ कार्यवाही खत्म की थी, जो कंपनी के उत्पादों से जुड़े अप्रमाणित या अप्रमाणयोग्य औषधीय दावे प्रकाशित नहीं करने के एक आदेश के उल्लंघन को लेकर थी। उस मामले के अंत में इन दावों को लेकर पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विभिन्न राज्यस्तरीय एजेंसियों को आखिरकार सक्रिय बनाया गया, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने उसे अपनी हरकतों के लिए माफी मांगने वाले मीडिया विज्ञापन प्रकाशित करने का आदेश दिया। कंपनी के प्रति राज्य निकायों की प्रतिक्रियाएं अब भी विकसित हो रही हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का अपना निर्णय इस यकीन को मूर्त रूप देता प्रतीत होता है कि इससे ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता और यह यकीन आयुष मंत्रालय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के गुस्से को एक खास कोण से दिखाता है। भारत के दवा निमार्ता और नियामक उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने (जिससे निर्माण लागत बढ़ती है) और उपभोक्ता कीमतें कम रखने (ताकि जरूरत के वक्त दवाएं मरीजों की पहुंच में हों) के बीच फंसे हुए हैं। दुर्भाग्य से मरीजों के हित में न तो नियामकों और न ही निमार्ताओं ने इस तनाव से पार पाया है। आयुष मंत्रालय की कार्रवाइयों ने इस परिदृश्य को और जटिल बना दिया है। ऐसा उसने व्यवसायों को तमाम तरह के उत्पादों को बतौर आयुर्वेदिक पंजीकृत करने (जैसा कि बेंगलुरु की एक कंपनी को आयुर्वेदिक प्रोपराइटरी मेडिसिन के रूप में दूध बेचने का लाइसेंस देने और बाद में रद्द किए जाने के मामले में दशार्या गया) की इजाजत देकर और मौजूदा गुणवत्ता नियमों से बचने की कोशिश की है, जो शायद व्यवसायों को गति देने के लिए है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The slow and wise up against the plastic vice

Imagine being a species so old as to be called a 'living fossil', which has outlived dinosaurs only to be imperiled in anthropocene because of plastic and beautified stone-pitched water bodies. The species under discussion here is the turtle, which is among the most endangered vertebrates. But, why should we worry about these toothless reptiles which we rarely encounter in our day-to-day lives? Who has the time to think about the turtles when we already have problems as huge as climate change and water crisis to solve? But, what if the turtles are a part of the solution to these problems? Yes, as rare as these magnificent chelonians are, the turtles can help us in saving our wonderful planet.To understand their role in resolving the water crisis, let us imagine a world without vultures. Smelly, dirty and sick with unknown diseases. This is what will happen to our aquatic ecosystems if turtles go extinct. That's because like vultures, freshwater turtles act as scavengers of water bodies and keep these clean and free of diseases by feeding on the dead and decaying organic matter. In addition to dead fish and other invertebrates, turtles also feed on algae and aquatic vegetation whose excessive growth in water bodies can choke these due to lack of oxygen.Recognising the importance of freshwater turtles as scavengers, they were employed under the Ganga Action Plan in the 1980s. About 40,000 turtles were released into the river to address the issue of decomposing human remains in its water.The ecological importance of turtles has been rightly acknowledged in Hindu mythology, where Lord Vishnu is believed to have been incarnated as 'Kurmha', the Turtle God. And, it is no surprise that the 'Land of Gods', Himachal Pradesh, home to about 17 freshwater turtle species, has pristine and clean aquatic ecosystems. Renuka Lake, one of the three Ramsar wetlands of the state and an important pilgrimage site of Hindus, exemplifies the reciprocal relationship between the turtles and their ecosystem. Despite receiving a significant organic load from the offerings of lakhs of pilgrims, particularly during the week of the annual fair, the lake's water remains substantially clean. This resilience of the lake ecosystem can be attributed to the rich diversity of turtles, which help to break down and recycle these nutrients and maintain the ecological balance. In turn, the turtles benefit from the healthy and protected ecosystem of the lake, thanks to the diligent protection and regular montoring efforts by the Forest Department.

As the world faces the challenges of global warming, the importance of turtles and their role in balancing the wetland ecosystems cannot be overstated. Healthy wetlands can help mitigate the effects of global warming as these are carbon sinks and aid in absorbing and storing carbon dioxide. Additionally, wetlands act as sponge by absorbing and holding excess water while acting as the source of water during water scarcity. This function of wetlands is going to be extremely important in protecting our ecosystems from natural disasters like floods and droughts. Such extreme climate events are becoming more and more frequent and intense as a consequence of global warming.Sadly, instead of rewarding the turtles for their services with clean wetlands, we are forcing them to survive in water bodies choked with plastic waste, sewage and washed-off fertilisers. Turtles ingest plastic by mistaking it for food and, are consequently, dying of blockage. It seems unlikely that the turtles can reproduce fast enough to compensate for such deaths, thanks to the 'beautified' stone-pitched water bodies where we have left no place for them to lay eggs. From fatal traffic to predation by feral animals, the breeding females face numerous perils while traversing these concretised banks and roads. The poor hatchlings have a snowball's chance in hell of reaching back alive after crossing these paved hardscapes.

Turtles are able to deceive natural predators like monitor lizards by laying eggs in one of the 10 holes they dig. Unfortunately, they are not able to protect their eggs and hatchlings from the increasing presence of feral dogs and cats.

Moving towards a better coalition culture in India

Though single-party regimes have at times flouted its spirit, the Indian Constitution is against the notion of autocracy. In practice, a coalition is better suited to its scheme

Coalition politics in India is close to its constitutional politics. The politics of the Constitution broadly carries out two functions. First, it limits majoritarian onslaught in executive and legislative actions. Second, it enables the government of the day to frame and implement better policies for the people through its institutions.Single-party regimes that enjoyed absolute majority often produced aggrandising executive actions. Jawaharlal Nehru invoked Article 356 to dismantle an elected communist government in Kerala and Indira Gandhi misused Article 352 to proclaim Emergency to stay in power. Legislative abuse was quite rampant. The first amendment to the Constitution, that sought to curtail the freedom of expression, was an illiberal gesture by parliament.

The Modi erais characterised by a series of enactments ranging from penalisation of triple talaq to the Citizenship Amendment Act, all pro-majoritarian. No wonder B R Ambedkar's warning in the Constituent Assembly on November 4, 1948 that "it is for the majority to realise its duty not to discriminate against minorities" was clearly discarded.But a slew of instances where Modi 3.0 is seen in a roll-back mode signifies a positive and healthy change in the executive and legislative domain. It sent the Wakf Bill for discussion in a joint parliamentary committee. Some coalition parties in the NDA publicly expressed their reservations about the Bill. The Centre also kept in abeyance the draft Broadcast Bill.It withdrew the notification for recruitment to certain posts by way of lateral entry without following the norms of communal reservation. The budget announcement on indexation was also changed. These developments are in sharp contrast with the decisions of earlier government, ranging from demonetisation to the announcement of lockdown during the pandemic.Article 75 of the Constitution, which talks about the Union cabinet, emphasises that "the council of ministers shall be collectively responsible to the House of the people". The emphasis is on the cabinet as a collective, not on the prime minister or any other minister. Again, the accountability of the cabinet is to the people at large. In State of Karnataka vs Union of India (1977), the Supreme Court held that the object of the provision is to make the whole body of persons holding ministerial office liable for each act or omission of the cabinet.In a coalition government, the cabinet is a pluralistic entity at the functional level. It reflects a rainbow of ideologies, political approaches, and policies. Thus, though the Constitution negates the very notion of autocratic government, in practice, a coalition at the Centre is better suited to its scheme.

Autocracies can happen at the state level too, as abundantly demonstrated by the present West Bengal government. The way in which the horrific murder of a medical trainee and the subsequent agitation were dealt with by the state speaks for itself. Article 164 envisages plurality in the executive decision-making process in states too, by incorporating the collective responsibility clause here as well. But an absolute majority for a single party has the potential to defeat this ambitious provision. Coalition governments at the states have been less aggressive, at the minimum.

In his famous work, Patterns of Democracy, political scientist Arend Lijphart has drawn a distinction between the majoritarian and consensus models of democracy. He indicates that while there is "concentration of executive power in single-party majority cabinets", there is "executive power sharing in broad multi-party coalitions". Also, he shows that in the former, there is dominance for the executive in its relationship with the legislature. He also explains about the unitary dimensions of the former and the federal possibilities of the latter.

The proportional representation prevailing in several western European democracies facilitated fruitful coalition governments. But in a first-past-the-post system like ours, coalition is often not a matter of choice. Yet, they yielded positive results. Though from the second half of the 1970s till 1999, we had fragile and unstable coalitions, situations changed for the better thereafter. The 1999 Vajpayee government with its 'group of ministers' deciding policy matters with a sense of inclusiveness was a method followed by the government under Manmohan Singh in a different way.

Sonia Gandhi's National Advisory Council, though was an 'extra-constitutional' device, enabled an accommodative practice in governance. Reports show the coalition governments during 1999-2009 created the fastest economic growth post-independence. Centre-state relations improved drastically. The government became closer to the poor and common man. UPA governments used legislative power to promulgate a series of progressive statutes like the Right to Information Act, Right to Education Act, Food Security Act, Law for Street Vendors' Protection, etc. The schemes for rural employment were excellent and well implemented. UPA's common minimum programme became a device for good governance.The latest decision taken by the Union cabinet to revive 50 percent of the last drawn pay as pension is a clear negation of the unpopular National Pension Scheme. That which could not be done by the majoritarian Modi 1.0 and 2.0 governments could be materialised by Modi 3.0 in coalition.Coalition governments of the past also ensured independence and autonomy to the judiciary and other fourth branch institutions like the Election Commission, Comptroller and Auditor General and Finance Commission. The Supreme Court was arguably 'stronger' when the central government did not enjoy a brute majority.When there are multiple stakeholders of power, conversation and consensus become the natural ingredients of governance. Unpopular and dictatorial postures are checked within the regime by following the norms of deliberative democracy.

The point is to take the coalition culture forward. A system to check tendencies for corrupt practices also should be evolved to create durable coalition models. Much was not heard in the 2024 election about any scheme akin to a CMP for a future government. Neither the NDA nor the INDIA bloc designed any project to revitalise the people's engagement with the coalition praxis. The former pretended to be overconfident about a possible devastating majority while the latter failed to integrate the thoughts on policy for the future of the nation.

A national crisis

Job creation key to stemming student suicides

INDIA is grappling with a harrowing surge in student suicides, with recent data indicating that these tragic deaths have now surpassed those of farmers. While comparing the loss of lives is inherently odious and difficult, the urgency to address this crisis is undeniable. The IC3 Institute's report titled 'Student Suicides: An Epidemic Sweeping India' highlights that 13,089 students took their lives in 2021, reflecting a disturbing 57 per cent increase over the previous decade. Factors such as relentless academic pressure, forced career choices, mental health struggles and financial burden are pushing young lives to the edge. The crisis is further underscored by the grim statistics from prestigious institutions like IITs, where 69 students ended their lives between 2019 and 2023, as also Kota, the educational hub in Rajasthan that has witnessed a rising graph of young students ending their lives.A significant contributor to this crisis is the acute

lack of job opportunities in the country, creating a suffocating do-or-die scenario for students. The intense competition for limited positions and the fear of unemployment are driving many to despair. The government's role in creating more jobs is not just essential—it is urgent. Without this, the pressure on students will only escalate, leading to more tragic outcomes.Families also bear a crucial responsibility in guiding their children toward careers that align with their interests rather than imposing choices that may prove unbearable. Schools must step up by implementing programmes that can identify and support vulnerable students, with educators acting as both academic guides and emotional mentors. Yet, the most critical intervention lies in job creation. In a nation where young lives are at a grave risk, systemic reform, mental health support and job creation must be prioritised to prevent further tragedies and ensure a brighter future for the youth.

Touchstones: Idiom of common heritage

Grandmothers and old family retainers were champion story-tellers, now often replaced by digital or interactive tools in many urban nuclear families

Languages and their dialogue within a social and political context are a fascinating area and one that engages me deeply both as a writer and translator. The encounter of different languages has spawned not just a new idiom (such as Hinglish), but is often weaponised by political parties to create communal discord. As Javed Akhtar says, Urdu is an Indian language but by declaring it the language of Pakistan, we have destroyed those registers of cordiality and warmth that bound our communities together for centuries, enriching our understanding of each other's lives and beliefs. Thankfully, organisations such as Rekhta and the revival of dastaangoi have renewed an interest in Urdu.This is why when I was recently invited to attend a seminar on translations, called Bhashavaad, jointly hosted by Ashoka University and the New India Foundation. I was delighted to meet and hear some of our country's finest writers and translators. From Kashmir to Kanyakumari, there has been an explosion of exchange of languages as different as Kashmiri, Kannada, Malayalam, Tamil and Telugu, Odiya, Bangla, Punjabi, Nagamese, Bhojpuri and countless others. What is more, there is a growing interest in new writing in languages that were neglected or dismissed as 'too regional', whatever that meant.It is to the credit of progressive universities, such as Ashoka in Sonepat, that a special centre for translation studies was established and nurtured by well-known writers and academics to supervise the quality and choice of texts.Their efforts have now begun to bear fruit. A series of impressive poetry translations by Amit Chauduri and Arvind Krishna Mehrotra were some early publications. Now, there is a long line of translations in the making and over the next few years, a wide range of subjects from fiction to biographies, short-story collections and plays are planned. Since Ashoka University has a high reputation among academic institutions abroad, we can look forward to a deeper penetration of our bhasha literature.

Up until a few years ago, translations were mainly limited to classics (Premchand, Ismat Chughtai, Ananthamurthy et al), but what I heard from the young translators and publishers warmed my heart. These are students who have a thorough grounding in language studies and many are writers or poets themselves. Naturally, they have brought a freshness to the range of translations that was missing so far.While on this subject, I have to add that most of our literature was based on an oral tradition, so performance, recitation, songs, prayers and reading aloud (the kathavachak and dastaangoi traditions, for instance) brought it to even those who could not read the Sanskrit or Persian texts. This is why there are so many versions of the Ramayana and no Indian is unaware of the story and legend of Rama. This rich oral tradition lost its voice when we made script and writing so important. I can say with confidence that even an unlettered Indian villager is a fund of knowledge that we have not been able to tap. Rhythm, music, facial expressions and hands transfer that knowledge, whereas reading in silence in your own room or library has destroyed the pleasure of a synaesthetic experience that is still alive in animated story-telling. Grandmothers and old family retainers

were champion story-tellers, now often replaced by digital or interactive tools in many urban nuclear families.In this age of mobiles, Google translator and AI, where the future of any literature lies is difficult to predict, but the pleasure of the spoken word far exceeds that which one gets from the written word. During my student days, I remember a series called Penguin Modern Poets that introduced us to Polish, Italian, French and Russian modern writers. Many are still with me and a source of perennial joy. So, I hope schools and universities continue to acquaint students with the classic works of Kabir, Tulsidas, Tagore and the great Sangam writers from the Dravidian tradition side by side with the exciting experimental works available to those who write in languages other than English.

Over lunch and coffee breaks, I met several eminent writers who are proficient in English, but still prefer to write in their native tongues. The reason is that the warmth and immediacy of the spoken word in its own world is attached to a long history of associations that are virtually untranslatable into English. However, they transfer seamlessly into another Indian language and that's a thought to keep in mind. The problem is that regional identities are so intermingled with sub-regional jingoism that even though many understand Hindi, their fear of being wiped out by its hegemonic presence keeps them isolated in small pockets. While one can perfectly understand their concerns, keeping their own language confined to their own state is not the way to share it widely.

What we need to do now is build respect and openness towards all Indian languages and think about translating from one Indian bhasha into another. Until this becomes a widely accepted movement, we will continue to live in linguistic silos of our own. Apart from other languages, stirring writing from Dalits, women, the marginalised and cloistered lives need to be found and celebrated. English has an assured place in India, it is time we promoted our own languages and those stories that speak to us in the idiom of our common cultural heritage.

Maruti Suzuki cuts prices of select trims of Alto K10, S-Presso

NEW DELHI. Maruti Suzuki India on Monday said it has reduced prices of select variants of entry-level models Alto K10 and S-Presso with immediate effect.

The price of S-Presso LXI Petrol has been reduced by Rs 2,000 and the price of Alto K10 VXI Petrol has been reduced by Rs 6,500, the auto major said in a regulatory filing.The Alto K10 range is priced from Rs 3.99 lakh and Rs 5.96 lakh while the S-Presso trims are tagged between Rs 4.26 lakh and Rs 6.11 lakh (ex-showroom Delhi).In August, sales of the company's mini segment cars, comprising Alto and S-Presso, declined to 10,648 units last month as against 12,209 units a year ago.

Why your temperament defines your wealth

New Delhi. Compound interest is the eighth wonder of the world. He who understands it, earns it. He who does not pays it, legendary scientist Albert Einstein said, and is often quoted in several articles on personal finance.

Very little importance is given to why and when Albert Einstein made that statement on compound interest. Honestly, nobody should care. His name is enough to add credibility to the context. However, this column is not about the concept of compound interest. It is about your temperament. At the end of it all, your ability to ride through multiple market cycles makes you a winner in creating wealth.

You need to make some effort to build that ability. It would help if you were born with a patient mind. However, the chances of you falling for the 'high risk, high returns' model would also be dim. Most of us in India prefer not to take risks. Considering the history of our nation, we are a patient lot. We allow a benefit of the doubt to our governments. Most of us do not take any law into our own hands and indulge in street demonstrations like those in neighbouring countries.

We need to show a similar level of patience to our investments. While it is empirically proved that equity assets generate an inflation-beating return over 10-15 years and do better than most other asset classes, we expect to get rich quickly—that lack of patience to allow equity investments to grow stalls wealth creation. Everything is going for India's growth story.

In the US, Berkshire Hathaway became the first non-technology company with a market value of over $ 1 trillion. That is a remarkable rally of support for Warren Buffett's way of investing. It is probably a textbook on patience that allowed him and his team to ride through market cycles successfully. As everyone looks to invest in stocks, Warren Buffett's company has accumulated a quarter of a trillion dollars war chest. That is probably more cash than even central banks in many countries. Berkshire is waiting for the next selloff in share prices to deploy that money.The run-up in the share price of Berkshire Hathaway shows that patience matters a lot in wealth creation. You need to seek professional advice to build that skill. Your temperament is also a function of your confidence in earning your income. You must hold on to your quality investments to ride through market cycles and create wealth. The future of your money depends on you much more than you think.

Passenger Vehicle sales decline by 2-3 per cent at 3.5 lakh units in August 2024

NEW DELHI. Domestic passenger vehicle (PV) wholesales fell for the second straight month in August with most car manufacturers slowing down dispatches to rationalise stocks at dealer showrooms amidst a sluggishness in demand.

It is estimated that around 350,000-355,000 PVs were dispatched to dealerships last month, a fall of about 2-3% over 361,123 vehicles sold in August last year. India's largest carmaker Maruti Suzuki (MSIL) reported an 8.4% slump in domestic sales last month to 143,075 units.Partho Banerjee, Senior Executive Director, Marketing & Sales said that their retail sales

are slightly better than wholesales and because of this MSIL's network stock, which at the beginning of August was 38 days, has now come down to 36 days.

"Our focus is that our channel partners are able to have a reasonably healthy stock to sell the vehicles. We are continuously trying to bring the stocks down, and now it is at 36 days," he added.He is also hopeful of healthy demand in the upcoming festive season which would kick off from Ganesh Chaturthi in Maharashtra and Onam in Kerala in the first half of September.

"Last year, Onam was on August 27-28-29, however his year, its on September 16-17-18. It is not a like-to-like comparison, but just to share that this year, in the state of Kerala, if we compare the whole month, we are seeing a growth of 7% in terms of bookings," said Banerjee. Hyundai Motor India's (HMIL) domestic sales fell by 8% to 49,525 units last month while Tata Motors reported a decline of 3% to sell 44,142 units in August.

Suzlon Energy shares up 109% from March low: What's best move for investors

Suzlon Energy shares up 109% from March low: What's best move for investors

New Delhi, Shares of Suzlon Energy have seen a rise of 109% since hitting a low in March with its market cap reaching Rs 1.03 lakh crore,

On March 20, the stock closed at Rs 36.32 but soared to a high of Rs 75.83 by the end of August. The increase surpasses the 97% gain Suzlon Energy achieved earlier in 2024.In the past year, Suzlon Energy shares have delivered a return of 193%, and over the past two years, the gain has been a remarkable 909%. However, the stock has recently shown some weakness, falling by 5.13% in the last two weeks.Suzlon Energy shares ended 1.49% lower at Rs 78.83 on Friday. It recorded a turnover of Rs 23.04 crore with 30.23 lakh shares traded on the Bombay Stock Exchange (BSE) in the previous session.

The stock has surged 249.28% from its 52-week low of Rs 21.71, which it reached on September 13, 2023. Suzlon Energy shares have a beta of 0.8, indicating lower volatility over the past year.

Om Mehra, Technical Analyst at SAMCO Securities, said that Suzlon Energy is currently trading at Rs 75.84, having risen by 98.53% in 2024 so far.

"The stock remains exceptionally strong, following a breakout above the critical resistance at Rs 50 levels. On the broader monthly chart, the bullish momentum remains intact, although the monthly RSI hovering around 88 signals an overbought condition. A minor correction is anticipated after the recent rally, which could be a healthy pullback in a strong uptrend, offering a favourable

opportunity to accumulate. With energy stocks being in focus, Suzlon is expected to follow the same bullish trajectory. The primary trend remains robust, with the stock trading above its 20 DMA. The outlook is positive, suggesting a continued pattern of rises and pauses. We expect the price to reach Rs 100, followed by Rs 115 by year-end, provided the crucial Rs 50 level holds," he said.On the other hand, Kushal Gandhi, Technical Analyst at StoxBox, points out that the stock is currently 36% above its average price. The RSI indicates a negative slope from the overbought zone, suggesting a slowdown in price momentum. Gandhi highlights that the stock has immediate support at its 20-day moving average, currently around Rs 76.20. A drop below this level could lead to further profit-taking.Currently, Suzlon Energy shares are trading above their 30-day, 50-day, 100-day, 150-day, and 200-day moving averages, but are below the 5-day, 10-day, and 20-day moving averages. The RSI stands at 72.8, indicating that the stock is close to the overbought zone but still has potential for further gains.

Suzlon Energy is known for its renewable energy solutions, including wind turbines and various solar energy services, such as land acquisition, infrastructure development, and lifecycle asset management.

Gala Precision Engineering IPO opens for bidding: Subscribe or skip

New Delhi. The initial public offering (IPO) of Gala Precision Engineering Limited opened for subscription, looking to raise Rs 167.93 through its public issue.Gala Precision Engineering Limited, established in February 2009, focusses on manufacturing precision components like disc and strip springs (DSS), coil and spiral springs (CSS), and specialised fastening solutions (SFS).The Gala Precision Engineering IPO is a book-built issue. It consists of a fresh issue of 26 lakh shares worth Rs 135.34 crore and an offer for sale of 6 lakh shares amounting to Rs 32.59 crore.The price band for the Gala Precision Engineering IPO is set between Rs 503 and Rs 529 per share.

The minimum lot size for an application is 28 shares. Retail investors need to invest a minimum of Rs 14,812. For Small and Medium-sized Institutional Investors (sNII), the minimum lot size is 14 lots (392 shares), requiring an investment of Rs 207,368. For Big Institutional Investors (bNII), the minimum lot size is 68 lots (1,904

shares), amounting to Rs 1,007,216.

PL Capital Markets Private Limited is the book-running lead manager for the IPO, and Link Intime India Private Ltd is the registrar for the issue.

Should you subscribe?

A report from Swastika Investmart said that the company has consistently demonstrated robust revenue growth.

"While profitability has experienced minor fluctuations, the overall financial performance remains positive. The IPO's valuation aligns with industry benchmarks. Given current market trends and the increasing demand for precision components, GPEL is poised for a successful listing and sustained growth," it added, giving it a 'Subscribe' rating."The company is focusing on strengthening its core capabilities in precision engineering for increased sustainability, along with that, they are moving up their operations up the value chain from niche markets to large addressable markets. The company also plans to leverage in-house design and development capabilities to grow its product offerings and capitalize on future trends. Investors looking to invest can invest in the IPO for the medium to long term," said an IPO report from Master Capital Services Limited.The IPO closes on September 4, 2024. Allotments are expected to be finalised on Thursday, September 5, 2024. The shares will be listed on both BSE and NSE, with the tentative listing date set for Monday, September 9, 2024.

Gala Precision Engineering IPO latest GMPThe Grey Market Premium (GMP) for Gala Precision Engineering's IPO is currently Rs 240, as of September 2, 2024, 10:29 AM.With the IPO priced in the range of Rs 529.00.

Key financial changes that can impact your wallet from September

MUMBAI: Several personal finance related changes are due from September on the banking and financial services fronts which, if not handled judiciously, can negatively surprise you by hurting your wallets. These changes vary from choosing your own debit/credit card network to lower rewards points on certain credit cards transactions to lower minimum due payments on credit cards that will only add to interest burden on your purchase and to paying Rs 50 for Aadhaar updates, among others. The month will also see many banks closing their special deposit schemes, so it is time to lock your money for higher returns.

Higher yielding FD

September is the last month to lock in for attractive interest rates for special fixed deposit (FD) schemes for most banks. High credit demand and lower deposit mobilisation have been worrying the lender as they lead to asset-liability mismatches. It can be noted that since last December, several banks introduced special FDs with attractive interest rates. But most of these schemes are ending this month.For instance, SBI's special FD scheme offers 7.10% for 400 days till September 30, and so is IDBI Bank's special scheme, offering 7.35% for 700 days. In June and July, large lenders like State Bank of India, HDFC Bank, Bank of Baroda and Union Bank of India launched special FD schemes offering 7.10 to 7.35%.

Choose your card network

Starting September 6, banks will have to offer their customers the flexibility to choose their card network while applying for or renewing a card. And the cheapest is Rupay cards developed by the National Payments Corporation of India (NPCI), and not the globally accepted and dominant Visa and Mastercard, whose transaction charges are more than three times that of Rupay cards. While these American card networks charge close to Rs 2 per transaction from the card issuing bank, NCPI charges about 40 paise. The issuer passes on the cost to the cardholder under the name of merchant discount rates (MDR)/merchant fees and interchange fees, among others.This means that if a bank issues a Mastercard, the customer can opt for a Visa card instead, or vice versa. Existing customers will also have the opportunity to make this choice when their current card is up for renewal.

Pay Rs 50 for Aadhaar updates

The Unique Identification Authority of India (UIDAI) has said the free Aadhaar card updates will end from September 14. However, the free service is only available on the myAadhaar portal now and updating through Aadhaar centres comes at a fee of Rs 50 even now. From September 15, even updating through the myAadhaar portal will be chargeable at Rs 50.

Government likely to increase budget allocation for agriculture sector: Report

New Delhi. The Union Cabinet is likely to increase the budget allocation for the agriculture sector when they meet on Monday.The meeting may also include discussions on merging various agricultural schemes into a more streamlined approach, reported Businesstoday.in.his potential increase is seen as part of the government's ongoing efforts to boost productivity and resilience in the agriculture sector.The Union Budget 2024-25, presented earlier this year, had already introduced several initiatives aimed at strengthening the agricultural sector.These include the development of Digital Public Infrastructure (DPI) for agriculture, a focus on achieving self-reliance ('atmanirbharta') in oil seeds, the establishment of large-scale vegetable production clusters, and financial support for a network of nucleus breeding centres for shrimp broodstocks.One of the key projects from the Budget was the Digital Public Infrastructure (DPI) initiative, which is now set to expand nationwide.This project aims to cover farmers and their lands over the next three years, building on the success of an earlier

pilot project.Union Finance Minister Nirmala Sitharaman, in her Budget speech, announced that a digital crop survey for Kharif crops would be conducted in 400 districts this year. The survey aims to integrate details of 6 crore farmers and their lands into digital registries, enhancing the accuracy and reach of agricultural data.In addition to this, the issuance of Jan Samarth-based Kisan Credit Cards is expected to be enabled in five states. These cards are designed to provide easier access to credit for farmers, which can be crucial for their financial stability and growth.Another focus of the Budget was on achieving self-reliance in oil seeds such as mustard, groundnut, sesame, soybean, and sunflower.This move is expected to reduce dependency on imports and support domestic production. The government plans to promote farmer-producer organisations, cooperatives, and start-ups to build robust vegetable supply chains, including facilities for collection, storage, and marketing.

Agriculture was highlighted as one of the nine priority areas in the Union Budget 2024-25, reflecting its importance in the country's economy.

The budget for FY24 allocated Rs 1.52 lakh crore for agriculture and allied sectors, underlining the government's commitment to the sector's growth and development.

Sensex, Nifty hit all-time high driven by a rally in IT and auto stocks

The S&P BSE Sensex added 155.32 points to 82,521.09, while the NSE Nifty50 gained 77.20 points to 25,313.10.

NEW DELHI. Benchmark stock market indices hit an all-time high on Monday driven by a strong rally in IT and auto stocks.the S&P BSE Sensex added 155.32 points to 82,521.09, while the NSE Nifty50 gained 77.20 points to 25,313.10 as of 9:35 AM.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that the market has entered a zone of steady but mild up-move caused by accumulation of quality largecaps."FIIs turning buyers last week mainly due to some large bulk deals also has improved sentiments in the market. If the market closes positive today that will be a record for the Indian stock market with the Nifty posting a record 13-day winning streak. Sentiment-wise this is positive," he added.Leading the gainers on Nifty50 was Hero MotoCorp with a strong increase of 2.50%. Bajaj Auto also performed well, rising 2.28%.HDFC Life showed impressive growth, climbing 1.77%. Tata Consumer Products and SBI Life rounded out the top gainers, advancing 1.66% and 1.48% respectively.On the downside, Tata Motors experienced the largest decline, dropping 1.44%. Hindalco followed with a fall of 1.13%. Mahindra & Mahindra (M&M) also faced losses, declining by 0.80%. Dr. Reddy's Laboratories and ONGC completed the list of top losers, dipping 0.83% and 0.62% respectively.

"Sectoral churns are happening faster now than earlier. IT has come back on hopes of increased tech spending in the US which the expected soft landing of the US economy is likely to facilitate. Pharma stocks are witnessing accumulation on improving business prospects. Profit booking is happening in segments like railways and defence triggered by valuation concern. FY 25 Q1 GDP print at 6.7% indicates mild sluggishness in the economy. This will warrant rate cuts by the RBI in the next monetary policy meeting. Even though banks are struggling for deposits, rate cuts will improve the prospects for banking stocks," said Vijayakumar.

In the broad market indices of Nifty, the Nifty Midcap100 saw a slight decline of

0.10%, while the Nifty Smallcap100 edged up by 0.04%. Meanwhile, the India VIX increased by 1.41%.

"This Monday morning, the stage is set for solid gains in the benchmark Nifty, bolstered by Wall Street's surge following the Fed's preferred inflation gauge, which signals potential rate cuts in September. Optimism on Dalal Street is further fueled by a 3.1% drop in WTI crude futures and strong FII buying of Rs 9,217 crore last week. Investors are now eyeing the August US jobs report, set to be released on September 6th, which could shape the Fed's next move. Meanwhile, Bajaj Housing Finance's IPO is set to open on September 9th, aiming to raise Rs 6,560 crore," said Prashanth Tapse, Senior Vice President of Research at Mehta Equities.The sectoral indices on Nifty showed mixed performance in early trade. Among the gainers, Nifty IT rose by 0.73%, followed by Nifty FMCG at 0.65%, Nifty Financial Services at 0.21%, and Nifty Private Bank at 0.25%. Other sectors that saw an increase include Nifty Oil & Gas up by 0.45%, and Nifty Midsmall Healthcare with a 0.29% rise.

On the downside, Nifty Metal declined by 0.55%, followed by Nifty Pharma which fell by 0.29%, Nifty Media with a 0.40% drop, and Nifty PSU Bank which lost 0.25%. Nifty Auto and Nifty Healthcare also ended in the red, losing 0.08% and 0.15% respectively, while Nifty Consumer Durables dipped by 0.41% and Nifty Realty was down by 0.19%.

Dolls soaked in children's urine used to capture killer wolves in UP's Bahraich

The forest department is using brightly coloured "teddy dolls" as a false bait. These dolls have been strategically placed near the riverbanks, close to the wolves' resting dens, and are being soaked in children's urine to simulate the natural human scent.

New Delhi: In a bid to catch wolves, the forest department here has initiated an innovative effort of using colourful teddy dolls soaked in children's urine as a bait to capture them, a senior forest official said.Over the past few months, the Bahraich region has been plagued by a series of attacks by man-eating wolves targeting children and villagers.The forest department has now initiated an innovative effort by using brightly coloured "teddy dolls" as a false bait to capture these predators.

These dolls have been strategically placed near the riverbanks, close to the wolves' resting places and dens, and are being soaked in children's urine to simulate the natural human scent."The wolves are constantly changing their locations. Typically, they hunt at night and return to their dens by morning. Our strategy is to mislead them and lure them away from residential areas towards traps or cages placed near their dens," Divisional Forest Officer Ajit Pratap Singh told PTI."We are tracking them using thermal drones and then attempting to drive them towards deserted areas near the traps by setting off firecrackers and making noise. Since these animals have primarily been targeting children, we have introduced large teddy dolls dressed in colourful clothes, soaked in children's urine, to create a false sense of human presence near the traps. The natural human scent may attract the wolves closer to the traps," the officer added.

Senior IFS officer Ramesh Kumar Pandey, who has extensive experience working in the Terai forests and is currently serving as the Inspector General of Forests in the Ministry of Environment, said that wolves, jackals, foxes, coyotes and both domestic and wild dogs belong to the canid species.

He explained that historically, the British had attempted to eliminate wolves from this area, even offering rewards for killing them. However, despite these efforts, the wolves managed to survive and continue to inhabit the riverbank areas.Pandey further explained that various types of bait are used to capture animals, including live bait, dead bait and false or masked bait.

The teddy dolls being used by the forest department can be considered a form of false bait, similar to how scarecrows are used in fields to protect crops from birds, he said.Though there is no proven record of such methods being successful, Pandey believes that innovative efforts should be encouraged, as they offer a potential solution to the human-wildlife conflict.

In recent months, a pack of wolves in the Mahsi Tehsil of Bahraich has become increasingly aggressive, with attacks intensifying since July.According to official sources, the pack of six wolves has allegedly killed six children and one woman since July 17, while injuring numerous villagers.

Four of the six wolves have been captured, but two remain at large, continuing to pose a threat in the area.The forest department is actively searching for these wolves using both thermal and regular drones.

Top Court Forms Committee To Settle Grievances Of Protesting Farmers

New Delhi: The Supreme Court on Monday constituted a committee headed by former Punjab and Haryana High Court judge Justice Nawab Singh to amicably resolve the grievances of protesting farmers at the Shambhu border. bench of Justices Surya Kant and Ujjal Bhuyan directed the committee to convene its first meeting within a week.The top court said the farmers' issues should not be politicised and be considered by the committee in a phased manner.

The Supreme Court said farmers will be at liberty to shift their peaceful agitations to alternative sites.

The court was hearing the Haryana government's plea challenging the high court's order asking it to remove within a week the barricades erected at the Shambhu border near Ambala where protesting farmers have been camping since February 13.The Haryana government had set up barricades on the Ambala-New Delhi national highway in February after the 'Samyukta Kisan Morcha' (Non-Political) and 'Kisan Mazdoor Morcha' announced that farmers would march to Delhi in support of their demands, including legal guarantee of minimum support price (MSP) for their produce.

Explained: Weaponised Drones Arrive In Crisis-Hit Manipur In Major Escalation

Imphal/Guwahati/New Delhi: For the first time, crisis-hit Manipur saw the use of drones to drop bombs, signalling a major escalation in the state hit by ethnic violence between the Meitei community and the Kuki tribes. Until yesterday, drones were used only for reconnaissance.The Manipur Police on Sunday said suspected Kuki insurgents fired RPGs (rocket-propelled grenades) using high-tech drones. They said the use of drones to drop bombs on security forces and civilians marked a "significant escalation".The matter becomes even more serious given the fact that the clashes between the valley-dominant Meitei community and the nearly two dozen tribes known as Kukis - a term given by the British in colonial times - who are dominant in some hill areas of Manipur, continue to break out intermittently as was seen on Sunday.

Top intelligence sources have confirmed the use of the weaponised drones and long-range sniper rifles in the attack on Koutruk village.A 31-year-old woman from the Meitei community was killed in firing by suspected Kuki insurgents yesterday, the police said. Her 12-year-old daughter was among 10 injured, including two policemen and a local TV reporter. Most of the injured people had shrapnel wounds from explosives dropped by the drones, sources said.

Of RPGs, Bombs And Drones

The police's claim that drones were used to fire RPGs need to be checked with evidence, sources told NDTV.The drones may have dropped explosives, but firing rocket-propelled grenades would need a much larger machine than the ones spotted on Sunday over Koutruk, sources said.A drone can drop bombs with little modification - all one needs is a kind of hook to attach the bomb, such as a mortar round, to the drone along with an interlocking mechanism that can be unlocked using remote control, a retired officer told NDTV, requesting anonymity.A drone that can fire rockets, however, would be a full military grade one, the officer said, adding it is unlikely the drones seen on Sunday fired any RPGs. "They must have dropped bombs only, not fired rockets," the officer said.

He said if drones are dropping mortar rounds, they would need to fly very high and the rounds need to hit hard, solid ground for the fuse to ignite. The rounds may not explode if it lands on soft ground, or if the release altitude is low, he added.Dropping grenades from a drone - done commonly in Ukraine, Russia and elsewhere - is not a high-tech solution, another defence expert told NDTV. Firing rockets from a drone, however, is far more complicated and needs a weapon-aiming sight installed on the drone operator's monitor, the expert said.

"Police Are Mothers Too": Bengal Cops' Request Amid Rape-Murder Protests

New Delhi: Drawing fire over the rape and murder of a 31-year-old doctor in Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital, West Bengal police have put out a social media post, appealing to people to not use "insensitive" slogans targeting them and their daughters."Police are mothers too. West Bengal Police (like most police forces all over the world) comprises brave women and men. We are mothers too (not just fathers whose girls are growing up)," the post said. "Understanding this can help avoid stereotyping and being insensitive while writing slogans to attack us and our daughters. Our force is working 24x7 to maintain peace. Be kind. Be strong," the post added.The Bengal police post comes amid massive

protests across the state, demanding action in the Kolkata doctor's rape and murder case.Kolkata Police has come under strong criticism from the Opposition as well as citizens for its handling of the sensitive case. Slogans targeting cops and reminding them that they have daughters at home too have been doing the rounds on social media and finding a place on placards carried by protesters during street marches.

Bengal Police have been using the social media to show the human side of cops to counter the wave of criticism.Following a massive clash between protesters and police on a protest march to state secretariat Nabanna last week, Bengal Police shared a photograph of a woman cop on duty feeding a pup on the sidelines of the huge security exercise.In the wake of the protest, Bengal police had welcomed good wishes for a cop who suffered an eye injury during the Nabanna march violence. The police had, however, pointed out that it was saddened by some observations that said the injury was a "professional hazard".

Delhi man stabs wife to death, leaves body in car; arrested while trying to flee

New Delhi: A 21-year-old man stabbed his wife to death and left her dead body in his car in west Delhi's Rajouri Garden area, officials said on Monday. The accused, identified as Gautam, has been arrested while he was trying to run by a police officer patrolling in the area, they said.

According to the police, the matter came to the fore when Ajay, a head constable posted at the Khayala Police Station, apprehended Gautam moving around without shirt in suspicious circumstances at 1.20 am.

On being questioned, Gautam disclosed that he had killed his 20-year-old wife Manya and left her dead body in the car.On further questioning and

verification, Gautam, a resident of Raghubir Nagar, told the police that he had married Manya in March without the consent of their families, an officer said.

Even after marriage, they were living with their respective families only and used to meet occasionally, the officer said.On Sunday night, Gautam came to meet Manya in a car somewhere in Titarpur in the Rajouri Garden area.

"Around 11 pm, Manya insisted that they should start living together and an argument between them took place in the car itself," another police officer said.Gautam inflicted multiple stab injuries on Manya.

After realising that she was dead, he then parked the car near Shivaji College red light and was trying to escape when he was apprehended by Head Constable Ajay, the officer said.A case of murder has been registered at the Rajouri Garden Police Station and verification of facts, as told by the accused, is being done, the officer added.

26 Rescue Teams Deployed In Andhra Pradesh, Telangana Amid Flooding

New Delhi: Twenty-six National Disaster Response Force (NDRF) teams are being deployed for flood relief and rescue operations in Telangana and Andhra Pradesh, officials said Monday.While 12 teams are already deployed in the two neighbouring states, 14 more are being dispatched, they said.Out of the 14 teams, eight are being airlifted from various locations across the country, the officials said.

The NDRF teams are equipped with inflatables boats, pole and tree cutters and basic medical aid tools, they said.

Torrential rains battered the two states for the second consecutive day, resulting in at least 10 more fatalities, flooding and waterlogging in several areas, and disruptions to road and rail

traffic on Sunday.As many as 99 trains were cancelled, four trains were partially cancelled and 54 were diverted due to heavy rains and waterlogging over tracks at multiple locations on the South Central Railway network, an SCR official said.Rivers in both states were in spate and thousands of people were evacuated by national and state disaster response forces from flooded areas to relief camps.

Prime Minister Narendra Modi and Union Home Minister Amit Shah spoke to Andhra Pradesh Chief Minister N Chandrababu Naidu and Telangana CM A Revanth Reddy and assured them of all possible help from the central government to deal with rains and floods.

AAP's Amanatullah Khan arrested by ED after 6 hours of questioning

AAP MLA Amanatullah Khan news: Enforcement Directorate officials arrived at AAP MLA Amanatullah Khan's house early on Monday morning and questioned him for six hours before arresting him in a money laundering case.

New Delhi: Aam Aadmi Party (AAP) MLA Amanatullah Khan was arrested by the Enforcement Directorate on Monday after six hours of questioning in connection with a money laundering probe linked to the Delhi Waqf Board case.Following his arrest, Khan was escorted out of his house by police personnel and ED sleuths. As he was packed into the back of a waiting car, he said, "I am innocent."

ED officials raided Khan's home in Okhla, the constituency he represents in the Delhi Assembly, early this morning. The AAP leader, who is facing charges related to illegal recruitment and financial misconduct during his tenure as the chairman of the Delhi Waqf Board, had taken to X and said, "ED people have just arrived at my house to arrest me."As the ED team conducted their search, a large contingent of Delhi Police and paramilitary forces was stationed outside Khan's home. Visuals from the scene showed officers reviewing documents and materials, with heavy security on the roads leading to his residence.

In response to the raid, Khan posted a video on social media, accusing the government of targeting him and other AAP leaders."Just this morning, on the orders of the dictator, his puppet ED has reached my house. The dictator is leaving no stone unturned to harass me and AAP leaders. Is it a crime to serve the people honestly? How long will this dictatorship last?" Khan said.

AAP leaders quickly rallied behind Amanatullah Khan, condemning the ED's actions and claiming that the leader would be arrested. AAP MP Sanjay Singh took to X and alleged that Khan was being targeted due to the BJP's political vendetta."Look at the cruelty of ED @KhanAmanatullah first he joined the ED investigation, then asked for time for

further time, his mother in law has cancer, she has undergone an operation, they reached the house early in the morning to raid. There is no evidence against @KhanAmanatullah but both Modi's dictatorship and ED's hooliganism continue," said Singh.

Former Delhi Deputy Chief Minister Manish Sisodia, who was recently released on bail in the liquor policy case, tweeted, "This is the only work left for ED. Suppress every voice raised against BJP. Break it. Arrest and put in jail those who do not break or get suppressed."

WHAT IS THE CASE AGAINST AMANATULLAH KHAN?

The ED's case against Khan is based on allegations that he illegally recruited staff and unfairly leased Waqf Board properties between 2018 and 2022, resulting in financial gains through illegitimate means.

The probe agency has previously questioned Khan for over 12 hours in connection with the case and has claimed that he acquired "huge proceeds of crime" in cash through these illegal activities. It alleges that Khan invested these proceeds in purchasing immovable assets in the name of his associates.Earlier this year, the Delhi High Court refused to grant Khan anticipatory bail in March, citing his repeated evasion of summons from investigating agencies. The Supreme Court had also denied him protection from arrest.

News box

11 dead, 40 injured after truck crashes into bar in Dominican Republic

San Juan, Puerto Rico. A truck ploughed into a bar in the Dominican Republic early on Sunday (local time), killing at least 11 people and injuring more than 40, authorities said.The crash happened in the southern community of Azua, located west of the capital, Santo Domingo, Juan Salas, the director of civil defence, told The Associated Press.

One of the victims was a police sergeant, said police spokesman Diego Pesqueira.It wasn't immediately clear what caused the crash, although authorities were reviewing cameras in the area, Salas said.Pesqueira said the driver of the truck fled the scene and was not found. He said police detained a passenger in the truck, which was transporting avocados.

Most of the injured were taken to a nearby hospital, with four of them in critical condition, said Shaira Castillo, spokeswoman for the National Health Service. The injured were women between the ages of 17 and 45 and men from 18 to 55.

Iran probe finds Raisi helicopter crash caused by weather

TEHRAN. Iran's final investigation into the May helicopter crash that killed President Ebrahim Raisi has found it was caused by bad weather, the body investigating the case said on Sunday.The helicopter carrying 63-year-old Raisi and his entourage came down on a fog-shrouded mountainside in northern Iran, killing the president and seven others, and triggering snap elections.The main cause of the helicopter crash was the "complex climatic and atmospheric conditions of the region in the spring", the special board investigating the dimensions and causes of the helicopter accident said, according to state broadcaster IRIB.

The report added that "the sudden emergence of a thick mass of dense and rising fog" caused the helicopter's collision into the mountain.

Iran's army in May similarly said it had found no evidence of criminal activity in the crash that also killed Raisi's foreign minister, Hossein Amir-Abdollahian.n August, Fars news agency cited the main causes of the May 19 crash as bad weather conditions and the helicopter's inability to ascend with two extra passengers against security protocols.

But the Iranian armed forces were quick to reject the finding saying, "what is mentioned on Fars news about the presence of two people in the helicopter against the security protocols... is completely false".

California lawmakers pass landmark bills to atone for racism, but hold off on fund to take action

SACRAMENTO. California lawmakers this week passed some of the nation's most ambitious legislation aimed at atoning for a legacy of racist policies that drove disparities for Black people, from housing to education to health.

None of the bills would provide widespread direct payments to African Americans. The state Legislature instead approved proposals allowing for the return of land or compensation to families whose property was unjustly seized by the government, and issuing a formal apology for laws and practices that have harmed Black people.

But lawmakers left out two bills that would have created a fund and an agency to carry out the measures, considered key components of the efforts to take action. California Legislative Black Caucus Chair Assemblymember Lori Wilson said Saturday that the Black Caucus pulled the bills, adding the proposals need more work."We knew from the very beginning that it was an uphill battle. ... And we also knew from the very beginning that it would be a multiyear effort," Wilson told reporters.Sen. Steven Bradford, who authored the measures, said the bills didn't move forward out of fear Gov. Gavin Newsom would veto them"We're at the finish line, and we, as the Black Caucus, owe it to the descendants of chattel slavery, to Black Californians and Black Americans, to move this legislation forward," Bradford said, urging his colleague to reconsider Saturday afternoon.The Democratic governor hasn't weighed in on most of the bills, but he signed a $297.9 billion budget in June that included up to $12 million for reparations legislation.

Russia claims to destroy 158 Ukrainian drones, including 2 over Moscow

46 of the drones were over the Kursk region, where Ukraine has sent its forces in recent weeks in the largest incursion on Russian soil since World War II. A further 34 were shot over the Bryansk region, 28 over the Voronezh region.

World Russian air defences intercepted and destroyed 158 Ukrainian drones overnight, including two over Moscow and nine over the surrounding region, the Defence Ministry said Sunday.Forty-six of the drones were over the Kursk region, where Ukraine has sent its forces in recent weeks in the largest incursion on Russian soil since World War II. A further 34 were shot over the Bryansk region, 28 over the Voronezh region, and 14 over the Belgorod region — all of which border Ukraine.Drones were also shot down deeper into Russia, including one each in the Tver region, northwest of Moscow, and the Ivanovo region, northeast of the Russian capital. Russia's Defence Ministry said drones were intercepted over 15 regions, while one other governor said a drone was shot down over his region, too.Moscow Mayor Sergei Sobyanin said that falling debris from one of the two drones shot down over the city caused a fire at an oil refinery.Ukrainian drone strikes have brought the fight far from the front line into the heart of Russia. Since the beginning of the year, Ukraine has stepped up aerial assaults on Russian soil, targeting refineries and oil terminals to slow down the Kremlin's assault.Also in Russia, regional Governor Vyacheslav Gladkov said 11 people were wounded in Ukrainian aerial missile attacks in the Russian border region of Belgorod on Sunday. These

included eight in the regional capital, also called Belgorod.Meanwhile, Russia's Defence Ministry said Sunday it had taken control of the towns of Pivnichne and Vyimka, in Ukraine's Donetsk region. The Associated Press could not independently verify the claim.Russian forces have been driving deeper into the partly occupied eastern region, the total capture of which is one of the Kremlin's primary ambitions. Russia's army is closing in on Pokrovsk, a critical logistics hb for the Ukrainian defence in the area.At least three people were killed and nine wounded on Sunday in Russian shelling in the town of Kurakhove, some 20 miles (33 kilometres) south of Pokrovsk, Donetsk regional Governor Vadym Filashkin said.Also on Sunday, 44 people were wounded when Russia attacked the Kharkiv regional capital, also called Kharkiv, Mayor Ihor Terekhov said. The city was struck by 10 missiles, with a shopping centre, a sports facility and residential buildings amongst those damaged.Elsewhere in Ukraine overnight, eight drones were shot down out of 11 launched by Russia, according to the Ukrainian air force.One person was killed and four wounded in shelling overnight in the Sumy region, local officials said, while Kharkiv Governor Oleh Syniehubov said five other people had been wounded in his region.

Beluga whale, suspected to be 'Russian spy', found dead in Norway

World A Beluga whale whose strange harness sparked suspicions it was trained by Russia for spying purposes has been found dead in Norway, according to an NGO which tracks his movements.Nicknamed "Hvaldimir" in a pun on the Norwegian word for whale, hval, and its purported ties to Moscow, the beluga first appeared off the coast of Norway's far-northern Finnmark region in 2019.At the time, Norwegian marine biologists removed an attached man-made harness with a mount suited for an action camera and the words "Equipment St. Petersburg" printed on the plastic clasps.Norwegian officials said Hvaldimir may have escaped an enclosure and may have been trained by the Russian navy as he appeared to be accustomed to humans.Moscow has never issued any official reaction to speculation that he could be a "Russian spy".On Saturday, the beluga's lifeless body was discovered off the southwest coast at Risavika by Marine Mind, an organisation that has tracked his movements for years"I found Hvaldi dead when I was scouting for him yesterday like usual," Marine Mind's founder Sebastian Strand told AFP."We had confirmation of him being alive little more than 24 hours before finding him floating motionlessly," he added.Fredrik Skarbovik, maritime coordinator at the port of Stavanger, confirmed the beluga's death to the VG tabloid newspaper. Strand said the cause of the whale's demise was unknown, and no visible injuries were found during an initial inspection of Hvaldimir's body."We've managed to retrieve his remains and put him in a cooled area, in preparation for a necropsy by the veterinary institute that can help determine what really happened to him," Strand added.With an estimated age of around 14 or 15, Hvaldimir was relatively young for a Beluga whale, which can live to between 40 and 60 years of age. Beluga whales can reach a size of six metres (20 feet) and generally tend to inhabit the icy waters around Greenland, northern Norway and Russia.Those include the Barents Sea, a geopolitically important area where Western and Russian submarine movements are monitored. It is also the gateway to the Northern Route that shortens maritime journeys between the Atlantic and Pacific oceans.

Steelworker rebukes Justin Trudeau on camera: 'Don't believe you for a second'

World A carefully choreographed photo-op fell to pieces when Canadian Prime Minister Justin Trudeau was confronted by a disgruntled steelworker, who challenged him over high taxes and the rising cost of living.The tense exchange, which was caught on camera, took place at a steel firm in Sault Ste. Marie, Ontario, on Friday. The unidentified worker refused Trudeau's offer of doughnuts and instead complained about high taxes, medical bills, and what he perceived as handouts to "lazy" individuals.Trudeau attempted to defend his policies, stating, "The 25 per cent tariffs we just brought in is going to help you out ... that's going to keep your job."However, the worker countered, "What about the 40 percent taxes I am paying and I don't have a doctor?"In response, Trudeau pointed to a multimillion-dollar investment by the Canadian government, which he claimed would secure the worker's employment "for many years to come.""I'm going to invest in you and your job," Trudeau said.But the worker remained unconvinced. "I don't believe you, not for a second," he said.The worker described his struggles to make ends meet and support his family despite having a full-time job. When Trudeau mentioned dental care, the worker replied, "Yeah, I pay for it myself. We are like three years behind."Trudeau responded by highlighting the recent investment that allowed half a million people to access dental care, but the worker retorted, "Yeah, probably like my neighbour who doesn't go to work because she's lazy.Taking a jab at Trudeau's dipping approval ratings, the worker predicted that the Liberal Party leader would be voted out, saying, "I think you are only here for another year, we won't see you around in another year."Trudeau calmly replied, "That's what elections are for. I look forward to everyone exercising the right to vote."The worker walked off after refusing to shake Trudeau's hand. A video of the exchange has gone viral, with many Canadians praising the worker for speaking up to the Prime Minister and others commending Trudeau for maintaining his composure.

Over 10,000 US hotel workers go on strike, demand improved pay

World As many as 10,000 hotel workers were on strike across the United States on Sunday, at the height of a long holiday weekend in which millions of Americans were expected to travel.Strikes were launched at 25 hotels in eight cities, including Boston, San Francisco and Honolulu, as workers demand improved pay and a return to pre-Coronavirus staffing levels. Hotels from the Hilton, Hyatt and Sheraton chains were affected, with 5,000 workers walking out in the Hawaiian capital Honolulu alone, affecting 10,557 rooms there, according to the UNITE HERE union which called the strikes.The union said in a statement "that many hotels took advantage of the Covid-19 pandemic to cut staffing and guest services that were never restored, causing workers to lose jobs and

income."Strikers were manning picket lines at several hotels in Boston, an AFP correspondent saw, while a rally was planned for Monday.Now the hotel industry is making record profits while workers and guests are left behind. Too many hotels still haven't restored standard services that guests deserve, like automatic daily housekeeping and room service," added the union's international president, Gwen Mills."Workers aren't making enough to support their families."Hyatt said in a staeent it was "disappointed that UNITE HERE has chosen to strike while Hyatt remains willing to negotiate.It said it had "contingency plans in place to minimise the impact on hotel operations."According to booking data from the motoring group AAA, overall domestic travel over the Labour Day holiday weekend is up 9 percent compared to last year.As many as 17 million passengers were planning to fly through Wednesday, the US Transportation Security Administration said in a statement.

Polio vaccination drive begins in war-struck Gaza after first case in 25 years

The World Health Organisation has said Israel agreed to limited pauses in the fighting to facilitate the campaign. There were initial reports of Israeli strikes in central Gaza early Sunday, but it was not immediately known if anyone was killed or wounded.

World Palestinian health authorities and United Nations agencies on Sunday began a large-scale campaign of vaccinations against polio in the Gaza Strip, hoping to prevent an outbreak in the territory that has been ravaged by the Israel-Hamas war.

Authorities plan to vaccinate children in central Gaza until Wednesday before moving on to the more devastated northern and southern parts of the strip. The campaign began with a small number of vaccinations on Saturday and aims to reach about 6,40,000 children.The World Health Organisation has said Israel agreed to limited pauses in the fighting to facilitate the campaign. There were initial reports of Israeli strikes in central Gaza early Sunday, but it was not immediately known if anyone was killed or wounded. The pause ended Sunday afternoon, according to a schedule released by Israel.Israel has said the vaccination program will continue through Sept. 9 and last eight hours a day.

Gaza recently reported its first polio case in 25 years — a 10-month-old boy, now paralysed in a leg. The World Health Organisation says the presence of a paralysis case indicates there could be hundreds more who have been infected but aren't showing symptoms.

Most people who have polio do not experience symptoms, and those who do usually recover in a week or so. But there is no cure, and when polio causes paralysis, it is usually

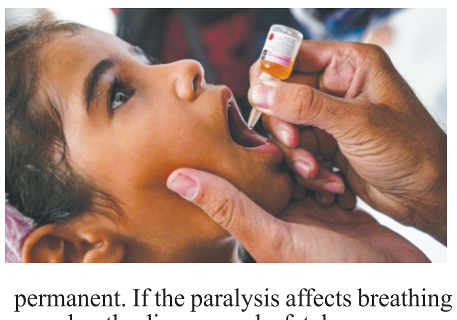

permanent. If the paralysis affects breathing muscles, the disease can be fatal.

The vaccination campaign faces challenges, from ongoing fighting to devastated roads and hospitals shut down by the war. Around 90% of Gaza's population of 2.3 million people have been displaced within the besieged territory, with hundreds of thousands crammed into squalid tent camps.

Health officials have expressed alarm about disease outbreaks as uncollected garbage has piled up and the bombing of critical infrastructure has sent putrid water flowing through the streets. Polio is spread through fecal matter. Widespread hunger has left people even more vulnerable to illness.

"We escaped death with our children, and fled from place to place for the sake of our children, and now we have these diseases," said Wafaa Obaid, who brought her three children to the Al-Aqsa Martyrs Hospital in Deir al-Balah to get the vaccinations.

Ammar Ammar, a spokesperson for the U.N. children's agency, said it hopes both parties adhere to a temporary truce in designated areas to enable families to reach health facilities."This is a first step," he told The Associated Press." But there is no alternative to a cease-fire because it's not only polio that threatens children in Gaza, but also other factors, including malnutrition and the inhuman conditions they are living in."The vaccinations will be administered at roughly 160 sites across the territory, including medical centres and schools.

Storm floods northern Philippine regions, including capital, disrupting schools, work and travel

MANILA: A slow-moving storm unleashed pounding rains that flooded many northern Philippine areas overnight into Monday, prompting authorities to suspend classes and government work in the capital region and warn thousands of residents to prepare to evacuate from flood-prone villages along a key river.Tropical Storm Yagi was blowing over the coastal waters of Vinzons town in Camarines Norte province, southeast of Manila, on Monday with sustained winds of up to 75 kilometers (47 miles) per hour and gusts of up to 90 kph (56 mph), according to the weather bureau.The storm, locally called Enteng, was moving northwestward at 10 kph (6 mph) near the eastern coast of the main northern region of Luzon, where the weather bureau warned of possible flash floods and landslides in mountainous provinces.A resident died after being electrocuted in Naga city in eastern Camarines Sur province, where floodwaters swamped several communities, police said. Authorities were verifying if the death was weather-related.Storm warnings were raised in a large swath of Luzon, the country's most populous region, including in metropolitan Manila, where schools at all levels and most government work were suspended due to the stormy weather.Along the crowded banks of Marikina River in the eastern fringes of the capital, a siren was sounded in the morning to warn thousands of residents to brace for evacuation in case the river water continues to rise and overflows due to heavy rains.

In Northern Samar province, coast guard personnel used a rope to evacuate 40 villagers on Sunday in two villages that were engulfed in waist-high floods, the coast guard said.Sea travel was temporarily halted

in several ports affected by the storm, stranding about 2,400 ferry passengers and cargo workers, and nearly two dozen domestic flights were suspended due to the stormy weather.Downpours have also caused water to rise to near-spilling level in Ipo dam in Bulacan province, north of Manila, prompting authorities to schedule a release of a minimal amount of water later Monday that they say would not endanger villages downstream.About 20 typhoons and storms batter the Philippines each year. The archipelago lies in the "Pacific Ring of Fire," a region along most of the Pacific Ocean rim where many volcanic eruptions and earthquakes occur, making the Southeast Asian nation one of the world's most disaster-prone.

In 2013, Typhoon Haiyan, one of the strongest recorded tropical cyclones in the world, left more than 7,300 people dead or missing, flattened entire villages, swept ships inland and displaced more than 5 million people in the central Philippines.

NEWS BOX

Speed Thrills: Naga Chaitanya calls for more night street races after Chennai success

New Delhi. Tollywood superstar Akkineni Naga Chaitanya flaunted his love for motorsport when he graced the Indian Racing Festival (IRF) night street racing competition in Chennai on Sunday, September 1. The owner of one of the eight teams in the league, Naga Chaitanya, called for more night street races in the country, saying it brings the fans closer to motorsport.

The superstar actor, son of legendary Akkineni Nagarjuna, spoke to India Today on Sunday and shared his excitement about being part of the sensational racing show in Chennai.I am so excited. I have been a motorsport fan from a very early age. I am very happy to see a street circuit in Chennai. This is amazing. Very excited," Naga Chaitanya, owner of the Hyderabad Blackbirds team, said."I think it takes the sport closer to the people. I think when it's on the streets and in the heart of the city, the energy just translates to the people. They are so close to the race track, listening to the car. It just takes racing so much closer to the people."Motor racing, as a sport, is there in people's minds. People watch F1.

The more it goes to different cities, the more it's going to bring the community together and make the sport bigger. Year by year, we have seen the sport progress. Just a couple of years ago, we saw Hyderabad. Now it's in Chennai. I know the organisation is planning for other cities too," he added.Eight teams took part in the event, each with a diverse lineup of drivers -- the Bangalore Speedsters, Chennai Turbo Riders, Speed Demons Delhi, Goa Aces, Hyderabad Blackbirds, and Rahr Bengal Tigers.Stunning drone visuals of normal traffic movement and the race cars grooming around the circuit side-by-side went viral on social media over the weekend.

CHAY, A CALM OWNER

Naga Chaitanya made sure his team did not feel the pressure ahead of Sunday's race.

I don't want to put too much pressure on them. It's the first time they are driving on this track. So getting to know them, I want to wish the best to them," he said.The groundbreaking two-day event was held at the Chennai Formula Racing Circuit, a specially designed 3.

Mohamed Salah confirms Liverpool exit after 3-0 win vs Manchester United

New Delhi. Liverpool forward Mohamed Salah revealed that this ongoing season will be his last with the club. Salah's announcement came following their emphatic 3-0 victory over Manchester United on Sunday, September 1. Salah, who holds the record as the highest-scoring visiting player at Old Trafford in Premier League history with seven goals, played a crucial role in the match by scoring and providing two assists for Luis Diaz.Liverpool dominated from start to finish, and the margin of victory could have been even greater if not for missed late opportunities. Despite the team's celebration of the resounding success, Salah's post-match comments quickly became the focal point.

"I had a good summer, a long time to stay with myself and think positively a bit, this is my last year with the club and I want to enjoy it," the 32-year-old told Sky Sports."I feel I am

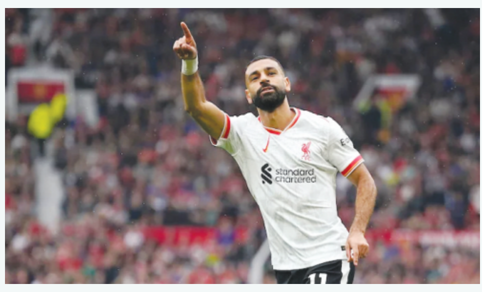

free to play football -- we will see what happens next year. Nobody in the club has talked to me about contracts. It is not up to me, it is up to the club."

Man United vs Liverpool: Match Report

Liverpool manager Arne Slot's impressive start continued as he became the first Liverpool manager since Bob Paisley in November 1975 to win his first match against United, and only the second to do so away from home after George Kay in November 1936. Despite the significant victory, Salah's future with the club was the main topic of discussion."I feel I am free to play football -- we will see what happens next year. Nobody in the club has talked to me about contracts. It is not up to me, it is up to the club."

Man United vs Liverpool: Match Report

Liverpool manager Arne Slot's impressive start continued as he became the first Liverpool manager since Bob Paisley in November 1975 to win his first match against United, and only the second to do so away from home after George Kay in November 1936. Despite the significant victory, Salah's future with the club was the main topic of discussion.

Ollie Pope aims to 'learn and move on' after poor outings as England captain

MS Dhoni opened up about his bond with Virat Kohli and hailed him as one of the best batters in world cricket.

New Delhi. England are on course of completing their summer with a 100% win record in Test cricket after 20 years. Joe Root and Gus Atkinson have been the face of England's success at home with some memorable performances. Amid all the highs, there was one player who came under immense scrutiny for his failure with the bat this season. Pope took over England's captaincy duties in Tests after full-time captain Ben Stokes suffered an injury ahead of the 3-match series against Sri Lanka. He is yet to score a fifty in his stint as Test captain. While Pope admitted his lack of runs in the series and seemed confident on putting up a better performance in the next match at his home ground at the Oval.

"I'm not going to put down my average shot to the fact that I was captain," Pope said. "I'll learn from it and move on, but I think I've managed my own game better throughout this matchâ€¦ The second innings was slightly different, because we were really trying to push the game forward, but I was very disappointed with the shot I played in the first innings so early on," he said.

Ollie Pope on his lean patch

Pope scored a century and two half-centuries in the series against West Indies, but couldn't carry his form against Sri Lanka. He managed to score just 6, 6, 1 and 17 and the experts questioned his shot selection and lack of confidence and pointed out the burden of captaincy weighing him down.Meanwhile, Pope aimed to block the outside chatter and wanted to focus on improving his game.

I'm not surprised," he said. "Chatting to Stokesy before this series, when you're captain as well, you're going to attract a lot more [criticism]. To be honest, it is just important to block it out and keep staying close with the people around you. There's a lot of voices, a lot of guys who want to have their say - some past cricketers as well - and that's completely fine.

Pope aims to shun outside noise

"Everyone's entitled to their opinion, but it's important for us as a team and me to stay and keep trusting the people in the four walls, because that's not going to help me get back into my best form. Sometimes, when you have two bad games, it can feel a lot worse than it is because of the noise that's surrounding it."Pope's focus was on making his team win and staying positive about getting out of the lean patch.

"For me, it's just trying to stay as level as I can and keep on trusting the people around me, putting my work in, and not really overthinking it, to be honest. When I went and made good runs in that West Indies series, that's exactly what I was playing like, so there's no real need for me to get too involved in what people are saying."

Paralympics 2024: Shuttler Murugesan beats Ramadass to fight for gold in final

Indian para shuttler Thulasimathi Murugesan stormed into the final of Women's SU-5 event as she beat her Indian compatriot Manisha Ramadass in the semi-final

New Delhi, Indian para shuttler Thulasimathi Murugesan assured India of their 8th medal at the Paralympics 2024. She stormed into the gold medal match by beating her compatriot Manisha Ramadass in the Women's SU5 semi-final during the wee hours on Monday. It was a hard-fought contest between the two Indians, and it was Murugesan who prevailed in the end as she managed to beat Ramadass 23-21, 21-17 in just under 40 minutes. After the loss in the semi-final, Ramadass will compete in the bronze medal match as she still stood a chance to win a Paralympic medal.The first game turned out to be tightly contested as both the players were determined and showcased their skills. Manisha saved multiple game points, but could not capitalise on the opportunities which she created. Murugesan won the first set 23-21. In the second game, Manisha took an 11-10 lead in the mid-game break. Murugesan made full use of the mistakes made by her opponent. She used a combination of precise drop shots and strategic placements to win the 2nd set as well, 21-17, and reach the fina

Another medal confirmed

The top seed will face China's Yang Qiu Xia, who is a gold medallist from the Tokyo Paralympics, in the final match for gold. Meanwhile, Manisha will compete against Chathrine Rosengren from Denmark for the bronze medal match.

India at Paralympics 2024 so far

India secured seven medals at the Paralympic Games so far, with a gold and two silvers with four bronze medals. On Monday, Nishad Kumar also won a silver medal in the men's high jump T47. Para Sprinter Preeti Pal clinched the bronze medal in 200m T-35 with a time of 30.01 seconds on Sunday.

More glory awaits in Para Badminton as Nithya Sre and Sivarajan Solaimalai will aim for a podium finish in the mixed doubles bronze medal match.Apart from them, Nitesh Kumar, Suhas Yathiraj and Thulusimathi Murugesan will be seen fighting for gold in their respective singles match.Paralympics 2020 in Tokyo was India's most successful campaign with 19 medals, which included five gold, eight silvers and six bronze medals.

Tiafoe becomes 1st American man to reach 3 consecutive US Open quarters since 2008

Frances Tiafoe became the first American man to reach three consecutive quarter-finals in the US Open since 2008. He achieved this feat after defeating Australia's Alexei Popyrin, who was playing his first-ever round four in a Grand Slam. The home favourite turned up on the occasion to defeat the 29th seed Popyrin 6-4, 7-6(3), 2-6, 6-3. He will face Grigor Dimitrov in the quarter-final at Flushing Meadows. Tiafoe recalled his childhood heroes, who inspired him to take up tennis and said that Arthur Ashe Stadium brings the best out of him.

"I always dreamt about playing on this court [since I was] a kid. I used to hit against the wall and wanted to compete on this court," Tiafoe said in his on-court interview. "Seeing the Williams sisters win titles here, seeing Roger win here a million times, I was like 'I just want to play on this court'. It's so iconic, obviously named after Arthur Ashe, so I

wanted to be a part of that. I think it brings out the best of me."

Frances Tiafoe wins Round of 16

Tiafoe's connection with Arthur Ashe Stadium

The match, which lasted for three hours and two minutes, was a lot closer than it may seem. Popyrin who stunned the 24-time Grand Slam winner Novak Djokovic in the third round, was leading the second set 5-2. He also earned three set points on serve at 5-3, 40/0. However, his second serve let him down, which led to a tie-break. He hit eight double faults in that match."He was serving 5-3, 40/0. I was like, 'Well I'm pretty sweaty, I'm sweating through my shoes. I'm about to go and change and try to win this thing in four'," Tiafoe said."I won a point, won another point. I was like, 'Ooh'. He gave me one. I was like, 'Don't let me get two'. And then I was like, 'Don't let me get three'. And then I was like, 'I might as well break now'. I got pretty lucky there, honestly."The Australian made a comeback by clinching the third set.

Sheetal Devi is toast of the world: Armless archer's Paralympics heroics go viral

New Delhi. India's Para Archer Sheetal Devi is garnering massive praise all over the internet for her remarkable performance in the ongoing Paralympic Games in Paris. Sheetal's immaculate accuracy in her sport has made her a social media sensation with several eminent personalities taking notice of her talent.French footballer Jules Konde was left star-struck as he shared the video of the armless archer exhibiting her unique technique to shoot an arrow and hitting a bullseye on his X handle. Famous football broadcaster Piers Morgan was also left in awe of Sheetal as he wrote "These Paralympians are truly incredible. Wow," while sharing the video on his X handle.Erik Solheim, former Minister of Climate and the Environment of Norway also lauded the spirit and courage of the 17-year-old calling her poetry in motion."This is beyond possible! Sheetal Devi is poetry in motion. Just 17 years old.Born without

arms.A true hero. Congrats India," wrote Solheim on his X account.Former India cricketer Harbhajan Singh was also left stunned by the Para Archer and also shared her video on his X handle.

Meanwhile, Sheetal was knocked out in the pre-quarterfinals round of the Women's Individual Compound Open event. The Indian Para athlete lost to Chile's Mariani Zuniga by 137-138. The Jammu and Kashmir-born Para archer hit four bulls eye in the match and ended up losing by a difference of just one point.

Sheetal to compete in Mixed Team Compound Open Quarterfinal

However, her journey in Paris is far from over as she will be seen participating in the Mixed Team Compound Open Quarterfinal alongside Rakesh Kumar on September 2 and will have a chance to finish on the podium on her debut at the Games.

Notably, during the Ranking round of the Individual event, Sheetal shattered the Paralympic and World Record scoring 703 points. However, she was overtaken by Turkey's Oznur Cure who surpassed her by scoring 704 points.

Born with a rare congenital disorder called phocomelia, which causes underdeveloped limbs, Sheetal has overcome incredible odds to become the first and only active female archer competing without arms.

Dinesh Karthik picks Pujara-Rahane's replacement for Border Gavaskar Trophy

Former India wicketkeeper batter Dinesh Karthik named potential replacements of Cheteshwar Pujara and Ajinkya Rahane in the upcoming Border Gavaskar Trophy 2024-25.

New Delhi. Former India cricketer Dinesh Karthik named Cheteshwar Pujara and Ajinkya Rahane's replacements for the upcoming Border Gavaskar Trophy (BGT) scheduled to be played in Australia. Notably, India and Australia will lock horns in a five-match Test series for the first time since 1992 beginning from November 22.

India have had a brilliant record down under in their last two series as they managed to beat the Aussies in their own den. Both Pujara and Rahane played massive roles with the bat to help India trump the Kangaroos on the last two occasions. Hence, replacing the two batting stalwarts won't be an easy task for the India in the upcoming tour.However, Karthik feels that youngsters Shubman Gill and Safaraz Khan have the caliber to replace the senior pros in the upcoming tour."Shubman Gill and Sarfaraz Khan. Both of those batters have done really well against England in the home series that recently happened at the start of the year. I have a feeling both of them will definitely be on that flight to Australia and will be trying to do their best. We will know if they're able to replace both Ajinkya and Pujji (Pujara). Big shoes to fill, but they have the quality and calibre in them," Karthik said on HeyCB with DK show on Cricbuzz.

Notably, Cheteshwar Puajara was the

backbone of the Indian batting line up during their 2018-19 series win finishing as the highest run scorer with 521 runs. On the other hand, Ajinkya Rahane scored a match-winning hundred at the Melbourne Cricket Ground (MCG) in the 2020-21 series to help India recover from the ghosts of the Adelaide Test where they were bundled out for 36 runs in the second innings.

Shubman Gill's memorable debut in Australia

Meanwhile, Shubman Gill, who has played 25 Tests so far, got his career off to a terrific start in Australia during the BGT 2020-21. The 24-year-old finished as sixth highest run scorer of the series with 259 runs from six innings including a match-winning 91 on day 5 of the historic Gabba Test.

On the other hand, Sarfaraz has also got his career off to a good start after recently making his debut against England and scored 200 runs from five innings at an average of 50 with three half centuries to his name. Both players will have massive shoes to fill and will be eager to stand up to the task in Australia.

Taapsee Pannu

Stretches Right Into The Weekend With Intense Aerial Yoga Workout

A true blue fitness enthusiast at heart, Taapsee Pannu indulges in intense physical activities to ensure that she is fit and healthy. One of her favourites is aerial yoga. On Saturday, the actress shared a video of herself practicing aerial yoga. Taapsee wowed fans with her impressive workout routine. In the video, Taapse Pannu can be seen acing various asanas in the air. From hanging with the help of fabric to pulling off some tough exercises, the clip featured moments that were nothing short of a daring stunt. In the caption of the post, Taapsee Pannu wrote, "Aerial shaerial …. N all that jazz…"Taapsee Pannu's workout routine is a combination of strength training, cardio and flexibility exercises. In one of her previous posts, she was seen doing weight training to build strength. She also indulged in sets of rope lat pull-downs and core exercises.In another video, she is seen sitting on the floor in perfect posture while doing yoga. Suggesting that she finds yoga a great way to relax, Taapsee wrote in her caption, "The calm… before the storm."Following two back-to-back releases this month Khel Khel Mein and Phir Aayi Haseen Dillruba, Taapsee Pannu has been garnering love for her performance in both. While in Khel Khel Mein, she shared the screen space with Akshay Kumar, Fardeen Khan, Vaani Kapoor, Ammy Virk, Aditya Seal and Pragya Jaiswal, Phir Aayi Haseen Dillruba marked her second collaboration with Vikrant Massey. Sunny Kaushal also played a pivotal role in this crime thriller.On the personal front, Taapsee Pannu got married to longtime beau and badminton coach Mathias Boe in March, this year. The couple kept the wedding private, with only close friends and family in attendance. Speaking with news agency ANI, she reflected on the reason behind keeping it private. Taapsee said, "Actually, I'm still hesitant in certain ways. I don't like to milk a headline out of it. It's been like that I've seen with actresses: once you are with someone, regardless of how big or small the personality of that someone is, that starts overtaking your headlines, like headlines regarding my work."

Kangana Ranaut

Says She Turned Down SRK's Zero, Akshay's Singh Is Bliing: 'I Was Struggling For...'

Kangana Ranaut claimed she was offered Shah Rukh Khan starrer Zero (2018) and Akshay Kumar's film Singh Is Bliing (2015). She also claimed that Aamir Khan and Salman Khan also offered her the leads in their films. But she turned down both the offers. In a new interview, the actress said that she was considered for some of the biggest films in the last decade but she refused them. She said she wanted to do films that one would not usually do, such as playing Indira Gandhi in Emergency.Speaking on Aap Ki Adalat, Kangana said, "Salman had offered me a role in 'Bajrangi Bhaijaan', Shahrukh had offered a role in 'Zero'." When asked if she ever turned down a film starring Akshay Kumar, she said, "Akshay Kumar was offering me a role in 'Singh is Bling'. As a female actor, I created my own existence (astitva) in the industry. Nobody wants to make a movie on an old woman, who was thrice our Prime Minister (Indira Gandhi)."

Kangana added that there was a time when she struggled to get work. However, her life changed after Queen. While offers poured in, she did not want to do everything coming her way. "In 2006, when I was struggling for roles, nobody offered me anything. Not even secondary roles. When My movie Queen became a success in 2014, then offers came. I felt I have got a separate opportunity. Like Vyjayantimala, Sridevi used to do movies on their own. Will Aamir Khan allow me to give the best performance? Salman is a larger-than-life star. Temptations..they're giants of industry. Salman is my dear friend, Aamir so nice," she said.Kangana had previously claimed that she was offered Ranbir Kapoor starrer Sanju.

Veteran Actress Malashree Supports Darshan; Allu Arjun To Attend NBK's 50-Year Milestone Event

Many actors and actresses have come out in support of Darshan and said that he will get justice. Now, veteran actress Malashree has also come out in support of the actor. Talking to the media about Darshan's case, Malashree said, "I believe in justice and God. It was Darshan who introduced my daughter Aradhana to the industry through the film Kaatera; so my daughter Aradhana and I will be forever grateful to Darshan. The love shown by Darshan cannot be forgotten," she added. Malashree said that he is different from the things she heard and saw. "I really don't know what to say about the incident that has happened now. There is a belief in justice. Hope it will turn out good for Darshan," Malashree further added. She also said Darshan's wife Vijaylaksmi is a strong woman, and has seen manOn the occasion of Nandamuri Balakrishna's 50 years of entering the film industry, a grand celebration has been planned by the Telugu film industry at Hyderabad Hitex Novotel Hotel on September 1. Noted celebrities and politicians will visit the grand event sponsored by Shreyas Media in association with Suchir India. The Film Chamber of Commerce President Bharat Bhushan and other important individuals invited the National Award Winner Allu Arjun on behalf of the Telugu film industry.y ups and downs in life.After much speculation, Deepika Padukone and Ranveer Singh finally announced their pregnancy in February this year. Taking to Instagram, the much-loved couple shared that their baby will arrive in September 2024. The post met with a lot of love from their industry peers including Alia Bhatt, Priyanka Chopra Jonas, Vikrant Massey, Ayushmann Khurrana, and Sonam Kapoor Ahuja, among many others. Through the past few months, Deepika's public appearances where she's flaunting her baby bump have been going viral.

Raj And DK Reveal How Stree Was Born Out Of Brainstorming Sessions At A Cafe: 'A Ridiculous Story That..'

Filmmakers Raj and DK celebrated six years of their hit horror-comedy Stree on Saturday. Directed by Amar Kaushik, who has also directed Stree 2, the film was written and produced by Raj and DK. The duo shared the story of the film's beginning on Instagram. Stree featured Rajkummar Rao, Shraddha Kapoor, Aparshakti Khurana, Abhishek Banerjee, and Pankaj Tripathi.Recalling how a wall scribbling in Tirupati became a horror-comedy, Raj and DK delved into how the story of 'Stree' came to be. "Two back-to-back studio films failed… Typically, this type of situation means the end of a filmmaking career," the duo wrote. It was also the day Mumbai had heavy rain, and with a "heavy heart," Raj walked through foot-deep water to get to a coffee shop with his laptop. Raj continued, "So, I typed out on a blank page, 'O Stree, Kal Aana!' I dug into one of my lasting childhood visuals-every other wall in my hometown Tirupati, covered with the scribbling, 'O Stree, repu raa..' Nobody knew what the story behind that was. All they knew was a strange urban legend that a scary stree will come into your house if you don't write this. Why? How? What does she want? No one knew."

Raj then started wondering, what if she couldn't read Telugu? Why would she keep falling for the same trick to come back? And what if, despite everything, she still wanted to enter? These ideas stayed with him for years and eventually inspired them to think about a "gender reversal" film, where men are the ones afraid to go out late at night, experiencing the fears that many women face every day.

A small coffee shop in Andheri West became their office and that is where they met the crew and actors, discovered a talented writer at the next table, and spent hours discussing the film's production. Soon after, the film hit the floors. The duo wrote, "Cut to: A crew ready to buy into this silly story was put together. A cast was cajoled into doing this film despite it being nonconforming. A film started getting shot despite there being no precedent for this kind. A super friendly fun shoot happened in the tiniest of the towns, Chanderi, where we stayed in guesthouses and schools, shot all over the town and played Mafia at nights. Many lasting bonds were formed."